अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर शनिवार 11 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वादशी

वर्ष 32 अंक 16 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 26.0°C
सूर्योदय - 5.32 | सूर्यास्त - 7.00

व्यवसायी से कथित रंगदारी मांग के मामले में पुलिस ... ⏩ 4

शिल्पा मंजूनाथ का फिटनेस को लेकर बदला ... ⏩ 7

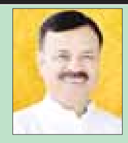

मंत्री उदय प्रताप सिंह 11 जुलाई को रोगी कल्याण... ⏩ 8

जगन्नाथ पुरी के राजा का राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र

इस्कॉन का अलग समय पर रथयात्रा निकालना गलत

भुवनेश्वर

पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव ने इस्कॉन की तरफ से अलग तिथियों पर जगन्नाथ रथयात्रा और स्नान यात्रा निकालने पर आपत्ति जताई है। दिव्यसिंह देव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा है और हस्तक्षेप की मांग की है। दिव्यसिंह ने कहा कि इससे प्राचीन परंपरा खत्म हो जाएगी। गजपति महाराज दिव्यसिंह देब श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं। उनका कहना है कि इस्कॉन रथयात्रा का आयोजन ऐसी तारीखों पर कर रहा है, जो शास्त्रों के अनुसार नहीं हैं। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हो रही हैं। इस्कॉन ने 21 जून को लंदन, 14 जून को न्यूयॉर्क सिटी और 5 जुलाई को सिडनी में रथयात्रा निकाली थी। लेकिन इस साल, स्नान पूर्णिमा 29 जून को थी और पुरी में मुख्य रथयात्रा 16 जुलाई को होगी। इस्कॉन का कहना है कि भगवान जगन्नाथ पूरी दुनिया के श्रद्धालुओं के हैं। विदेशों में मौसम, स्थानीय परिस्थितियों और भक्तों की सुविधा को देखते हुए रथयात्रा की तारीखें अलग-अलग होती हैं ताकि ज्यादा लोग उत्सव में शामिल हों और जगन्नाथ संस्कृति का वैश्विक प्रसार हो। रथयात्रा को लेकर विवाद नया नहीं है। 2024 और 2025 में भी पुरी के गजपति महाराजा ने इस्कॉन से अनुरोध किया था कि विदेशों में भी पुरी के धार्मिक पंचांग के अनुसार रथयात्रा आयोजित की जाए। 2026 में यह विवाद इसलिए ज्यादा चर्चा में आया क्योंकि कई देशों में रथयात्रा पुरी की तिथि से कई हफ्ते

पहले आयोजित की गई, जिसके बाद औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई गई थी।

मप्र में प्रस्तावित रथयात्राओं पर भी आपत्ति

गजपति महाराज ने उज्जैन स्थित इस्कॉन मंदिर की ओर से 16 से 25 जुलाई के बीच मध्य प्रदेश के 66 स्थानों पर रथयात्रा आयोजित करने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों के अनुसार रथ यात्रा केवल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से शुरू होने वाला 9 दिवसीय उत्सव है। उन्होंने कहा कि महर्षि वेदव्यास रचित स्कंद पुराण में भी भगवान जगन्नाथ ने स्वयं स्नान यात्रा और रथयात्रा की निर्धारित तिथि बताई हैं। ऐसे में मनमानी तिथियों पर आयोजित करना प्राचीन परंपराओं और शास्त्रों के विपरीत है।

पूर्वजों ने किया था मंदिर का पुनर्निर्माण

वर्तमान गजपति महाराज दिव्यसिंह देव भोई वंश से हैं। यह वंश भगवान जगन्नाथ की परंपरा के संरक्षक के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने अफगान आक्रमणों के बाद पुरी में भगवान जगन्नाथ की पूजा-परंपरा को फिर से व्यवस्थित किया था और मंदिर की धार्मिक व्यवस्था को पुनर्स्थापित किया। परंपरा के अनुसार, वे भगवान जगन्नाथ के प्रमुख सेवक माने जाते हैं। रथ यात्रा के दौरान रथों पर सोने की झाड़ू से बुहारने की पवित्र सेवा करते हैं। 1970 में मात्र 17 साल की आयु में उनका राज्याभिषेक हुआ था। कानून की उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले महाराज देव श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति के स्थायी अध्यक्ष भी हैं।

करूर भगदड़ मेरे जीवन का सबसे बड़ा दर्द : विजय

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कड़गम के अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय अपनी रैली में हुए भगदड़ हादसे की घटना के बाद पहली बार करूर पहुंचे। सीएम विजय ने करूर भगदड़ हादसे को अपनी राजनीतिक यात्रा का सबसे गहरा घाव बताया। मुख्यमंत्री विजय ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि पुलिस भीड़ को ठीक से संभालने में नाकाम रही और पिछली सरकार पर इस त्रासदी का दोष उन पर मढ़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी। सभा को संबोधित करते वक्त भगदड़ की घटना को याद करते हुए विजय ने कहा, इंसान जिंदगी में चाहे कितनी भी ऊंचाइयों पर क्यों न पहुंच जाए, दिल के कुछ दर्द और घाव कभी भुलाए नहीं जा सकते। सबसे ज्यादा जिस दर्द और घाव ने मुझे प्रभावित किया, वह करूर की घटना है। त्रासदी से जुड़ी घटनाओं को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके राज्यव्यापी पीपल्स मीट (जन-संपर्क) कार्यक्रम का मकसद लोगों से सीधे जुड़ना और उनकी चिंताओं को समझना था।

नरोत्तम नहीं बने उम्मीदवार आशुतोष के नाम छिड़ी रार

जिलाध्यक्ष समेत पार्षदों का इस्तीफा, विरोध में सड़क पर लेटीं महिलाएं

दतिया

भाजपा ने पिछला विधानसभा चुनाव हारे पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को दतिया उपचुनाव का टिकट नहीं दिया। पार्टी ने शुक्रवार को आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया। टिकट कटने के बाद नरोत्तम मिश्रा के समर्थक और व्यापारी सड़क पर उतर आए। बीजेपी जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह कुशवाह समेत पार्षदों ने इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने झांसी हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे करीब 2 किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। प्रदर्शनकारियों ने दुकानें बंद

कर भोपाल में भी विरोध करने की चेतावनी दी है। महिलाएं सड़क पर लेट गई हैं। आशुतोष के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। वहीं, उपचुनाव की घोषणा के बाद से नरोत्तम मिश्रा चुनावी तैयारियों में जुटे थे। सभाएं करके अपनी पुरानी गलतियों पर माफी मांग रहे थे। उन्होंने बुधवार को नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया था। शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने की चर्चा थी। अब तक 13 लोगों ने नामांकन फॉर्म खरीदा है। इनमें से 4 ने जमा कर दिया है। व्यापारियों ने कहा- नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटे जाने से व्यापारी वर्ग में नाराजगी है। इससे व्यापारियों को दिक्कत होगी। हम भोपाल जाकर धरना-प्रदर्शन करेंगे और टिकट काटने के फैसले का विरोध करेंगे। जरूरत पड़ी तो बाजार भी बंद रखेंगे। बता दें, आशुतोष तिवारी ने 2023 में सेवढ़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा का टिकट मांगा था, लेकिन यह टिकट प्रदीप अग्रवाल को दिया गया। तिवारी भाजपा के संभागीय संगठन मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा, वे मप्र हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन (कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ) के पद पर भी रहे हैं।

राजेंद्र भारती को हाईकोर्ट से झटका, सजा बरकरार

मध्यप्रदेश के दतिया से पूर्व विधायक राजेंद्र भारती को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने बैंक फ्रॉड मामले में उनकी अपील खारिज कर दी और दोषसिद्धि को चुनौती देने की मांग पर राहत नहीं दी। इस मामले में उन्हें पहले ही 3 साल की सजा सुनाई जा चुकी है, जिसके बाद उनकी विधायकी भी चली गई थी। दरअसल, राजेंद्र भारती को दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने एक पुराने कॉपरेटिव बैंक एफडी घोटाले और धोखाधड़ी के मामले में दोषी ठहराया था। अदालत ने 2 अप्रैल 2026 को उन्हें 3 साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। वहीं, निर्वाचन आयोग ने दतिया सीट पर 30 जुलाई 2026 को वोटिंग और 3 अगस्त 2026 को नतीजों का कार्यक्रम घोषित कर रखा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पहले उनकी जेल की सजा को निलंबित कर दिया था। हालांकि दोषसिद्धि पर रोक लगाने की उनकी मांग पर राहत नहीं मिली। अब अदालत ने उनकी अपील भी खारिज कर दी है। राजेंद्र भारती ने अदालत से चुनावी प्रक्रिया को लेकर भी राहत मांगी थी, लेकिन उन्हें इसमें भी सफलता नहीं मिली। नियमों के तहत जब तक ऊपरी अदालत दोषसिद्धि पर पूरी तरह स्टे नहीं लगाती, तब तक न तो विधायकी बहाल हो सकती है और न ही नया चुनाव लड़ा जा सकता है। इसी नियम के तहत दतिया सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया था।

बड़े नेता की राजनीतिक हत्या : मीना

दतिया उपचुनाव में नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने पर गुना जिले की चांचौड़ा की पूर्व विधायक ममता मीना ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने वीडियो जारी कर इसे एक बड़े नेता की राजनीतिक हत्या बताया। ममता मीना ने कहा कि जिस तरह वसुंधरा राजे, उमा भारती और यशोधरा राजे को किनारे किया गया, उसी तरह नरोत्तम मिश्रा के साथ भी हुआ है। यही स्थिति रही, तो आने वाले समय में भाजपा दो हिस्सों में बंट सकती है।

नरोत्तम ने मुझे फोनकर बधाई दी : आशुतोष

भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी ने चर्चा के दौरान कहा कि पार्टी ने एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में जो जिम्मेदारी दी है, उसका पूरी निष्ठा से पालन करूंगा। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा हमारे अभिभावक हैं। उनका आशीर्वाद मेरे साथ है। मुझे फोन कर बधाई भी दी है। मुझे पूरा भरोसा है कि हम यह चुनाव जीतेंगे। केंद्र और मध्य प्रदेश, दोनों जगह भाजपा की सरकार है और जनता का समर्थन हमारे साथ है।

अमित शाह एफसीआरए नियमों को लेकर देश को गुमराह कर रहे

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के नये नियम तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस मामले में कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई), प्रबुद्ध नागरिकों और आम जनता को गुमराह कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि श्री शाह ने सीबीसीआई के समक्ष एफसीआरए को लेकर गलत जानकारी दी है और सरकार की जिम्मेदारी से ध्यान हटाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि 2020 में केंद्र सरकार ने एफसीआरए नियमों को और कठोर बनाते हुए संगठनों के निलंबन की अवधि बढ़ायी, उनकी गतिविधियों की जांच के लिए केंद्र को अधिक अधिकार दिये तथा उनके प्रशासनिक खर्च की सीमा तय कर दी, जिससे उनके नियमित कार्य प्रभावित हुए। श्री वेणुगोपाल का आरोप है कि 2026 में सरकार ने एफसीआरए कानून में संशोधन कर प्राप्तकर्ता संस्थाओं की संपत्तियां जब्त करने और लाइसेंस स्वत: समाप्त करने जैसे प्रावधान लाने का प्रयास किया। व्यापक विरोध के बाद इन संशोधनों को वापस लिया गया लेकिन बाद में इन्हें नियमों के जरिए लागू करने की कोशिश की गई। उनका कहना था कि नये नियमों के तहत संगठनों के कार्यक्षेत्र और भौगोलिक दायरे में बदलाव पर रोक लगाने तथा वैचारिक आधार पर उनकी जांच करने जैसे प्रावधान भी किये गये हैं। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि वर्ष 2010 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की ओर से बनाये गये एफसीआरए कानून में ऐसे प्रावधान नहीं थे। उन्होंने गृह मंत्री से एफसीआरए के नए नियम तत्काल वापस लेने की मांग की।

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव को 3 महीने की जेल

नई दिल्ली। एक्टर राजपाल यादव पर चेक-बाउंस का केस कुछ महीने पहले बहुत चर्चा में था। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से राजपाल को इस मामले से निकालने के लिए काफी फाइनेंशियल मदद मिली थी और फरवरी में वो जेल से जमानत पर बाहर भी आ गए थे। लेकिन अब राजपाल को बड़ा झटका लगा है और उनके एक्शंस को संदिग्ध बताते हुए प्रशासन से उन्हें फिर जेल भेजने को कहा है। जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा ने राजपाल को दोषी मानते हुए सेशंस कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा में संशोधन किया। अदालत ने राजपाल यादव को सातों मामलों में शिकायतकर्ता को 1.05 करोड़ रुपये की पेमेंट करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा शिकायतकर्ता को 1.04 लाख रुपये और 75 हजार रुपये, जबकि राज्य को 25 हजार रुपये देने का भी आदेश दिया गया। हाईकोर्ट ने राजपाल यादव की पत्नी राधा यादव को भी हर मामले में शिकायतकर्ता को 5,51,380 रुपये की पेमेंट करने को कहा है।

चढ़ावा चोरी विवाद : दान गिनने वाले 23 कर्मचारियों का इस्तीफा

अब एक ही शिफ्ट में कराई जा रही गिनती

अयोध्या। श्री रामजन्मभूमि परिसर के मंदिरों से चढ़ावा चोरी और आठ लोगों की गिरफ्तारी के बाद अब नकद चढ़ावे की गिनती करने वालों के सामूहिक त्यागपत्र से खलबली मची है। इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के समक्ष बड़ा संकट भी खड़ा हो गया है। मंदिरों में नकद चढ़ावे की गिनती करने वाले कर्मियों ने कार्य के अधिक दबाव व वेतन पहले से कम कर देने का आरोप लगाकर त्यागपत्र दे दिया है। गणना में शामिल 23 कर्मियों के अचानक त्यागपत्र देने से खलबली मची है। नकद गिनती में काफी दक्ष माने जाने वाले कर्मियों के त्यागपत्र देने से अब हाउसकीपिंग कर्मियों से गिनती करवाई जा रही है, जिनको इस काम में महारत ही नहीं है। राम मंदिर परिसर में अब चढ़ावा भी कम हुआ है और अब दान में आने वाले बड़े नोटों की संख्या भी पहले से कम हुई है। पांच सौ व सौ रुपये के नोट कम आ रहे हैं। अब पहले की अपेक्षा प्रतिदिन केवल 15-20 बंडल बन रहे हैं। इससे पहले 40-45 बंडल बनते थे। ट्रस्टियों के स्तर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई, लेकिन इस्तीफे को सही बताया जा रहा है। अब एक ही शिफ्ट में सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक गिनती कराई जा रही है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद 23 गणनाकर्मियों के सामूहिक इस्तीफा देने के बाद अब केवल 13 गणनाकर्मी ही बचे हैं। जल्द ही ट्रस्ट नये कर्मियों की भर्ती करेगा।

मध्य प्रदेश के विकास की धारा से जुड़ेंगे 5 हजार युवा

डॉ. यादव इंदौर में माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 का करेंगे शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश के लगभग 5 हजार युवाओं की सहभागिता वाले इस महाआयोजन का उद्देश्य युवा शक्ति को प्रदेश के विकास की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके विचारों को नीति निर्माण में शामिल करना तथा विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कॉन्क्लेव में शिक्षा, खेल, उद्यमिता, कृषि, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, संस्कृति, पर्यावरण तथा सामाजिक विकास सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों के युवा सहभागिता करेंगे। कॉन्क्लेव की विशेषता क्रांति और ज्ञान के संगम का प्रतीक दो प्रेरक रैलियां होंगी। अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की जन्मस्थली चन्द्रशेखर आज़ाद नगर (भाबरा) से प्रारंभ हुई आज़ाद युवा बाइक रैली तथा आदि शंकराचार्य की दीक्षा भूमि ओंकारेश्वर से प्रारंभ हुई शंकर संकल्प साइकिल यात्रा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचकर एक साथ अपने गंतव्य पर पहुंचेगी।

कलानी इम्पेक्स मामले में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने कलानी इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके सक्रिय निदेशक धर्मेश नरेंद्र सांगाणी के खिलाफ चल रही जांच के सिलसिले में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत हाल ही में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एजेंसी को विदेशों में अघोषित परिसंपत्तियों, विदेशी बैंक खातों और संदिग्ध सीमा-पार वित्तीय लेनदेन से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। ईडी के अनुसार, फेमा के कथित उल्लंघनों की चल रही जांच के तहत तलाशी अभियान चलाया गया।

पहले वंदे मातरम् फिर जन-गण-मन होगा

सरकार का 5 महीने में दूसरी बार निर्देश, राज्यों से कहा- सख्ती से पालन कराएं

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राष्ट्रगान जन-गण-मन और राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को नए निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि नियमों में पहले से तय है कि किन कार्यक्रमों में दोनों को गाना या बजाना जरूरी है। मंत्रालय ने कहा कि एक ही कार्यक्रम में दोनों में से पहले वंदे और फिर जन-गण-मन होगा। जिन राज्यों में राज्य गीत होता है, वहां भी सीक्वेंस का पालन करना होगा। 9 जुलाई को सभी राज्यों और मंत्रालयों को पत्र भेजा गया, जिसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई है। सभी राज्यों से कहा गया है कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत हमेशा उनके असली शब्दों, सही उच्चारण और तय नियमों के अनुसार ही गाया और बजाया जाए। इसके लिए दोनों की ऑफिशियल कॉपी मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

28 जनवरी को पहली बार आदेश आया

इससे पहले 28 जनवरी को भी सरकार ने सभी राज्यों को यही आदेश दिया था। इसमें मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत में राष्ट्रगीत बजाया जाएगा। वंदे मातरम् के समय हर व्यक्ति को खड़ा होना होगा। राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे। इनकी कुल अवधि 3.10 मिनिट है। पहले दो अंतरे गाए जाते थे। सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले वंदे मातरम बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों को उस दौरान खड़ा होना जरूरी नहीं होगा।

बंकिम चंद्र ने 1875 में लिखा था, आनंदमठ में छपा था

भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम को बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया। यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गई थीं। वंदे मातरम एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था।

पिछले 6 माह में 1903 सड़क दुर्घटनाओं में 324 लोगों की हुई मौत

कलेक्टर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न, सुरक्षा पर दिया गया जोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय, डीएफओ पुनीत सोनकर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत और एडिशनल एसपी यातायात अंजना तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि पिछले छह महीनों में जिले में 1903 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 324 लोगों की मृत्यु हुई और 2239 लोग घायल हुए हैं। इन आंकड़ों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के सख्त निर्देश दिए।

सड़क संकेतों की अनदेखी ही मुख्य वजह

बैठक में हादसों के प्रमुख कारणों की समीक्षा की गई, जिनमें तेज गति, नशे में वाहन चलाना, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग न करना और सड़क संकेतों की अनदेखी को मुख्य वजह माना गया। यातायात पुलिस को विशेष अभियान चलाकर हेलमेट व सीट बेल्ट को अनिवार्य करने, ओवरलोडिंग तथा नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ चालान और वसूली की सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी और एनएचएआई को दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर वहां सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने, सड़क संकेतक, स्पीड ब्रेकरए स्ट्रीट लाइट और रोड मार्किंग को तत्काल दुरुस्त करने को कहा गया है। सड़कों की मरम्मत करनेए गड्ढे भरने और जगह.जगह रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि रात्रि के समय होने वाले हादसों को टाला जा सके। शहर के आंतरिक यातायात को सुगम बनाने के लिए अतिक्रमण हटाने, अवैध पार्किंग पर अंकुश लगाने और ई रिक्शा के संचालन को व्यवस्थित करने का निर्णय लिया गया है। जयंती टॉकीज और बल्देवबाग जैसे व्यस्त इलाकों में यातायात सुधार के लिए विशेष कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

ब्लैक स्पॉट्स खत्म करने दिया जोर

बैठक में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्कूल वाहनों के लिए नई गाइडलाइन जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अलग अलग स्कूलों की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को सुरक्षित छोड़ने, ले जाने और वाहनों की सुरक्षित पार्किंग की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए जल्द ही स्कूल संचालकों के साथ बैठक की जाएगी और सभी वाहन चालकों का पुलिस चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाएगा। इसके अलावाए नो एंट्री वाले क्षेत्रों में कैमरे लगाने और जिले के सभी चिह्नित ब्लैक स्पॉट्स को खत्म करने के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में कहा गया कि बरसात के समय गौ.वंश सड़क पर आ जाते हैंए अतरू उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करें। बैठक में वन विभाग से जुड़े विषयों पर भी चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्याक निर्देश दिये गये।

तंबाकू उत्पादों के सेवन से प्रति वर्ष हो रही लाखों लोगों की मृत्यु

तम्बाकू नियंत्रण कानून के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका परिषद्, सिहोरा के सभागार में कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी के मार्गदर्शन में नगर पालिका के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों का राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं भारतीय तम्बाकू नियंत्रण कानून के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग से जिला नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. प्रशांत दुबे, नगर पालिका एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हुक्का बार का संचालन प्रतिबंधित

एमपीवीएचए के संभागीय समन्वयक रोहित पालीवाल के द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं भारतीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम पर विस्तृत जानकरी साझा करते हुए बताया की प्रत्येक वर्ष 13 से 14 लाख लोगों की मृत्यु तम्बाकू उत्पाद के सेवन से हो जाती है साथ ही कानून के बारे में जानकारी देते हुए बतया की सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (कोटपा-2003) की धारा 4-सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध है उल्लंघन करने पर 200 रूपये तक का जुर्माना हो सकता है। धारा 5-तम्बाकू उत्पादों के प्रचार-प्रसार हेतु विज्ञापन, उनके द्वारा प्रायोजन (स्पान्सरशिप) एवं प्रोत्साहन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निषेध है। धारा 6अ-18 वर्ष से कम आयु के अवयस्क व्यक्ति के द्वारा तम्बाकू उत्पाद बेचना प्रतिबंधित है।

इसी कड़ी में आगे बताते हुए उन्होंने यह भी जानकारी दी की भारत सरकार के द्वारा तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान दिशा निर्देश भी जारी किये गए है साथ ही राज्य में हुक्का बार का संचालन प्रतिबंधित है । प्रशिक्षण के अंत में समस्त उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों ने तम्बाकू नियंत्रण कानून की धाराओं के उल्लघंन के उल्लघंन होने पर कार्यवाही सुनिश्चित करने का कहां।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने जाने अपने अधिकार बारीकी से समझा पॉक्सो अधिनियम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक विधिक जागरूकता पहुंचाने के उद्देश्य से धन्वंतरि नगर स्थित शासकीय दृष्टिबाधित बालक हायर सेकेंडरी विद्यालय एवं नेत्रहीन कन्या विद्यालय में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियमए 2016 तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सोद्ध अधिनियम) 2012 विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के संरक्षक के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को उनके विधिक अधिकारोंए उपलब्ध संरक्षण तथा न्याय तक पहुंच के संबंध में जागरूक करना था। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रदीप सिंह ठाकुर ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियमए 2016 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए समानता, सम्मान, शिक्षाए सुलभता, भेदभाव रहित व्यवहार एवं समान अवसर जैसे अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ की बैठक कल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं समस्त प्रकोष्ठों के प्रभारी महेन्द्र सिंह चौहान तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी के निर्देशन में भोपाल मुख्यालय द्वारा जबलपुर शहर जिला एवं जिला ग्रामीण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ की नवीन कार्यकारिणी का अनुमोदन कर दिया गया है। शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जूज् सराफ, ग्रामीण अध्यक्ष नारायण सिंह शर्मा एवं जिला प्रभारी केशव प्रसाद चौरसिया द्वारा बताया गया कि 12 जुलाई, रविवार, प्रातः 11.30 बजे गांधी भवन टाउन हॉल, जबलपुर में नगर एवं जिला ग्रामीण कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान नगर कार्यकारिणी एवं जिला ग्रामीण कार्यकारिणी के विभिन्न पदों पर नियुक्त पदाधिकारियों की सूची जारी की जाएगी। बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे तथा संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन को अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने संबंधी विषयों पर अपने विचार रखेंगे। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को मिलने वाली सुविधाओं एवं उनके अधिकारों के संबंध में केंद्र एवं प्रदेश सरकार को मांग-पत्र सौंपने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

किसान की कई क्विंटल मूंग ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया थाने में 45 वर्षीय ज्ञानेश्वर शर्मा निवासी पुरानी बस्ती ,रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह मदनमहल के उस्मान खान की 5 एकड़ जमीन जो ग्राम उमरिया में है लगभग 8 वर्ष से सिकमी लेकर कर खेती कर रहा है। खेत में 5 कमरे बने हैं फसल रखने व रहने के लिये है उसने उड़द की फसल गहाई करवाकर कमरे में रखा था। 28 जून की शाम 6 बजे घर आ गया था। अगले दिन सुबह 9 बजे खेत जाकर देखा उड़द मूंग रखे कमरे का ताला खोलकर देखा तो मूंग कम दिखाई दी। दरवाजे के उपर लगभग डेढ़ फुट खुला है बाहर आकर देखा मूंग के दाने डले हुये थे लगभग 4-5 क्विंटल कीमत लगभग 40 हजार की नहीं थी।

किसानों से खरीदी लाखों की सब्जी, फिर नहीं किया भुगतान

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम बरगी के कई किसानों ने एक युवक पर भिंडी खरीदने के बाद लाखों रुपये का भुगतान नहीं करने तथा पैसे मांगने पर धमकाने का आरोप लगाया है। पीड़ित किसानों ने थाना सिहोरा में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पुलिस ने फिलहाल केवल नॉन कॉग्निजेबल रिपोर्ट दर्ज की है। किसानों द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार अमित कुशवाहा, लक्ष्मीकांत वर्मन, मनोज कुशवाहा, राजेश कुशवाहा एवं राजकुमार कुशवाहा सहित अन्य किसानों ने बताया कि उन्होंने 28 मार्च 2024 से 10 अप्रैल 2024 के बीच अर्शीफ कुशवाहा एवं दीपक कुशवाहा को भिंडी बेची थी। आरोप है कि खरीदार समय-समय पर भुगतान का आश्वासन देता रहा, लेकिन बाद में राशि देने से साफ इनकार कर दिया। थाने पहुंचे किसानों ने बताया कि अमित कुशवाहा के 90,996 रुपये, लक्ष्मीकांत वर्मन के 45,600 रुपये, मनोज कुशवाहा के 50,000 रुपये, राजेश कुशवाहा के 60,000 रुपये तथा राजकुमार कुशवाहा के 25,000 रुपये सहित अन्य किसानों की भी रकम बकाया है। किसानों का आरोप है कि भुगतान मांगने पर आरोपी ने धमकाते हुए कहा कि 'जहां शिकायत करनी है कर दो, मेरा कुछ नहीं होगा। शिकायत के आधार पर सिहोरा पुलिस ने 10 जुलाई को एनसीआर क्रमांक 659/2026 दर्ज कर लिया है। हालांकि किसानों का कहना है कि यह केवल भुगतान विवाद नहीं, बल्कि सुनियोजित धोखाधड़ी का मामला है।

विद्युत सुरक्षा को जन-आंदोलन बनाने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के ऐतिहासिक मानेकशॉ सेंटर में विद्युत अग्नि सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस बैठक में देश भर के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने विद्युत सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने पर जोर दिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्युत जनित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता फैलाना और हर स्तर पर सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करना रहा। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने संदेश में कहा कि बिजली का विस्तार और नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण भारत की प्रगति का आधार है, लेकिन यह विकास सुरक्षा की मजबूत संस्कृति के साथ ही आगे बढ़ना चाहिए। वहीं, विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने नागरिकों से घरों और कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने की अपील करते हुए कहा कि आज के दौर में छोटी सी लापरवाही भी बड़ी तबाही का कारण बन सकती है। सतर्कता और जिम्मेदार व्यवहार ही इसका एकमात्र प्रभावी उपाय है। सम्मेलन में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद सहित कई शीर्ष अधिकारियों ने 'जीरो एक्सीडेंट' के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की वकालत की।

विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि नागरिकों को घरों में लोड बढ़ाते समय और आंतरिक वायरिंग करवाते समय तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह लेनी चाहिए। साथ ही, विद्युत उपकरणों की नियमित जांच और वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध जैसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

घर में घुसकर बदमाशों ने किया कब्जा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोराबजार थाने में 35 वर्षीय अमित गौड़ निवासी ग्राम आलुध थाना मुगवानी नरसिंहपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि मनीष कुमार रिछारिया ठेकेदार ने उसे लगभग 2 माह पहले रवि डींगरा जिनका मकान डीमार्ट के पास तिलहरी में हैं की देखभाल के लिए काम दिलाया था। लगभग 2 माह पहले वह पत्नी हंसवती और बच्चों के साथ रवि के उक्त मकान में रहकर देखभाल कर रहा था। 8 जुलाई की रात 3 व्यक्ति मकान की बाउण्ड्री वाल कूदकर मकान के अंदर आ गये, उसने पूछा तो सभी उसके साथ बहस करते हुये बोले कि यह मकान हमारा है ।

शॉर्ट फिल्म तावीज़ में युक्तार्थ के जीवंत अभिनय ने जीता दिल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी की माटी से निकले बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता युक्तार्थ श्रीवास्तव इन दिनों अपनी नई लघु फिल्म तावीज़ में अपने असाधारण और जीवंत अभिनय को लेकर देश भर में आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। निर्माता अजय जोशी की इस लघु फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे युक्तार्थ ने अभिनय की एक ऐसी नई मिसाल पेश की है, जिसकी हर तरफ जमकर सराहना हो रही है। यह लघु फिल्म समाज को तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास के जानलेवा जाल से दूर रहने का एक बेहद भावप्रधान और मार्मिक संदेश देती है। इस लघु फिल्म में युक्तार्थ का अभिनय सिर्फ कलाकारी नहीं, बल्कि जीवंतता की पराकाष्ठा है।

उन्होंने अपने किरदार के दर्द, कशमकश और हर एक जज्बात को पर्दे पर इस तरह उतारा है कि दर्शक खुद को उस चरित्र से जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। उनका अभिनय इतना मार्मिक और प्रभावशील है कि देखने वालों को भी रुला देता है। समीक्षकों का मानना है कि उनके चेहरे के हाव-भाव, आँखों की गहराई और संवाद अदायगी में ऐसा जादू है जो सीधे दिलों को छू जाता है।

उन्होंने बिना किसी बनावट के, बेहद स्वाभाविक और रियलिस्टिक तरीके से मुख्य चरित्र की आत्मा को पर्दे पर जिंदा कर दिया है। युक्तार्थ ने देश भर में 1500 से अधिक नाटकों और मोनोलॉग में अपनी कला का लोहा मनवाया है। युक्तार्थ भाषा विज्ञानी, हिंदी बुन्देली के मर्मज्ञ स्व.डॉ पूरनचंद श्रीवास्तव के नाती एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रतुल श्रीवास्तव, विमला श्रीवास्तव के सुपुत्र हैं।

बादलों की लुकाछिपी के बीच फिर बढ़ी उमस, सूरज ने दिखाए तीखे तेवर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी जबलपुर में शुक्रवार मौसम का मिजाज काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सुबह से ही आसमान में बादलों की लुका-छिपी का दौर शुरू हो गया, जिसे देखकर शहरवासियों को लगा कि जल्द ही झमाझम बारिश से राहत मिलेगी। हालांकि, उम्मीदों के ठीक विपरीत बादलों ने बरसने से साफ इंकार कर दिया। दिनभर घने बादल छाए रहने के बावजूद बारिश की एक बूंद भी नहीं टपकी, जिससे लोगों को निराशा हाथ लगी। दोपहर होते-होते मौसम ने करवट बदली और हवा की रफ्तार थमने के कारण पूरा शहर उमस की आगोश में समा गया। तीखी धूप न होने के बाद भी वातावरण में नमी का स्तर बढ़ने से लोग पसीने से तर-बतर होते नजर आए। घरों और दफ्तरों में कूलर-पंखे भी इस भारी उमस के सामने बेअसर साबित हुए, जिसके चलते दोपहर का समय बेहद बेचैनी भरा और कष्टदायक रहा। बरसात जहां 180.8 मिमी दर्ज की गयी। बादलों के इस धोखे और हवाओं के रुख बदलने से स्थानीय तापमान में हल्की बढ़त भी दर्ज की गई। इस दौरान अधिकतम तापमान 32.0 तो वहीं न्यूनतम तापमान 26.0 दर्ज किया गया।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, ऊपरी हवाओं में चक्रवात और पर्याप्त नमी होने के कारण बादल तो बन रहे हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर मजबूत सिस्टम न बनने की वजह से वे बिना बरसे ही आगे निकल जा रहे हैं। इसी वजह से पारे में मामूली उछाल आया है और गर्मी का अहसास बढ़ गया है।

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा, फिर भी 4 सालों से दिया जा रहा महत्वपूर्ण पदों पर प्रभार

अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने मध्य भारत मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य भारत मोर्चा के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि वर्तमान नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक संजय सिंह जिन्हें लोकायुक्त द्वारा मई 2022 में 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बावजूद 4 वर्ष बीत जाने पर भी अभियोजन स्वीकृति एवं विभागीय कार्यवाही

पूर्ण नहीं हुई जिसे लेकर मोर्चा के सदस्य कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ यादव ने कहा कि प्रदेश भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर रहा है परंतु ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर नज़र क्यों नहीं जा रही है और तो और संबंधित अधिकारी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते आ रहे और अब उनके सेवानिवृत्त होने का समय भी निकट बताया जा रहा है। ऐसी स्थिति से आम नागरिकों में यह संदेश जाता है कि भ्रष्टाचार के मामलों में समय पर कार्यवाही नहीं हो रही है, जिससे शासन की भ्रष्टाचार विरोधी नीति पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। वर्ष 2022 के रिश्वत प्रकरण में अभियोजन स्वीकृति में हुई देरी की उच्चस्तरीय जांच की मांग मोर्चा सदस्यों ने ज्ञापन में करते हुए पूछा गया कि चार वर्षों तक फाइल किन-किन अधिकारियों के पास लंबित रही तथा देरी के लिए कौन जिम्मेदार है।यदि किसी अधिकारी द्वारा जानबूझकर विलंब किया गया है तो उसके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाए।

ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगे

ज्ञापन में नागरिक आपूर्ति निगम में समर्थन मूल्य पर धान, गेहूं एवं अन्य खरीदी से जुड़े मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन स्वीकृति एवं चालान प्रस्तुत करने के लिए अधिकतम समय-सीमा निर्धारित की जाए तथा उसका अनिवार्य पालन सुनिश्चित किया जाए।

लोकायुक्त द्वारा दर्ज लंबित भ्रष्टाचार प्रकरणों की राज्य स्तर पर समीक्षा कर समयबद्ध निराकरण कराया जाए। अध्यक्ष सौरभ यादव ने बताया कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनता का विश्वास तभी मजबूत होगा जब कार्रवाई केवल गिरफ्तारी तक सीमित न रहकर समयबद्ध न्यायिक एवं विभागीय निष्कर्ष तक पहुंचे। अतः जनहित एवं सुशासन की भावना से इस प्रकरण में तत्काल हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की गई। इस दौरान मध्य भारत मोर्चा अध्यक्ष सौरभ यादव, दिलीप विश्वकर्मा, शोभित राजपूत, सौरभ मिश्रा, निहाल यादव, राजा बाबा, लक्की सोनी, सोहेल, अफजल, समीर, आकाश ,अमित आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 11 जुलाई 2026

भारत एक महान, प्राचीन और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है। हमारे देश ने विज्ञान, गणित, चिकित्सा, कृषि, साहित्य, योग और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में विश्व को अमूल्य योगदान दिया है। आज प्रत्येक भारतीय का सपना है कि भारत एक विकसित, आत्मनिर्भर और विश्व में अग्रणी राष्ट्र बने, जहाँ प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्याप्त रोजगार, सुरक्षित वातावरण और सम्मानजनक जीवन प्राप्त हो। यह सपना तभी साकार होगा जब सरकार और नागरिक मिलकर देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

1. शिक्षा, विकास की मजबूत नींव

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा बच्चों तथा युवाओं को ज्ञान, कौशल और नई सोच प्रदान करती है। शिक्षा से वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक मूल्य और सामाजिक जागरूकता का विकास होता है। यदि प्रत्येक बच्चे तक समान शिक्षा पहुँचे, तो वह देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

2. स्वास्थ्य और स्वच्छता का महत्व

स्वस्थ नागरिक ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। देश के प्रत्येक गाँव और शहर में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होना आवश्यक है। गरीब और जरूरतमंद लोगों को भी सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा मिलनी चाहिए। स्वच्छता, पौष्टिक भोजन, शुद्ध पेयजल और नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से स्वस्थ भारत का निर्माण किया जा सकता है।

3. रोजगार और आत्मनिर्भर भारत

विकसित भारत के लिए युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार मिलना आवश्यक है। उद्योग, कृषि, व्यापार, तकनीक और सेवा क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करके बेरोजगारी को कम किया जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की मजबूत बनाती है। जब भारत अपने उत्पादों का निर्माण स्वयं करेगा, तब देश की अर्थव्यवस्था और अधिक सशक्त होगी।

4. विज्ञान, तकनीक और नागरिकों की भूमिका

विज्ञान और तकनीक आज विकास की नई पहचान हैं। डिजिटल सेवाएँ, नवाचार और आधुनिक तकनीक देश की प्रगति को गति देती हैं। इसके साथ ही प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह ईमानदारी से अपने कार्य करे, कानून का पालन करे, पर्यावरण की रक्षा करे और स्वच्छता बनाए रखे। जागरूक और जिम्मेदार नागरिक ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

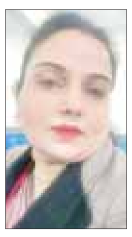

दीपशिखा गुप्ता
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी
चिल्ड्रन एकेडमी
गोविंदगंज, जबलपुर

विद्यार्थियों को संस्कार ही बनाते हैं आदर्श नागरिक

भारतीय संस्कृति में संस्कार मानव जीवन का अमूल्य आधार माने गए हैं। हमारे वेदों और शास्त्रों में जन्म से लेकर मृत्यु तक विभिन्न संस्कारों का वर्णन मिलता है। संस्कार मनुष्य को राष्ट्र, समाज और परिवार के प्रति जिम्मेदार, अनुशासित तथा कर्तव्यनिष्ठ बनाते हैं। विद्यार्थी जीवन में संस्कारों का महत्व अत्यंत विशेष है, क्योंकि यही जीवन की मजबूत नींव तैयार करते हैं। केवल पुस्तकीय ज्ञान व्यक्ति को शिक्षित बना सकता है, लेकिन संस्कार उसे श्रेष्ठ इंसान बनाते हैं।

विद्यार्थी जीवन में संस्कारों का महत्व

विद्यार्थी जीवन सीखने और व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। अच्छे संस्कार विद्यार्थियों में सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, दया, सहनशीलता और नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं। संस्कारों के कारण विद्यार्थी अपने ज्ञान का सही दिशा में उपयोग करना सीखता है तथा जीवन में सफलता प्राप्त करने के योग्य बनता है।

संस्कारों से चरित्र निर्माण

संस्कार व्यक्ति के चरित्र को मजबूत बनाते हैं। एक संस्कारी विद्यार्थी अपने गुरुजनों, माता-पिता और बड़ों का सम्मान करता है, समय का सदुपयोग करता है तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है। अच्छे संस्कार उसे कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने, असफलताओं से सीखने और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। यही गुण उसे आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं।

प्रमुख संस्कार

- माता-पिता, गुरुजनों तथा परिवार के बुजुर्गों का सम्मान करना और उनके अनुभवों से सीखना प्रत्येक विद्यार्थी का प्रथम कर्तव्य है।
- हमेशा सत्य बोलना तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलना मन में आत्मविश्वास और शांति बनाए रखता है।
- अपनी गलतियों को स्वीकार करना, दूसरों को क्षमा करना और विनम्र व्यवहार रखना श्रेष्ठ व्यक्तित्व की पहचान है।
- अनुशासन और समय की पाबंदी, नियमित दिनचर्या, समय का सम्मान और अनुशासित जीवन सफलता की कुंजी हैं।

कीर्ति चौहान
शिक्षक
बाबू मनमोहनदास
हितकारिणी कन्या शाला
दीक्षितपुरा, जबलपुर

परिवार और विद्यालय की भूमिका

संस्कार केवल पुस्तकों से नहीं सीखे जाते, बल्कि परिवार के वातावरण, माता-पिता के व्यवहार तथा विद्यालय में शिक्षकों के मार्गदर्शन से विकसित होते हैं। यदि घर और विद्यालय दोनों मिलकर बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करें, तो वे समाज और राष्ट्र के आदर्श नागरिक बन सकते हैं।

कविता - स्त्री

हे स्त्री! अदम्य साहस, निश्छल मन और
मृदु स्वभाव की, पहचान हो तुम,
नाजुक से तन में और शीतल से इस मन में,
माँ गौरी की, छाँव हो तुम,
हे स्त्री! अदम्य साहस की पहचान हो तुम,
जिक्र करूँ मैं क्या तेरा!
कभी छावक बन तू चलती है,
तू कभी रण में भी कूद पड़ती है।
और कभी बन घर की लक्ष्मी,
सबको भाव-विभोर तू करती है।
हे स्त्री! हर रूप तेरे निराले हैं,
कभी माँ सी ममता देती हो,
तो कभी काली सा रूप धर लेती हो।
हर रूप में ही बलवान हो तुम।
हे स्त्री! अदम्य साहस की पहचान हो तुम।
कभी शिव के लिए सती सा त्याग तुम करती हो,
कभी मीरा बन कृष्ण की भक्ति करती हो,
तू कभी राम की सीता बन अग्नि में कूद पड़ती हो।
और पाप के बढ़ने पर माँ दुर्गा सा रूप धर
तुम शुंभ-निशुंभ का, वध भी करती हो।
हे स्त्री! हर रूप में ही महान हो तुम।
हे स्त्री! अदम्य साहस, निश्छल मन और
मृदु स्वभाव की पहचान हो तुम।
हे स्त्री! अदम्य साहस, निश्छल मन और
मृदु स्वभाव की पहचान हो तुम।

पूजा तिवारी
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी
गोरखपुर, जबलपुर

कहानी

'माँ' का त्याग

एक छोटे से गाँव में एक विधवा माँ अपने इकलौते बेटे रोहन के साथ रहती थी। घर चलाने के लिए वह दूसरों के घरों में बर्तन माँजती, कपड़े धोती और कभी-कभी सिलाई का काम भी कर लेती थी। उसने कभी अपने बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। वह उसकी हर छोटी-बड़ी आवश्यकता पूरी करने का भरसक प्रयास करती। उसकी आँखों में बस एक ही सपना था उसका बेटा पढ़-लिखकर एक सफल और सम्मानित इंसान बने।

एक दिन स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित होने की घोषणा हुई। रोहन ने उत्साहपूर्वक उसमें भाग लेने का निश्चय किया। उसके प्रोजेक्ट के लिए लगभग 500 रुपये की आवश्यकता थी। माँ के लिए यह राशि जुटाना बहुत कठिन था, क्योंकि कई दिनों से घर का खर्च भी मुश्किल से चल रहा था। फिर भी उसने अपने पड़ोसी से कुछ पैसे उधार लिए और मुस्कुराते हुए रोहन के हाथ में रख दिए।

रोहन ने दिन-रात मेहनत करके अपना प्रोजेक्ट तैयार किया। जब परिणाम घोषित हुआ, तो रोहन का नाम प्रथम पुरस्कार के लिए पुकारा गया। मंच पर मेडल पहनते समय उसे अपनी माँ का संघर्ष, त्याग और प्रेम याद आ गया। उसकी आँखें खुशी और कृतज्ञता से भर उठीं।

पुरस्कार लेकर वह सीधे घर पहुँचा। रोहन ने दौड़कर माँ के गले लगते हुए मेडल उनके हाथों में रख दिया और भावुक होकर बोला, माँ, यह मेडल मेरा नहीं, आपका है। आपकी मेहनत, त्याग और आशीर्वाद के बिना मैं कभी सफल नहीं हो सकता था। मैं बड़ा होकर आपकी हर परेशानी दूर करूँगा और आपको दुनिया की सारी खुशियाँ दूँगा।

माँ ने बेटे के सिर पर प्यार से हाथ फेरते हुए मुस्कुराकर कहा, बेटा, मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी तुम्हारी सफलता नहीं, बल्कि तुम्हारा अच्छा इंसान बनना है। हमेशा मेहनत, ईमानदारी और विनम्रता के मार्ग पर चलना। यही मेरे जीवन का सबसे बड़ा पुरस्कार होगा।

पुष्पा मिश्रा
विद्या परिषद,
हितकारिणी सभा, जबलपुर

सामान्य-ज्ञान

1. भारत की राष्ट्रीय नदी कौन सी है?
उत्तर - गंगा
2. दुनिया में कितने महाद्वीप हैं?
उत्तर - सात
3. भारत को घेरने वाले दो समुद्रों के नाम बताइए?
उत्तर - अरब सागर, बंगाल की खाड़ी
4. भारत के उत्तरी हिस्से में स्थित पर्वत श्रेणी कौन सी है?
उत्तर - हिमालय
5. दुनिया का सबसे गहरा महासागर कौन सा है?
उत्तर - प्रशांत महासागर
6. पृथ्वी के मध्य से कौन सा अक्षांश गुजरता है?
उत्तर - भूमध्य रेखा
7. भारत किस महाद्वीप का हिस्सा है?
उत्तर - एशिया
8. भारत का एकमात्र मरुस्थल कौन सा है?
उत्तर - थार मरुस्थल
9. दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कौन सी है?
उत्तर - माउंट एवरेस्ट

कुरकुरी पालक चाट

स्वाद और सेहत का अनोखा संगम

बरसात के मौसम में गरमा-गरम और चटपटा नाश्ता खाने का आनंद ही कुछ और होता है। यदि आप पकौड़ों से हटकर कुछ नया और स्वादिष्ट बनाना चाहते हैं, तो पालक चाट एक बेहतरीन विकल्प है। कुरकुरी तली हुई पालक की पत्तियों पर दही, चटनियाँ और मसालों का मेल इस व्यंजन को बेहद लाजवाब बना देता है। यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पोषण से भी भरपूर है।

आवश्यक सामग्री (4 लोगों के लिए)

कुरकुरे पालक के लिए

- बड़ी पालक की पत्तियाँ, 15 से 20
- बेसन 1 कप
- चावल का आटा 2 बड़े चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर आधा छोटा चम्मच
- हल्दी आधा छोटा चम्मच
- अजवाइन आधा छोटा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- तलने के लिए तेल

चाट के लिए

- फेंटा हुआ दही 1 कप
- हरी चटनी 3 बड़े चम्मच
- इमली-खजूर की चटनी 3 बड़े चम्मच
- चाट मसाला 1 छोटा चम्मच
- भुना जीरा पाउडर आधा छोटा चम्मच
- बारीक सेव आधा कप
- अनार के दाने 2 बड़े चम्मच
- बारीक कटा हरा धनिया

बनाने की विधि

सबसे पहले पालक की पत्तियों को अच्छी तरह धोकर सुखा लें। बेसन, चावल का आटा, नमक, लाल मिर्च, हल्दी और अजवाइन मिलाकर गाढ़ा घोल तैयार करें। पालक की पत्तियों को घोल में डुबोकर मध्यम आँच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें। कुरकुरापन बढ़ाने के लिए बेसन में थोड़ा सूजी या कॉर्नफ्लोर मिला सकते हैं। चाट तैयार करने के लिए तली हुई पालक को प्लेट में रखें। ऊपर से दही, हरी चटनी और मीठी चटनी डालें। सजावट के लिए चाट मसाला, भुना जीरा, सेव, अनार के दाने और हरा धनिया डालकर तुरंत परोसें।

साँप के काटने पर सही जानकारी ही बचाएगी जान

बरसात के मौसम में साँप निकलने की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। खेतों, बगीचों, झाड़ियों और पानी भरे क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के लिए साँप के काटने का खतरा अधिक रहता है। भारत में हर वर्ष हजारों लोग साँप के काटने का शिकार होते हैं, लेकिन समय पर सही प्राथमिक उपचार और शीघ्र चिकित्सा मिलने से अधिकांश लोगों की जान बचाई जा सकती है। दुर्भाग्य से कई लोग अंधविश्वास या गलत घरेलू उपाय अपनाकर स्थिति को और गंभीर बना देते हैं।

साँप के काटने के सामान्य लक्षण

- काटे गए स्थान पर तेज दर्द, सूजन या जलन।
- दो दाँतों के निशान दिखाई देना।
- चक्कर आना, कमजोरी या बेहोशी महसूस होना।
- साँस लेने में कठिनाई।
- धुंधला दिखाई देना या बोलने में परेशानी।
- उल्टी, पसीना आना या अत्यधिक घबराहट।

ध्यान रखें कि सभी साँप विषैले नहीं होते, लेकिन जब तक डॉक्टर पुष्टि न करें, हर साँप के काटने को गंभीर मानकर इलाज कराना चाहिए।

सही प्राथमिक उपचार

सबसे पहले रोगी को शांत रखें और घबराने न दें। घबराहट से हृदय की धड़कन तेज होती है, जिससे विष शरीर में तेजी से फैल सकता है। काटे गए अंग को जितना हो सके स्थिर रखें और उसे हृदय के स्तर के आसपास रखें। यदि हाथ या पैर में काटा है, तो उसे कम से कम हिलाएँ। काटे हुए स्थान के आसपास की अंगूठी, कड़ा, घड़ी, जूते या तंग कपड़े हटा दें, क्योंकि सूजन बढ़ सकती है। घाव को साफ और सूखे कपड़े से हल्के से ढक दें। रोगी को जितनी जल्दी हो सके निकटतम अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाएँ। यदि संभव हो तो एम्बुलेंस बुलाएँ।

क्या बिल्कुल नहीं करना चाहिए?

- घाव को चाकू या ब्लेड से काटने की कोशिश न करें।
- मुँह से विष चूसने का प्रयास न करें।
- बहुत कसकर रस्सी या पट्टी (टूर्निकेट) न बाँधें।
- बर्फ, मिट्टी, जड़ी-बूटी, तेल, गोबर या कोई घरेलू लेप न लगाएँ।
- तांत्रिक, झाड़-फूंक या अंधविश्वास के भरोसे समय बर्बाद न करें।

कभी शैतानी फल समझकर आग में फेंकी गई थी कॉफी

जरा सोचिए... सुबह की वो पहली गरमागरम चुस्की, जो पल भर में आपकी सारी नींद उड़ा देती है और दिमाग के हर तार को एक्टिव कर देती है। जी हां, हम उसी कॉफी की बात कर रहे हैं, जो आज हमारी भागदौड़-भरी जिंदगी का एक बेहद जरूरी हिस्सा बन चुकी है।

भारत तक पहुंचने की कहानी किसी फिल्म से कम नहीं

यह महज एक साधारण ड्रिंक नहीं है, बल्कि एक ऐसा ग्लोबल कल्चर है जो दुनिया भर के लोगों को नई ऊर्जा देता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस कॉफी के बिना हमारे दिन की शुरुआत अधूरी लगती है, आखिर उसकी शुरुआत कहां से हुई? यह इतनी मशहूर कैसे हो गई? आइए, विस्तार से जानते हैं। अगर हम कॉफी के जन्मस्थान की बात करें, तो इथियोपिया का नाम सबसे पहले आता है। 800 ईस्वी के आसपास की एक मशहूर किंवदंती है। काल्दी नाम का एक स्थानीय चरवाहा अपनी बकरियां चरा रहा था। उसने देखा कि एक खास पेड़ की लाल बेरीज खाने के बाद उसकी बकरियां अजीब-सी मस्ती में आ गई और बेहद फुर्तीली हो गईं। उत्सुकता में आकर काल्दी ने भी उन दानों को खाया और खुद में गजब की ऊर्जा पाई। जब यह बात स्थानीय बौद्ध मठ के संतों तक पहुंची, तो उन्होंने इसे शैतानी फल मानकर आग के हवाले कर दिया, लेकिन आग में भुनने के बाद उन दानों से ऐसी जादुई महक उठी कि संतों को अपनी भूल का एहसास हुआ। उन्होंने तुरंत दानों को आग से निकाला और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए गर्म पानी में मिला दिया। बस, यहीं से दुनिया की पहली कॉफी का जन्म हुआ। इस ड्रिंक ने संतों को रात भर प्रार्थना में जगाए रखने में मदद की।

अरेबिया की वाइन के नाम से मशहूर थी कॉफी

15वीं सदी में लाल सागर पार कर कॉफी यमन में फैली और 16वीं सदी तक यह मिस्र, सीरिया, तुर्किए और फारस के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गई। लोग इसका इस्तेमाल प्रार्थनाओं में ध्यान केंद्रित करने के लिए करते थे। 1475 में कॉन्स्टेंटिनोपल में दुनिया का पहला कॉफी हाउस खुला। उस जमाने में आज जैसी तकनीक नहीं थी, इसलिए ये कॉफी हाउस महज ड्रिंक पीने का अड्डा नहीं थे। मक्का आने वाले तीर्थयात्रियों के जरिए यह अरेबिया की वाइन के रूप में दुनिया भर में मशहूर होने लगी।

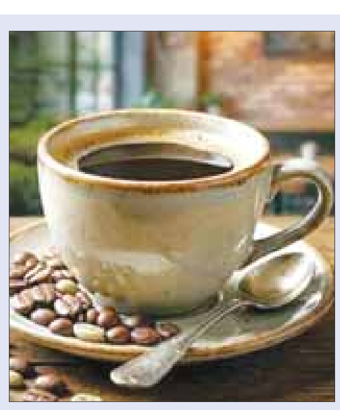

भारत कैसे पहुंचे कॉफी के बीज?

1600 के दशक तक कॉफी के बीजों पर यमन का सख्त पहरा था ताकि कोई इन्हें कहीं और न उगा सके, लेकिन एक मुस्लिम तीर्थयात्री, बाबा बुदान ने 1600 ईस्वी में इतिहास बदल दिया। वह मक्का से कुछ कॉफी बीन्स छिपाकर भारत ले आए। ब्रिटिश उपनिवेशवादियों की मदद से, यहीं से अफ्रीका और अरब के बाहर कॉफी की पहली कमर्शियल खेती शुरू हुई। दूसरी ओर, 1600 के दशक के अंत में डच व्यापारियों ने इसे इंडोनेशिया तक पहुंचाया और फ्रांसीसियों ने 1800 के दशक में वियतनाम, थाईलैंड और कंबोडिया में इसके बागान लगाए। डच लोगों को इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर इसे उगाने में शानदार सफलता मिली।

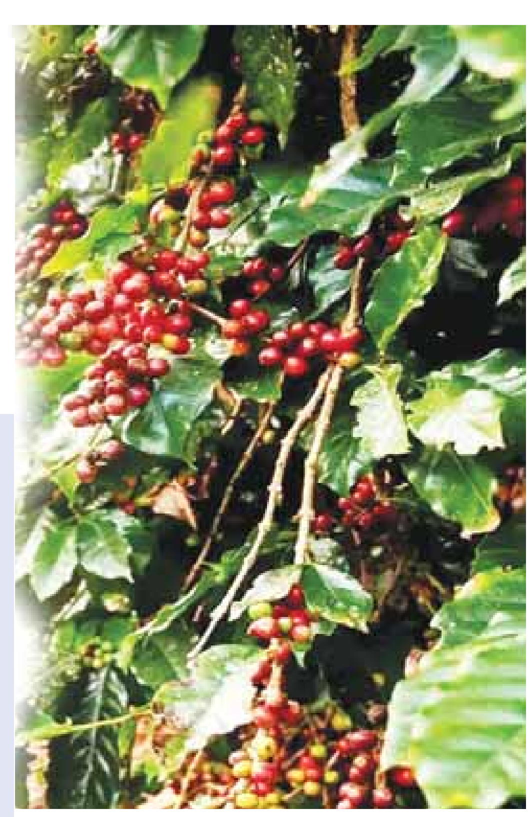

चार दिन में चार मौतें : कुओं की जहरीली गैस बनी काल

महिला समेत चार लोगों की मौत, कलेक्टर बोले-पहले जांचे फिर कुंए में उतरें

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

बालाघाट जिले में बीते चार दिनों के भीतर कुओं में फैली जहरीली गैस ने चार लोगों की जान ले ली। जिले के रजेगांव, भरवेली थाना क्षेत्र के मरारीटोला और किरनापुर थाना क्षेत्र के पीपरटोला में हुई तीन अलग-अलग घटनाओं ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। इन हादसों में एक महिला और तीन किसानों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि एक किसान समय रहते बाहर निकाल लिए जाने से बच गया। लगातार हो रही इन घटनाओं के बाद प्रशासन ने लोगों से बिना सुरक्षा उपकरण और गैस परीक्षण के कुएं में नहीं उतरने की अपील की है।

पहली घटना 6 जुलाई की शाम करीब 5 बजे रजेगांव में एक महिला की 50 फीट गहरे कुएं में गिरने से मौत हो गई। कुएं में जहरीली गैस भरी होने के कारण बचाव कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही जिला होमगार्ड कार्यालय से क्यूआरटी एवं रेस्क्यू टीम रेस्क्यू उपकरणों और ब्रीदिंग अपरेटस सेट के साथ मौके पर पहुंची। लगभग दो घंटे तक चले अभियान के बाद टीम ने शाम करीब 7 बजे महिला का शव सुरक्षित बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया।

दूसरी घटना 7 जुलाई की शाम भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम मरारीटोला में खेत के कुएं में डूब रहीं विद्युत मोटर निकालने के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। सबसे पहले युवराज मसखरे कुएं में उतरे, लेकिन जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के लिए पड़ोसी किसान अशोक पिता मेहतर कावरे (उम्र 45 वर्ष), निवासी ग्राम मरारीटोला कुएं में उतरे, लेकिन वे भी जहरीली गैस के कारण अचेत होकर गिर पड़े। खेत में मौजूद भतीजे नरेश ने जान जोखिम में डालकर रस्सी की मदद से दोनों को बाहर निकाला। उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने बेहोश अशोक कावरे को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं युवराज मसखरे की हालत खतरे से बाहर है और उनका उपचार चल रहा है।

तीसरी घटना 9 जुलाई की शाम किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पीपरटोला में एक और बड़ा हादसा हो गया। खेत के कुएं में मोटर से पानी नहीं आने पर उसकी जांच करने के लिए, महेश चौधरी पिता भारत चौधरी (उम्र 50) कुएं में उतरे। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर उन्हें बचाने के उद्देश्य से युवराज बिसेन (उम्र 55 वर्ष) पीपरटोला निवासी भी कुएं में उतर गए। कुएं में जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण दोनों की मौके पर ही दम घुटने से मौत हो गई।

सूचना मिलते ही एसडीईआरएफ एवं क्यूआरटी टीम आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंची और ब्रीदिंग अपरेटस सेट की मदद से अत्यंत जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों शवों को सुरक्षित बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया।

हर बार जान जोखिम में डालकर उतरी रेस्क्यू टीम

तीनों घटनाओं में जिला होमगार्ड की एसडीईआरएफ एवं क्यूआरटी टीम ने साहसिक रेस्क्यू अभियान चलाया। सहायक उपनिरीक्षक महेश कुमार उइके के नेतृत्व में जवानों ने ब्रीदिंग अपरेटस सेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद से जहरीली गैस से भरे कुओं में उतरकर शवों को सुरक्षित बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने टीम के साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

उतरने से पहले गैस की जांच जरूरी : कलेक्टर

कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले के किसानों, ग्रामीणों और आमजन से अपील की है कि किसी भी कारण से कुएं में उतरने से पहले जहरीली गैस और ऑक्सीजन की स्थिति की जांच अवश्य करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी कई अनमोल जिंदगियां बचा सकती है। यदि कुएं में जलता हुआ दीया पानी की सतह तक पहुंचने से पहले बुझ जाए तो उसमें किसी भी स्थिति में न उतरें। पहले उचित उपाय कर गैस को बाहर निकालें, फिर दोबारा जांच करने के बाद ही कुएं में प्रवेश करें। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वयं सुरक्षा नियमों का पालन करने, अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की अपील करते हुए कहा कि सतर्कता ही ऐसे दर्दनाक हादसों को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

परसवाड़ा घाट में 11.99 लाख की नई सीसी सड़क 3 दिन में ही ध्वस्त

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

विकास के नाम पर सरकारी खजाने से खर्च हुए लाखों की राशि किस तरह धरातल पर पानी की तरह बह रही है, इसका ताजा उदाहरण बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत परसवाड़ाघाट में देखने को मिला। राज्य वित्त आयोग की 11.99 लाख रुपए की लागत से बनी सीसी सड़क महज 3 दिन में ही उखड़ कर बिखर गई। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। गुरुवार को यहां ठेकेदार भारत चौरागड़े अपनी टीम के साथ इन्हीं गड्ढों की मरम्मत में जुटा था। ग्रामीणों का साफ आरोप है कि सड़क निर्माण में तय मापदंडों की खुलेआम अनदेखी की गई। घटिया क्वालिटी का सीमेंट, कम मटेरियल और बिना बेस तैयार किए सड़क बना दी गई। नतीजा यह हुआ कि जिस सड़क से कीचड़ और धूल से मुक्ति की उम्मीद थी, वह अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण बन गई है। कुछ माह पहले क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने बड़े उत्साह के साथ इस सड़क का भूमिपूजन किया था। उस समय कहा गया था कि परसवाड़ाघाट के ग्रामीणों को अब पक्की सड़क की सुविधा मिलेगी। पीडब्ल्यूडी रोड से डिलीचंद बोपचे के घर तक सीसी सड़क बनने से आवागमन आसान होगा और गांव का विकास होगा।

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 15 दिन पहले निर्माण कार्य शुरू हुआ था। 3 दिन पहले ही काम पूरा हुआ और सड़क को आम जनता के लिए खोल दिया गया। लेकिन 72 घंटे के भीतर ही सड़क ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों की शिकायत पर जब हम परसवाड़ाघाट पहुंचे और सड़क देखे तो स्थिति बेहद खराब थी। लगभग 200 मीटर के अंतराल पर सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी थी।

2300 किलो महुआ लाहन और 35 लीटर कच्ची शराब जब्त

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में शुक्रवार 10 जुलाई को आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने खैरलांजी विकासखंड के विभिन्न गांवों में छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध महुआ लाहन एवं हाथ भट्टी शराब जब्त की है। आबकारी विभाग के वारासिवनी, बालाघाट, लांजी एवं कटंगी वृत्त की संयुक्त टीम ने ग्राम गोंडीटोला, कटोरी एवं खैरी में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर प्लास्टिक की पन्नियों में भरे लगभग 2300 किलोग्राम महुआ लाहन तथा रबर ट्यूब में भरी 35 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की। आवश्यक नमूने लेने के बाद शेष महुआ लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत तीन प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य

2 लाख 35 हजार 250 रुपये बताया गया है। इस संयुक्त अभियान में वृत्त प्रभारी एवं आबकारी उपनिरीक्षक संदीप श्रीवास, रमाकांत बघेल और कौस्तुभ नेताम के साथ मुख्य आरक्षक द्वारसिंह उइके, टीकाराम शरणागत, नरसिंह टेकाम तथा अन्य आबकारी अमले ने सक्रिय भूमिका निभाई। जिला आबकारी अधिकारी श्री एक्का ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार की सघन कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

ई-कृषि यंत्र अनुदान के लिए एग्री-स्टैक पर फार्मर आईडी अनिवार्य

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। वर्ष 2026-27 के लिए संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। विभाग ने किसानों से अपील की है कि आवेदन करने से पहले एग्री-स्टैक पोर्टल पर अपनी भूमि का पंजीयन कराकर फार्मर आईडी अवश्य प्राप्त कर लें।

उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि ई-कृषि यंत्र अनुदान योजना का लाभ लेने के लिए भूमि संबंधी जानकारी के सत्यापन हेतु एग्री-स्टैक की फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है। फार्मर आईडी के बिना किसान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकेंगे।

ब्रेक फेल होने से पलटा पेट्रोल-डीजल टैंकर

कटंगी (स्वतंत्र मत)। कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। खिड़कीघाट में जबलपुर डिपो से वारासिवनी की ओर जा रहा पेट्रोल-डीजल से भरा टैंकर ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर से 15 हजार लीटर डीजल सड़क पर बह गया। इस दौरान कुछ लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पर बहे डीजल को लूटा।

सड़क पर बहा 15 हजार लीटर डीजल, लोगों ने जोखिम उठाकर की लूट

जानकारी के अनुसार, टैंकर क्रमांक एमपी 17 एचएच 3564 जबलपुर डिपो से निकला था। इसमें 5000 लीटर पेट्रोल और 15000 लीटर डीजल भरा था। टैंकर वारासिवनी के रूसिया पेट्रोल पंप जा रहा था। खिड़कीघाट के घुमावदार मोड़ पर अचानक टैंकर के ब्रेक फेल हो गए। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की काफी कोशिश की, लेकिन टैंकर सड़क पर पलट गया हादसे में टैंकर चालक अशोक यादव को मामूली चोटें आई हैं। वहीं परिचालक बबलू यादव अधिक घायल हुआ है। दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए कटंगी अस्पताल भेजा गया। टैंकर पलटते ही उसमें से डीजल तेजी से बहने लगा। देखते ही देखते सड़क पर डीजल की धारा बह निकली। इसी बीच कुछ लोग डिब्बे, बोतल और कैन लेकर मौके पर पहुंच गए और बहते डीजल को भरने लगे। पुलिस के पहुंचने तक काफी डीजल लूटा जा चुका था। बाकी बचा डीजल सड़क पर ही बह गया।

डीजल सड़क पर फैल जाने से वाहनों और राहगीरों के लिए खतरा बढ़ गया। कई दोपहिया चालक डीजल पर फिसलकर गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही कटंगी और अरी थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया। सड़क पर जमी चिकनाई को हटाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी देर तक सड़क की धुलाई की, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। सुबह 11 बजे पुलिस ने टैंकर को क्रेन की मदद से उठाने की प्रक्रिया शुरू की है। फिलहाल पेट्रोल सुरक्षित है, लेकिन 15000 लीटर डीजल बह गया है।

अपर कलेक्टर ने किया रसोई केंद्र का निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्र मत)। अपर कलेक्टर एवं प्रभारी जिला परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने नगर पालिका परिषद उमरिया द्वारा बस स्टैंड परिसर में संचालित दीनदयाल अंत्योदय रसोई केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रसोई केंद्र में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, रसोई संचालन, खाद्य सामग्री के रखरखाव तथा रजिस्टर संधारण का बारीकी से अवलोकन किया। अपर कलेक्टर श्री सेन गुप्ता ने रसोई केंद्र में भोजन कर रहे हितग्राहियों से भी चर्चा की और भोजन की गुणवत्ता, स्वाद तथा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। हितग्राहियों ने शासन की इस जनकल्याणकारी योजना की सराहना करते हुए बताया कि उन्हें मात्र 5 रुपये में पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि रसोई केंद्र में स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता और समय पर भोजन वितरण की व्यवस्था निरंतर बनाए रखें, ताकि जरूरतमंदों को बेहतर सुविधाएं मिलती रहें। निरीक्षण के दौरान सईद मंसूरी, श्री वीरेंद्र एवं निशांत मिश्रा भी उपस्थित रहे।

मुरूम के कथित अवैध उत्खनन पर कार्रवाई टीबीसीएल कंपनी के वाहन जब्त

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

जिले में अवैध उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नौरोजाबाद थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के किनारे चल रहे मुरूम के अवैध उत्खनन पर शिकंजा कसते हुए कार्यवाही किया। पाली एसडीएम मीनाक्षी बंजारे के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में टीबीसीएल कंपनी के तीन डंपर, एक टेलर और एक पोकलेन मशीन मौके से जब्त की गई। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर मौजूद टीबीसीएल कंपनी के कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार प्रशासन को सूचना मिली थी, कि एनएच 43 के किनारे बिना वैध अनुमति के मुरूम का उत्खनन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही

पाली एसडीएम मीनाक्षी बंजारे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान वहां भारी मशीनों से मुरूम की खुदाई और डंपरों में भरकर परिवहन की तैयारी होती मिली।

एसडीएम ने मौके पर मौजूद कंपनी के कर्मचारियों से उत्खनन से संबंधित अनुमति, खनिज विभाग की स्वीकृति और परिवहन से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। हालांकि कंपनी की ओर से कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

तीन डम्पर और चैन माउंटिंग मशीन जप्त - दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन डंपर और एक पोकलेन मशीन को जब्त कर लिया। प्रशासन का कहना है कि बिना वैध अनुमति किसी भी प्रकार का खनिज उत्खनन नियमों का उल्लंघन है। प्रारंभिक जांच में मामला अवैध उत्खनन का प्रतीत होने पर सभी वाहनों को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। संबंधित विभागों से भी इस मामले में आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

टीबीसीएल कंपनी का अवैध कारनामा - बताया जा रहा है कि एनएच 43 के आसपास लंबे समय से मुरूम के अवैध उत्खनन की शिकायतें मिल रही थीं। प्रशासन की इस कार्रवाई को अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित कंपनी के खिलाफ खनिज अधिनियम और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जब्त किए गए तीनों डंपर और पोकलेन मशीन को कब्जे में लेकर नियमानुसार आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

वरिष्ठ भाजपा नेता का निधन, नेताओ ने दी श्रद्धांजलि

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पिपरिया निवासी सुशील गौतम का असामयिक निधन से जहां जिलेवासी स्तब्ध है, वहीं भाजपा पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई है। भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, वरिष्ठ नेता मिथिलेश पयासी, राजेंद्र तिवारी, धनुषधारी सिंह, दीपक छतवानी, सुमित गौतम सहित अन्य नेता मौके पर पहुंचकर सुशील गौतम के पार्थिव शरीर पर भाजपा का ध्वज अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए। सुशील गौतम लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे हैं और वह विभिन्न पदों पर रहकर दायित्वों का निर्वहन किया है। वह काफी तेज तर्रार और अनुभवी नेता माने जाते रहे हैं। निश्चित रूप से उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी को एक अपूरणीय क्षति हुई है। सुशील गौतम के निधन पर पूर्व सांसद पूर्व मंत्री ज्ञान सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, पूर्व विधायक, शिवनारायण सिंह, सुश्री मीना सिंह, वरिष्ठ नेता मिथिलेश पयासी, राजेंद्र तिवारी, धनुषधारी सिंह, दीपक छतवानी, हरीश विश्वकर्मा, सुदामा विश्वकर्मा, बहादुर सिंह, सुमित गौतम, अजय सिंह, दिलीप पांडे, राकेश शर्मा, अरविंद बंसल, मनीष सिंह, प्रकाश पालीवाल, जगत नारायण गुप्ता, दिनेश पांडे पुष्पेंद्र गौतम, नीतू सिंह, विनय मिश्रा, नीरज चंदानी सहित अन्य तमाम नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

व्यवसायी से कथित रंगदारी मांग के मामले में पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिले के व्यवसायी विनोद आहूजा की शिकायत पर पुलिस ने विकास सचदेव के खिलाफ 50 लाख रुपये की कथित रंगदारी मांगने और धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायत की जांच के बाद अपराध क्रमांक 0353/2026 पंजीबद्ध किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया गया है कि विकास सचदेव पिछले कई वर्षों से आहूजा परिवार के खिलाफ लगातार शिकायतें कर रहा है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि वर्ष 2023 में भी 25 लाख रुपये की कथित मांग का मामला सामने आया था, जिसकी शिकायत थाना उमरिया में दर्ज कराई गई थी। बाद में इस संबंध में न्यायालय में परिवाद भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें मामला विचाराधीन है। एफआईआर के अनुसार, 27 जून 2026 की रात उमरिया स्थित जैन मंदिर के पास विकास सचदेव ने कथित रूप से विनोद आहूजा को रोककर 50 लाख रुपये की मांग की। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने पैसे नहीं देने पर पूरे परिवार को झूठे मामलों में फंसाने, लगातार शिकायतें कर बदनाम करने और जेल भिजवाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि विकास सचदेव विभिन्न विभागों में लगातार शिकायतें कर परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है।

गश्त के दौरान मिला जंगली जानवर का कंकाल

उमरिया (स्वतंत्र मत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला परिक्षेत्र के मझखेता बीट में मानसूनी गश्त के दौरान एक मांसाहारी जंगली जानवर का कंकाल मिला है। घने और दुर्गम जंगल में कंकाल मिलने की खबर से वन विभाग में हड़कंप मच गया, जिसके बाद आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। कंकाल मिलने की सूचना मिलते ही क्षेत्र संचालक, उप संचालक और वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे इलाके में डॉग स्क्वाड (खोजी कुत्तों) की मदद से सर्चिंग कराई गई और पूरे क्षेत्र की मेटल डिटेक्टर से भी जांच की गई, ताकि कोई संदिग्ध चीज न छूटे। डॉक्टर ने शुरुआती जांच के बाद इसके बाघ (टाइगर) का कंकाल होने की आशंका जताई है। शुक्रवार को

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के नियमों और तय गाइडलाइन का पालन करते हुए, अधिकारियों के सामने कंकाल का बारीकी से मुआयना किया गया।

यह पता लगाने के लिए कि यह कंकाल किस प्रजाति का है जिसमें नर का है या मादा का, साथ ही जरूरी बायोलॉजिकल सैंपल (जैविक नमूने) लिए गए हैं। सारी कागजी और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद कंकाल का वहीं अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की स्पेशल टीम इस पूरे मामले की जांच कर रही है। अब लैब की वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि यह कंकाल असल में किस बाघ का था, उसकी उम्र क्या थी और उसकी मौत किन हालातों में हुई थी।

विश्व जनसंख्या दिवस आज मनाया जाएगा

उमरिया (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा। भारत शासन से प्राप्त दिशा निर्देश अनुसार इस वर्ष 11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक विश्व जनसंख्या दिवस अभियान मनाया जाना है। अभियान का उद्देश्य सही समय पर गर्भावस्था तथा दो बच्चों के मध्य सही समय के अंतर को शैक्षिक साधनों के उपयोग से बढ़ावा देना है जिससे मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार किया जा सके। नोडल अधिकारी डॉ संदीप सिंह ने बताया कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत इस वर्ष की थीम अनुसार मां और बच्चे की अच्छी सेहत के लिए गर्भधारण के लिए सही समय तथा गर्भावस्था के माध्यम सही अंतर रखना जरूरी है। परिवार नियोजन सेवाओं के जिला चिकित्सालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य सभी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ साथ ग्राम स्तर पर चिन्हित सेवा प्रदाताओं द्वारा सेवा प्रदान किया जाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि आशा कार्यकर्ता के द्वारा परिवार नियोजन के साधनों की मांग अनुसार उपलब्धता बनाए रखें जिससे कि हितग्राहियों को साधन आसानी से उपलब्ध हो सके। अभियान को सफल बनाने के लिए आशा कार्यकर्ता के माध्यम से व्यक्तिगत संपर्क कर चिन्हित दंपतियों को प्रेरित करना सुनिश्चित किया जाएगा जिसमें सास बहू सम्मेलन राज्य से प्राप्त निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों हेतु सरकार की ओर से भी प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है जिसमें प्रसव के 6 सप्ताह बाद आयुसीडी, प्रसव उपरांत आयु सीडी का उपयोग, गर्भ निरोधक इंजेक्शन अंतरा, गर्भनिरोधक गोलियां आपातकालीन गोलियां, परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत उपयोग किया जा सकता है। निश्चित सेवा दिवस जिसके तहत विकासखंड एवं जिला स्तर पर कैलेंडर तैयार कर नसबंदी सेवाओं का लाभ हितग्राही प्राप्त कर सकते हैं।

शराब का विक्रय करने पर हुई कार्यवाई

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत ब्लूमिंग स्कूल के पास जयसिंहनगर रोड में आरोपियो व्दारा अवैध रूप से शराब का विक्रय किया जा रहा था, जिस पर पुलिस ने कार्यवाही की है।

नाम परिवर्तन सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गगन टेम्भरे पिता देवेन टेम्भरे जाति पंवार, निवासी कातपुर का आमाटोला, तह. वारासिवनी, जिला बालाघाट (एमपी) का निवासी हूं। शपथकर्ता के पिता का वास्तविक नाम देवेनलाल (DEVENLAL) है जो आधार कार्ड एवं अन्य सभी दस्तावेजों में दर्ज है। भूल वश दो एवं चार चक्का वाहन ड्रायविंग लायसेंस में शपथकर्ता के पिता का नाम देवनलाल टेम्भरे (DEVANLAL TEMBHARE) लिखा गया है। मेरे पिता का सही नाम देवेनलाल (DEVENLAL) लिखा जावे और पढा जावे।

दिनांक: 10 जुलाई 2026
स्थान: आमाटोला कातपुर, बालाघाट (एमपी)
सही नाम- देवेनलाल (DEVENLAL)
पूर्व नाम-देवनलाल टेम्भरे (DEVANLAL TEMBHARE)

साहब आपसे तो ऐसी उम्मीद न थी...आनंदम में रखी सामग्री को नगर पालिका कर्मचारियों ने वाहन में भरकर कचरा अड्डा में फेंका

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला प्रशासन के जबावदारों की क्या नीति है क्या सोच है और किस तरह जिले में योजनाओं का संचालन करेंगे यह बडा सवाल अब हर तरफ सुनाई दे रहा है। तो दूसरी तरफ चुने हुए जनप्रतिनिधियों का खामोशी की चादर ओढ़कर सो जाना इस बात की ओर इंगित कर रहा है कि सब की मिलीभगत से ही अनाप शनाप निर्णय लिए जा रहे हैं ऐसा ही एक निर्णय अब चर्चा का विषय बन गया है। कलेक्टर परिसर में संचालित आनंदम में रखे कपड़े और सामग्री को नगर पालिका के कर्मचारियों ने कचरा गाड़ी में भरा और ठोस अपशिष्ट स्थल पर ले जाकर फेंक दिया। किसके आदेश पर और क्यों ऐसा किया गया। इसकी जांच होनी चाहिए वहीं दानदाताओं में आक्रोश देखा जा रहा है। बीते कुछ माहों से आनंदम की देखरेख में लापरवाही बरती जा रही है। वहीं कलेक्ट्रेट परिसर के जिस स्थल पर दुआओं का घर संचालित था उस स्थल में निर्माण कार्य होने से यहां रखी सामग्री को साईकिल स्टैंड में लापरवाही तरीके से फेंक दिया गया था। जबकि कई शासकीय कार्यालय और स्थल नगर में खाली पड़े है कुलमिलाकर इसके संचालन में अब जिला प्रशासन की रूचि बिल्कुल भी नही हैं। जबकि भाजपा सरकार की महत्वपूर्ण जनहित कारी योजनाओं में से एक है। कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित आनंदम जिसे दुआओं का घर नाम दिया गया। जिसका भव्य उद्घाटन किया गया था। यहां पर जरूरतमंद लोग रोजाना आते थे और यहां से अपनी पसंद की जरूरत की सामग्री नि:शुल्क ले जाया करते थे जब इसका शुभारंभ हुआ तो तत्कालीन कलेक्टर ने आम जनता से अपील की और इस दुआओं के घर में हर वो सामग्री पहुंच गई जो लोगों के लिए अनुपयोगी हुआ करती थी लेकिन किसी न किसी के लिए यह सामग्री उपयोगी भी रहती थी लोग आते थे और यहां से कपड़े खिलौने बर्तन स्टेशनरी सामान फर्नीचर बिजली का सामान ही नही गोदरेज अलमारी के साथ टीवी और गैस चूल्हा लोग यहां ले गए। ले जाने वाले लोग खुश नजर आते थे वहीं जो लोग यहां पर सामग्री छोड़कर जाते थे वे भी खुश नजर आते थे कई बार लोग ऐसी सामग्री भी यहां पर देते थे जिनका वो इस्तेमाल नही करते थे आनंदम दुआओं का घर नाम में सुकून है नीयत में परोपकार था और मकसद था उन गरीबों के चेहरों पर मुस्कान लाना जो कड़कड़ाती ठंड में ठिठुरते हैं या तन ढकने के लिए चितड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन आज कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित इसी आनंदम केंद्र की हकीकत देखकर रूह कांप जाती है। जिसे दुआओं का घर होना था उसे प्रशासनिक घोर लापरवाही ने बददुआओं का ढेर और कचरा घर बना दिया है। दानदाताओं की अटूट श्रद्धा सेवा भाव और जरूरतमंदों की उम्मीदों पर किस कदर प्रशासनिक असंवेदनशीलता का बुलडोजर चलाया गया है इसकी बानगी देखी गई। दानदाताओं द्वारा अपनी गाढ़ी कमाई और नेक इरादों से सौंपे गए कपड़ों को सहेजने के बजाय उन्हें चूहों सीलन और दीमकों के हवाले कर दिया गया। जब कपड़े इस कदर सड़ गए कि वहां बैठना दूभर हो गया तो अपनी नाकामी छुपाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों ने लाखों रुपये के कपड़ों को चुपचाप कचरे की गाड़ियों में फिंकवा दिया। इस अमानवीय और शर्मनाक हरकत के बाद मंडला के प्रबुद्ध नागरिकों और दानदाताओं में भारी आक्रोश है। आनंदम केंद्र की शुरुआत इस पावन सोच के साथ हुई थी कि संपन्न वर्ग के घरों में जो कपड़े या सामग्री अतिरिक्त है उसे सहेजकर सम्मानजनक तरीके से उन भाई-बहनों तक पहुंचाया जाए जिनके पास साधन नहीं हैं। शहर के सैकड़ों संभ्रांत नागरिकों समाजसेवियों और आम जनता ने इस केंद्र को अपनी भावनाओं से सींचा। लोगों ने अपने घरों के सबसे बेहतरीन धुले हुए और प्रेस किए हुए कपड़े यहां लाकर सौंपे कि किसी गरीब के तन पर ये अच्छे लगेंगे। लेकिन कलेक्ट्रेट की नाक के नीचे बैठे नुमाइंदों ने इस सेवा भाव को एक बोझ समझ लिया। केंद्र को सिर्फ एक औपचारिकता मानकर छोड़ दिया गया। न तो वहां कपड़ों की छंटनी की व्यवस्था की गई न ही उन्हें सहेजकर रखने के लिए कोई रैक या अलमारियां दुरुस्त की गईं। परिणाम यह हुआ कि दानदाताओं की श्रद्धा कमरों में सड़ती रही। नमी, सीलन और धूल की वजह से कपड़े बदबू मारने लगे और अंतत: उन्हें कचरे के ढेर में तब्दील होना पड़ा। एक दानदाता ने बताया कि हमने अपनी मां की स्मृति में दर्जनों अच्छे और ऊनी कपड़े इस उम्मीद के साथ आनंदम केंद्र में दिए थे कि किसी जरूरतमंद की दुआएं मिलेंगी। आज जब पता चला कि उन कपड़ों को सहेजने के बजाय कचरे की गाड़ी में लादकर फेंक दिया गया, तो दिल रो पड़ा।

जिला समीक्षा बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अतिवृष्टि एवं संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 11 जुलाई को प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय के गोलमेज सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी बैठक में पीएचई विभाग की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके उपस्थित रहेंगी बैठक में जिले के सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक विभागीय जानकारी एवं तैयारियों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रोजेक्ट संकल्प आज लॉंच

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला प्रशासन द्वारा जिले के छात्र-छात्राओं के उज्वल भविष्य एवं शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल प्रोजेक्ट संकल्प का शुभारंभ किया जा रहा है इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से जिले के सभी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित एवं नि:शुल्क तैयारी कराई जाएगी प्रोजेक्ट संकल्प का शुभारंभ समारोह 11 जुलाई को दोपहर 12 बजे जिला योजना भवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहेंगे।

पॉलीटेक्निक में नि:शुल्क प्रवेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रानी फूलकुंवर शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित एकलव्य योजना के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग की छात्राओं के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है इस योजना के माध्यम से छात्राओं को बिना किसी शुल्क के तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है महाविद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि द्वितीय वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संस्थान में द्वितीय चरण की काउंसलिंग के बाद रिक्त सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे।

हम फाउंडेशन की मासिक बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विगत दिवस महाराजपुर के कारीकोन तिराहा स्थित दिलीप होटल में हम फाउंडेशन की विवेकानंद शाखा बैठक शाखा अध्यक्ष पुहुप सिंह भारत तथा प्रदेश संरक्षक बीके राय के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई बैठक में कार्यवाही पर निर्णय लिया गया कि पूर्व में लिए गए निर्णय के अनुसार पर्यावरण तथा हम फाउंडेशन के एक प्रकल्प के तहत सभी सदस्यों के घरों में उत्तम किस्म के हाइब्रिड तथा ग्राफ्टेड फलदर पौधे वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसे आज पूर्ण करते हुए बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को ग्राफ्टेड आम,अमरुद तथा नींबू के पौधे वितरित किए गए।

बरसात में बीमारियों से करें बचाव

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने वर्षा ऋतु के दौरान जलजनित एवं वेक्टर जनित संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए आमजन से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में दूषित पानी और गंदगी के कारण उल्टी-दस्त, पेचिश, टायफाइड, डायरिया, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया तथा फाइलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से केवल उबला या शुद्ध पेयजल पीने, ताजा एवं स्वच्छ भोजन करने, खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी है।

पीएम पोषण कुक-कम-हेल्पर्स प्रतियोगिता संपन्न

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंडला के निर्देशानुसार विकासखंड नारायणगंज में पीएम पोषण योजना अंतर्गत कुक-कम-हेल्पर्स रसोइयों की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की रसोइयों ने पौष्टिक स्वादिष्ट एवं स्वच्छ भोजन तैयार कर आकर्षक स्टॉल लगाए जिनका जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने अवलोकन कर व्यंजनों का स्वाद लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीय ने की। इस अवसर पर शिक्षा समिति उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने रसोइयों द्वारा तैयार किए गए विविध व्यंजनों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। जनपद अध्यक्ष आशाराम भारतीय ने कहा कि सामान्यत: व्यक्ति अपने घर का ही भोजन करता है लेकिन इस प्रतियोगिता के माध्यम से विभिन्न घरों के पारंपरिक एवं पौष्टिक व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर मिला जो अत्यंत आनंददायक रहा। वहीं शिक्षा समिति उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा ने कहा कि विद्यालयों में भी बच्चों को समय-समय पर ऐसे पौष्टिक एवं विविधतापूर्ण भोजन उपलब्ध कराए जाने चाहिए ताकि उन्हें नए-नए व्यंजनों का स्वाद मिलने के साथ संतुलित पोषण भी प्राप्त हो। कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिनिधि एवं अधिवक्ता मृदुल साहू ने व्यंजनों की सराहना करते हुए अपनी कविता के माध्यम से रसोइयों के परिश्रम की प्रशंसा की तथा सभी कुक-कम-हेल्पर्स का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नारायणगंज, पंचायत इंस्पेक्टर श्री पटेल, कमलेश भवेदी, बीआरसी नवनीत दुबे, बीएसी विनय सोनी, जनशिक्षक लवीना मार्को, दिनेश सैयाम, सुभाष साहू, अखिलेश मिश्रा, लेखापाल इरफान खान, एमआरसी दिलीप शाक्य तथा एमआईएस ऑपरेटर ओमप्रकाश सिंगरौरे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने कराया रक्त परीक्षण, हुआ पौधारोपण

मण्डला(स्वतंत्रमत)

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा चलाए जा रहे सेवा सप्ताह के अंतर्गत नगर में सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के प्रथम चरण में जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में युवाओं के लिए रक्त परीक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें लगभग 50 युवाओं ने उत्साहपूर्वक अपना रक्त परीक्षण कराया। इस अवसर पर युवाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान के प्रति भी जागरूक किया गया। द्वितीय चरण में सिद्धेश्वर धाम सुरंग देवरी आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां पर पंडित ललित मिश्रा ने कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद प्रांत सुरक्षा प्रमुख सुमित सिंह ठाकुर, प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख पंकज शिवरात्रि, बजरंग दल विभाग संयोजक सोनल बर्मन, जिला उपाध्यक्ष शक्ति क्षेतीजा, जिला सहसंयोजक शिवम बसु सिंधिया, जिला गौरक्षा प्रमुख रेनू कछवाहा, विद्यार्थी प्रमुख हिमांशु, पूनम सिंधिया, नीरज कोष्टा, मनोज ताम्रकार, अविनाश कछवाहा, शुभम बरमैया, ऋषभ बैरागी, गणेश बरमैया, किशोर रजक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रांत सुरक्षा प्रमुख सुमित सिंह ठाकुर ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल केवल धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं बल्कि समाज सेवा स्वास्थ्य जागरूकता पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रहित के कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सेवा सप्ताह के अंतर्गत ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे। वहीं जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक में कार्यकर्ताओं ने अपना ब्लड टेस्ट कराते हुए यहां पर सूचीबद्ध नाम दर्ज कराए हैं। जो जरूरत पड़ने पर रक्त उपलब्ध जरूरतमंदो को करायेंगे वहीं इस दौरान सिविल सर्जन डॉ विजय धुर्वे ने कार्यकर्ताओं से चर्चा की और रक्तदान के महत्व को विस्तार से बताया वहीं उपस्थित कार्यकर्ताओं की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चार जान बचाने वाले युवाओं का सम्मान

नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

मानवता और साहस का परिचय देते हुए भीषण सड़क दुर्घटना में चार लोगों की जान बचाने वाले क्षेत्र के युवाओं को अग्निमंडल समूह द्वारा सम्मानित किया गया। महाआरती के उपरांत आयोजित सम्मान समारोह में मनीष बर्मन एवं उनके सहयोगियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर उनके साहसिक और मानवीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि 6 जुलाई की रात्रि नारायणगंज के समीप स्थित बलाई पुल पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ था। मध्यप्रदेश शासन का एक शासकीय बोलेरो वाहन सामने आए मोटरसाइकिल सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पुल से नीचे जा गिरी थी। दुर्घटना के समय वाहन में एक पुरुष दो महिलाएं तथा लगभग दो वर्ष की एक मासूम बच्ची सवार थी। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद मनीष बर्मन डुमरी सिंगरौरे एवं उनके साथियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना राहत कार्य शुरू किया। युवाओं ने कड़ी मशक्कत कर दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे सभी चारों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से सभी घायलों की जान बच गई। युवाओं के इस साहसिक एवं मानवीय कार्य की सराहना करते हुए अग्निमंडल समूह ने विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि संकट की घड़ी में मनीष बर्मन एवं उनके साथियों ने जिस साहस, संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया वह समाज के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे कार्य यह संदेश देते हैं कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस अवसर पर अग्निमंडल के अध्यक्ष राहुल सोनी, संरक्षक रिंकू सोनी, उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रियांश अग्रवाल, विपत बर्मन, हिरदेश साहू, विजय साहू, कैलाश सोनी सहित समूह के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अवैध शराब परिवहन में 3 गिरफ्तार

मण्डला/नैनपुर(स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नैनपुर मंशाराम वगेन के नेतृत्व में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना नैनपुर पुलिस ने आबकारी अधिनियम के एक प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना नैनपुर में पंजीबद्ध अपराध अंतर्गत मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया आरोपियों के कब्जे से 11 पेटी अंग्रेजी शराब 30 हजार नगद तथा घटना में प्रयुक्त एक एक्सयूवी कार बरामद की गई जप्त मशरूका का कुल अनुमानित मूल्य 8,74,000 है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया उल्लेखनीय है कि इसी प्रकरण में आरोपी विक्रम पांडे को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है गिरफ्तार आरोपी तुषार श्रीधर उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 1 नैनपुर विशाल पटेल उम्र 24 वर्ष निवासी निवारी, थाना नैनपुर साहिब सिंह अरोरा उर्फ सोमी सरदार उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 10 नैनपुर है। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक विक्रम सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक शेख शमद आरक्षक नवीन आरक्षक प्रशांत एवं आरक्षक आशीष की भूमिका रही।

सहकारी समिति कर्मचारी से चाकू की नोक पर लूट

दूसरी घटना में युवक को बेहोश कर नकदी ले जाने का दावा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। चिरई डोगरी-घटेरी घाट मार्ग पर लगातार सामने आई लूट की दो घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पहली घटना में सहकारी समिति के एक कर्मचारी से चाकू की नोक पर लगभग डेढ़ लाख रुपए लूटे जाने की शिकायत बम्हनी बंजर थाना में दर्ज कराई गई है। वहीं दूसरी घटना में एक व्यक्ति को कथित रूप से बेहोश कर उससे बड़ी राशि लूटे जाने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, सहकारी समिति कर्मचारी प्रदीप झरिया 6 जुलाई की शाम निजी कार्य से बम्हनी स्थित बैंक से अपने पिता के खाते की राशि निकालने के बाद चिरईडोंगरी पहुंचे थे। यहां समिति का कार्य पूरा करने के बाद रात करीब 8.30 बजे अपने गांव पाला सुंदर के लिए निकले। बताया गया कि पेट्रोल पंप के आगे एक व्यक्ति ने उनसे लिफ्ट मांगी और बाइक पर बैठ गया। आरोप है कि घटेरी घाट पहुंचने पर उसने चाकू दिखाकर प्रदीप झरिया से करीब डेढ़ लाख रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट बम्हनी बंजर थाना में दर्ज कराई है। अब तक पुलिस को मामले में कोई सफलता नहीं मिली थी। इसी मार्ग पर एक अन्य घटना भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि 4 जुलाई की रात बोरी घटेरी ग्राम पंचायत निवासी राम यादव व्यक्ति बम्हनी सहकारी बैंक से फसल की राशि निकालकर लौट रहा था। आरोप है कि रास्ते में लिफ्ट मांगने वाले व्यक्ति ने उसे किसी नशीले पदार्थ का प्रभाव देकर बेहोश कर दिया और उसके पास मौजूद लगभग 1.70 लाख रुपए लेकर फरार हो गया। परिजनों के अनुसार पीड़ित को बेहोशी की हालत में जिला मुख्यालय के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति में गुरुवार तक पूरी तरह सुधार नहीं होने के कारण वह पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा सका।

आकाशीय बिजली से कैसे करें बचाव

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीजे मोहन्ती ने जानकारी दी कि वर्षा ऋतु में आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। आमजन को आकाशीय बिजली बज्रपात आदि प्राकृतिक आपदओं से बचाव हेतु सुझाव दिया गया है। बाहरी गतिविधियों खेतों औद्योगिक स्थान लोडिंग और अनलोडिंग जैसे निर्माण और साम्रगी हेंडलिंग वाले स्थानों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते है। जिन्हें लक्षित करते हुए बचाव संबंधी जानकारी दी जाए। विशेष रूम कमरा से उंची नुकीली संरचनाओं पेड़ो पर बज्रपात की अधिक संभावना होती है एवं एक ही स्थान पर कई बार बज्रपात हो सकता है। अत: आकाशीय बिजली वर्ष के किसी भी समय गिर सकती है, परन्तु मानसून के पूर्व जून-जुलाई में आमतौर पर ऐसी घटनाएं अधिक होती है। दोपहर एवं सायंकाल के मध्य आकाशीय बिजली की घटनाएं सर्वाधिक देखी गई है। रबर सोल के जूते अथवा टायर से बचाव नही हो सकता है। यह आवश्यक नही है कि बारिश के दौरान ही बज्रपात हो ऐसी घटना वर्षा ऋतु में तूफान के 10 मील के दायरे तक संभावित हो सकती है। आकाशीय बिजली की गर्जना सुनाई देने के पश्चात न्यूनतम 30 मिनिट तक सुरक्षित स्थान पर रहे। मवेशियों को भी घर के बाहर न रखें।

हितग्राहियों को आवास की सौगात

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत मवई की ग्राम पंचायत भीमड़ोंगरी में आयोजित ग्राम सभा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत 206 हितग्राहियों की सूची का वाचन किया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। ग्राम सभा में जानकारी दी गई कि जनपद पंचायत मवई अंतर्गत ग्राम पंचायत भीमड़ोंगरी में 206 मनोरी में 219 तथा इंद्री में 227 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ स्वीकृत हुआ है। इससे क्षेत्र के सैकड़ों गरीब परिवारों का पक्के आवास का सपना साकार होगा जनपद सदस्य अनंतसिंह राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीबों को सम्मानजनक जीवन देने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतार रही है जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मिलने पर हितग्राहियों ने खुशी व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार प्रकट किया इस अवसर पर सरपंच ओम प्रकाश मरावी, अक्षय परते, उपसरपंच हनुमान जाट, संतोष बंजारा, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा बड़ी संख्या में हितग्राही एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

संपादकीय

रोजगार विहीन विकास

एक शोधात्मक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में 12 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं, जो न तो पढ़ रहे हैं और न ही उनके पास कोई काम है। मुद्रास्फीति और राजकोषीय घाटे को लेकर अलग-अलग आंकड़े और दावे हैं। बेशक आकलन भिन्न हैं, लेकिन सारांश यही है कि भारत आज विश्व की सबसे तेज और उभरती अर्थव्यवस्था है। भारत आज विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'टैरिफवाद', विश्व व्यापार की बदलती और बिगड़ती व्यवस्था और अब भी जारी ईरान युद्ध के बावजूद वित्त वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर 7.7 फीसदी रही है। मुद्रास्फीति करीब 2 फीसदी है, जो पांच दशकों में सबसे कम है। चौतरफा संकटों के बावजूद चालू खाता घाटा जीडीपी का मात्र 0.6 फीसदी रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार जून में करीब 688 अरब डॉलर रहा, जो सशक्त अर्थव्यवस्था और निवेश का सूचक है। यह भंडार 700 अरब डॉलर से अधिक था, लेकिन ईरान युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित हुई, कच्चे तेल के दाम बढ़े, लिहाजा देश का आयात-बिल भी बढ़ गया, नतीजतन डॉलर के भंडार में कुछ कमी आई। विपरीत स्थितियों के बावजूद भारत का निर्यात (वस्तुएं -सेवाएं मिला कर) करीब 4 फीसदी बढ़ा है। यह अप्रैल-मई में करीब 15 फीसदी था। विदेशों में बसे और काम कर रहे प्रवासी भारतीय जो धन अपने माता-पिता, घरों को भेजते हैं, वह राशि करीब 140 अरब डॉलर है, जो सर्वकालिक अधिकतम है। यह भारतीय जीडीपी के 3.5-4 फीसदी के बराबर है। क्या ऐसी अर्थव्यवस्था को 'संकटग्रस्त' करार दे सकते हैं अथवा 'सुनामी' के आंशिक संकेत भी मिल सकते हैं? देश का राजकोषीय घाटा भी कम हुआ है। केंद्र सरकार का ऐसा घाटा जीडीपी के 4.4 फीसदी के समान है। बजट में भी यही लक्ष्य तय किया गया था। हालांकि राज्य सरकारों के साथ संयुक्त राजकोषीय घाटा 7.7 फीसदी के करीब है। यह घाटा भी बहुत ज्यादा है। यह 4 फीसदी से कम होना चाहिए। दरअसल यही भारतीय अर्थव्यवस्था का सारांश यथार्थ है, जो 'गुलाबी' लगता है। कई संदर्भों में 'हरा' भी प्रतीत होता है, जो गतिशीलता का प्रतीक है। बहरहाल अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ सवाल किए जा सकते हैं। मसलन-औसत घरेलू मांग कम क्यों है? क्या देश के आम नागरिक की क्रय-शक्ति घटी या सीमित है? मांग का सीधा असर बाजार, उत्पादन, रोजगार पर पड़ता है। भारत में बेरोजगारी दर के बजाय रोजगार की दर एक अहम चिंतित सरोकार है। सरकारी एजेंसियां और संस्थाएं रोजगार की दर का खुलासा नहीं करतीं। बेरोजगारी दर आनुपातिक तौर पर कम हो जाती है। सरकारें उसी पर अपने गाल बजाने लगती हैं। सरकारी रपटों में ऐसे आकलन के दो मानदंड हैं। मार्च, 2026 में 15-59 साल आयु-वर्ग के 100 में से करीब 39 फीसदी लोगों के पास रोजगार था। करीब 10 साल पहले यही औसत करीब 43 फीसदी था। जाहिर है कि भारत में रोजगार घटे हैं। आखिर सरकार कार्य-बल बनाम श्रम-बल का विभाजन क्यों करती है? काम तो दोनों वर्गों को चाहिए। बेरोजगारी के आंकड़े कम दिखाने के मद्देनजर ऐसी कवायद की जाती रही है। देश जान ही नहीं पाता कि कामकाजी आयु-वर्ग में रोजगार की हताशा कितनी है और बेरोजगारी वाकई में कितनी भयावह है? देश की अर्थव्यवस्था व्यापक हो सकती है, हमारी वैश्विक औसत महत्वपूर्ण हो सकती है, हम विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था भी बन सकते हैं, उससे आम भारतीय की जिंदगी बेहतर नहीं होगी। मकसद बेहतरी का होना चाहिए, न कि आंकड़ों की गिनती का। सरकार को बेरोजगारी को दूर करने के लिए उचित प्रयास करने चाहिए। तेजी से बढ़ते आर्थिक विकास के बावजूद रोजगार विहीन विकास एक बड़ी चिंता है।

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार

अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंका

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

देश को नक्सल आतंक की जकड़ से बाहर निकालने और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंक दिया है। इस बार निशाने पर केवल घुसपैठ नहीं, बल्कि घुसपैठ के जरिये सीमावर्ती इलाकों में बदलता जनसंख्या संतुलन, तस्करी, मादक पदार्थों का जाल, कट्टरपंथ, ड्रोन खतरे, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध की पूरी रणनीति है। अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और सीमाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच देने का व्यापक अभियान अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अमित शाह का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ प्रश्न है, ऐसे में यह अभियान वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भारत की सुरक्षा का भी मजबूत आधार बनेगा।

हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है। इतनी विशाल सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों के भरोसे संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समाज की भागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। इसी सोच के तहत सरकार अलग थलग सीमा चौकियों की पुरानी व्यवस्था से आगे बढ़कर एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की स्मार्ट सीमा की परिकल्पना आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे आधुनिक सीमा सुरक्षा व्यवस्था का रूप लेगी।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में हिंसा के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी निर्णायक प्रहार किया जाएगा। साथ ही ऐसा मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिससे देश पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बने और भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ की संभावना लगभग समाप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी होती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान तैयार कर रही है।

देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमावर्ती क्षेत्रों में बदलते जनसंख्या स्वरूप पर मोदी सरकार का विशेष ध्यान है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती इलाकों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण अवैध घुसपैठ है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंख्या अध्ययन अभियान प्रारंभ किया है, जिसके तहत जनसंख्या में हो रहे अस्वाभाविक बदलावों का अध्ययन किया जाएगा, उनके कारणों की पहचान होगी और भविष्य में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्वाभाविक कारणों से होने वाली जनसंख्या वृद्धि पर कठोरता के साथ नियंत्रण किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक तत्काल पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

सरकार सीमाओं को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत ढांचे पर भी अभूतपूर्व निवेश कर रही है। अमित शाह ने बताया कि सीमा क्षेत्रों में आधारभूत संरचना पर निवेश में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की गई है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सड़कों, संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भारत म्यांमार सीमा के सोलह सौ दस किलोमीटर लंबे हिस्से पर 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ लगाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसका उद्देश्य केवल घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि छद्म युद्ध, अवैध हथियारों की आवाजाही, मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित अन्य गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है।

साथ ही मोदी सरकार की सीमा सुरक्षा नीति केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। सीमावर्ती गांवों को मजबूत बनाना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के अंतिम गांव को पहला गांव बताया है। इस योजना के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन रोकने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मोदी सरकार का मानना है कि जब सीमा पर बसे गांव समृद्ध होंगे, वहां के लोग सुरक्षित और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सीमा सुरक्षा भी स्थायी रूप से मजबूत होगी।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह नई नीति भारत की सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। अब देश केवल किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति पर नहीं रहेगा, बल्कि संभावित खतरों को पहले ही पहचानकर उन्हें रोकने की सक्रिय रणनीति अपनाई जाएगी। घुसपैठ, छद्म युद्ध, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिये हथियार पहुंचाना, साइबर अपराध और संगठित अपराध आज एक दूसरे से जुड़ी चुनौतियां बन चुकी हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ एकीकृत सुरक्षा तंत्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण, जनसंख्या संतुलन की निगरानी, आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों का विकास एक साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो भारत न केवल अपनी सीमाओं को अधिक सुरक्षित बना सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की बाहरी चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से सामना करने की स्थिति में भी होगा। अमित शाह द्वारा प्रस्तुत यह नई रणनीति केवल सीमा सुरक्षा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, सामरिक शक्ति और भविष्य के भारत की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने वाला व्यापक अभियान बनकर उभर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि इस पूरी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए अमित शाह स्वयं भी सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सीमा चौकियों का निरीक्षण किया, सुरक्षा बलों के साथ संवाद स्थापित किया, नियंत्रण रेखा का निरीक्षण किया, भारत-पाक सीमा के अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र जाकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और महिला जवानों के लिए नई बैरकों का उद्घाटन किया। स्पष्ट है कि मोदी सरकार केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक निगरानी प्रणाली, तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र, मजबूत समन्वय और प्रत्यक्ष निरीक्षण के माध्यम से पूरे सीमा सुरक्षा ढांचे को नए सिरे से सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

38 आतंकियों को फांसी

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

2014 में केन्द्र में सरकार के गठन के बाद भारत में जिस तरह आतंकवाद के विरुद्ध सघन अभियान कार्यपालिका व विधायिका ने चलाया उसकी प्रतिध्वनि हमें राज्य के अन्य संवैधानिक प्रतिष्ठानों में भी सुनने को मिली जिससे भारत की एकता व अखंडता को मजबूती मिली। मोदी सरकार में श्री अमित शाह के गृहमन्त्री बनने के बाद जिस तरह भारत को नक्सलवाद से मुक्त किया गया वह इसी तथ्य का प्रमाण है कि संविधान के सत्ता वाले भारत में बन्दूक की गोली के जरिये न तो लोगों में दहशत पैदा करने के लिए कोई जगह है और न ही सरकारों को खौफजदा रखने की कोई गुंजाइश है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि आज देश में घरेलू स्तर के आतंकवादी संगठन नाकारा हो चुके हैं और सरकारी पुलिस अमलों से लेकर सशस्त्र अमले तक इस अभियान में कन्धे से कन्धा मिलाकर काम कर रहे हैं। आतंकवाद के विरुद्ध मोदी सरकार का दृढ़ संकल्प यह बताता है कि भारत में केवल शान्तिपूर्ण तरीके से ही संविधान की सत्ता का राज रहेगा। इस मामले में भारत की न्यायपालिका की भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है क्योंकि किसी आतंकवादी के पकड़े जाने के बाद उसके भाग्य का फैसला अन्त में अदालतें ही करती हैं।

इस सन्दर्भ में हाल ही में गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा हालिया पिछले दिनों में दिया गया यह फैसला मील का पत्थर है जिसमें 38 लोगों की मृत्युदंड की सजा को बरकरार रखा गया है। इसके साथ ही 11 अपराधियों की आजीवन कारावास की सजा को भी बहाल रखने के आदेश उच्च न्यायालय ने दिये। ये फैसला 2008 में अहमदाबाद में किये गये शृंखलाबद्ध बम कांड में दिया गया। इस बम कांड के सिलसिले में संलिप्त व्यक्तियों को पकड़ कर पुलिस ने सत्र न्यायालय में मुकदमा शुरू किया था जिसमें 49 अभियुक्तों को सजा सुनाई गई थी। यह फैसला फरवरी 2022 में दिया गया था जिसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। अहमदाबाद बम कांड में कुल 56 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी। इसमें इंडियन मुजाहिदीन जैसी आतंकवादी संस्था का हाथ था जिसे प्रतिबन्धित संगठन 'सिमी' का सहायक संगठन माना जाता है। इस संगठन ने जुलाई 2008 में अहमदाबाद सहित कुछ अन्य स्थानों पर भी बम विस्फोट किये थे और कहा था कि यह 2002 के गोधरा दंगों का जवाब है। पुलिस ने इस कांड में संलिप्त लोगों को पकड़ने पर पाया कि वे सभी इंडियन मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं। इन सभी अभियुक्तों को पुलिस अदालत में ले गई जहां उनका अपराध सिद्ध हो गया और फरवरी 2022 में उसने सजा सुना दी। आतंकवाद के विरुद्ध भारत का यह समूचा संकल्प शुरू से ही रहा है कि इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अतः मोदी सरकार ने सत्ता पर बैठने के बाद पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी घटनाओं का जवाब भी उसके घर में घुस कर मारने की नीति से दिया और भारत के दृढ़ संकल्प का इजहार किया। जहां तक भारत के भीतर पनपी आतंकवादी संस्थाओं का प्रश्न है तो मोदी सरकार ने इन पर भी कानून की गाज गिराते हुए इन्हें प्रतिबन्धित किया और इनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी।

अहमदाबाद बम कांड में पकड़े मुजरिमों को पहले सत्र न्यायालय ने मुजरिम घोषित किया और बाद में उच्च न्यायालय ने। मगर इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि स्वतन्त्र भारत में यह पहला अवसर है जब इतनी बड़ी संख्या में मुजरिमों के मृत्युदंड की सजा को बहाल रखा गया हो। इसका सीधा अर्थ यही निकलता है कि मुजरिमों के विरुद्ध पुलिस ने इतने पुख्ता सबूत जुटाये कि उच्च न्यायालय तक को उन्हें स्वीकार करना पड़ा। उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने अपना फैसला सर्वसम्मति से देते हुए कहा कि इस बम कांड में हताहत हुए सभी मृत व्यक्तियों के परिवारों को दस-दस लाख रुपए का मुआवजा दिया जाये और जो गंभीर रूप से जख्मी हुए थे उन्हें पांच-पांच लाख रुपए दिये जायें और साधारण जख्मियों को एक-एक लाख रुपये। इंडियन मुजाहिदीन के जिन 38 लोगों पर सजाये मौत की तलवार लटकी हुई है उनमें 14 गुजरात से हैं, आठ उत्तर प्रदेश से, पांच महाराष्ट्र से, पांच मध्य प्रदेश से, दो-दो केरल व कर्नाटक से व एक हैदराबाद से। इससे पता चलता है कि आतंकवादी संस्था ने अपना जाल किस तरह बिछा रखा था। इनके 11 साथी और भी थे जिन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। 26 जुलाई, 2008 को इन लोगों ने अहमदाबाद में विभिन्न स्थानों पर 22 बम फोड़े थे। जिनमें दो अस्पताल भी शामिल थे। अतः इन आतंकवादियों के नृशंस इरादों को देखा जा सकता है और सिद्ध होता है कि ऐसे लोग मानवता के दुश्मन होते हैं जिनके प्रति दया भाव नहीं रखा जा सकता।

बेशक भारत में कुछ लोग मृत्युदंड की मुखालफत अपने-अपने तर्कों के हिसाब से करते रहते हैं मगर मानवता के विरुद्ध किये गये अपराध को किस प्रकार 'क्षम्य' माना जा सकता है जबकि विश्व की अन्तर्राष्ट्रीय अदालत भी ऐसे अपराध को क्षम्य नहीं मानती है। अहमदाबाद बम कांड में पुलिस ने कुल 77 लोगों को अभियुक्त बनाया था और इन्हें सत्र न्यायालय में पेश किया था। इनमें से अदालत ने 49 को ही दोषी पाया और 28 अभियुक्तों को सन्देह का लाभ देते हुए रिहा कर दिया। इसलिए अदालत ने उन ठोस सबूतों के आधार पर ही अपना फैसला दिया जो उच्च अदालतों में भी टिके रह सकें। इस पूरे मामले का अगर वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाये तो हम इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि आतंकवादी घटनाओं के मुकदमों को स्थानीय स्तर पर ही पुलिस को 'तथ्य, कथ्य और पारिस्थितिक' तौर पर इतना कसा हुआ बनाना चाहिए कि उच्च अदालतों में भी उनकी काट न हो सके। आतंकवाद के मामले में तो उसे और भी ज्यादा संजीदा रहना चाहिए क्योंकि इसका सम्बन्ध मानवता से होता है।

आस्था उद्योग

पवन शर्मा

जब भगवान भी ब्रांड बन जाएँ और श्रद्धा सबसे बड़ा कारोबार। यदि किसी युवक को करोड़पति बनना हो, तो क्या उसे इंजीनियर बनना चाहिए... डॉक्टर बनना चाहिए... वैज्ञानिक बनना चाहिए... या बाबा? यह प्रश्न सुनने में व्यंग्य लग सकता है। लेकिन आज के भारत में यह एक राष्ट्रीय प्रश्न बन चुका है। एक तरफ़ देश का युवा है। बचपन से प्रतियोगिता, कोचिंग, डिग्रियाँ। इंजीनियरिंग, मेडिकल, एमबीए,पीएचडी सालों का संघर्ष। माता-पिता की जीवनभर की कमाई और अंत में... बेरोज़गारी, संविदा नौकरी, या मामूली वेतन। दूसरी तरफ़ कुछ स्वयंभू आध्यात्मिक हस्तियाँ हैं, जिन्होंने कुछ वर्षों या दशकों में विशाल धार्मिक संस्थान, मीडिया नेटवर्क, उद्योग, रियल एस्टेट, विश्वविद्यालय, अस्पताल, उत्पाद, चैनल और व्यापक आर्थिक प्रभाव खड़ा कर लिया। यहाँ प्रश्न उनकी आध्यात्मिक भूमिका का नहीं है। प्रश्न है भारत में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला उद्योग आखिर है कौन? स्टार्टअप? आईटी? रियल एस्टेट? या... आस्था उद्योग?

यदि कोई उद्योगपति हजार करोड़ का साम्राज्य बनाता है तो आयकर विभाग, प्रवर्तन एजेंसियाँ, ऑडिटर, नियामक संस्थाएँ, शेयरधारक और मीडिया-सब उसकी गतिविधियों पर नज़र रखते हैं। तो फिर एक ऐसा धार्मिक या आध्यात्मिक संगठन, जिसके पास अपार संपत्ति, विशाल दान और करोड़ों अनुयायी हों, क्या उसे भी समान स्तर की पारदर्शिता और जवाबदेही के दायरे में नहीं आना चाहिए? क्या कानून की कसौटी व्यक्ति के पेशे से तय होगी...या संविधान से? सबसे चिंताजनक बात यह नहीं कि लोग आस्था रखते हैं। आस्था भारतीय सभ्यता की आत्मा है। चिंता तब शुरू होती है जब आस्था प्रश्न पूछना बंद कर देती है। जब धर्म, धन और सत्ता एक-दूसरे का सहारा बनने लगें, तब लोकतंत्र को स्वयं से प्रश्न पूछना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति नागरिक है। यदि नागरिक प्रश्न पूछना छोड़ दे, तो लोकतंत्र भी धीरे-धीरे भीड़तंत्र में बदल सकता है। इसलिए अब समय आ गया है कि भारत कुछ कठिन लेकिन आवश्यक निर्णय ले। पहला हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट, आश्रम और आध्यात्मिक संस्था के लिए वार्षिक स्वतंत्र वित्तीय ऑडिट अनिवार्य हो। दूसरा- बड़े दानों, अचल संपत्तियों और व्यावसायिक गतिविधियों का सार्वजनिक विवरण उपलब्ध हो। तीसरा- धर्म के नाम पर किए जाने वाले आर्थिक, चिकित्सीय या चमत्कारी दावों पर वही कानून लागू हों जो किसी अन्य संस्था पर लागू होते हैं। चौथा- विद्यालयों में केवल जानकारी नहीं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और प्रश्न पूछने का साहस सिखाया जाए। क्योंकि जहाँ प्रश्न मर जाते हैं वहाँ अंधविश्वास जन्म लेता है। और जहाँ अंधविश्वास फलता-फूलता है... वहाँ शोषण भी पनपता है। यह लेख किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है। यह उन संतों के विरुद्ध भी नहीं है जिन्होंने अपना जीवन सेवा, त्याग और मानवता को समर्पित किया। त्याग-प्रदर्शन में अंतर है। संत और सेलिब्रिटी में अंतर है। उस अंतर को पहचानना ही समाज की परिपक्वता है। आज भारत को मंदिरों से नहीं। मस्तिष्कों से डरना चाहिए जो प्रश्न पूछना छोड़ चुके हैं। देश को बाबाओं से नहीं। अंधसमर्पण से डरना चाहिए। सरकार को आलोचना से नहीं। पारदर्शिता से प्रेम करना चाहिए। क्योंकि जिस दिन भारत ने आस्था और उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बना लिया... उस दिन धर्म भी सुरक्षित होगा, लोकतंत्र भी और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी।

हर साल बदइंतजामी की बाढ़ में डूबती व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल
लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार तथा पर्यावरण संरक्षण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है।

यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में 'लिडार' तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और 'रॉकफॉल बैरियर्स' के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूर्वानुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात् हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन ('आपदा के बाद राहत' से 'आपदा से पहले तैयारी' की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 'डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट' को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही 'स्पंज सिटी' मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

चिनफिंग के ड्रीम प्रोजेक्ट पर मंडराया खतरा, चीनी वैज्ञानिकों का दावा

ब्रह्मपुत्र पर बांध से कभी भी आ सकती है तबाही

नई दिल्ली

भारत के लिए ब्रह्मपुत्र पर महाबांध बनाकर मानो वाटर बम जैसी चेतावनी देने वाला चीन अब खुद गंभीर आशंकाओं के घेरे में आ गया है। दरअसल, तिब्बत में यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे विशाल जलविद्युत परियोजना खड़ी करने की उसकी महत्वाकांक्षा पर उसके अपने वैज्ञानिकों ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। चीन के सरकारी समर्थन वाले भूवैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह महाबांध एक सक्रिय भ्रंश रेखा के ऊपर बनाया जा रहा है, जहां भूकंप, भूस्खलन और संरचनात्मक अस्थिरता का स्थायी खतरा मौजूद है। यह खुलासा केवल चीन की परियोजना की सुरक्षा पर सवाल नहीं उठाता, बल्कि भारत और बांग्लादेश जैसे निचले प्रवाह वाले देशों की जल सुरक्षा, पर्यावरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी नई चिंताएं पैदा करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह चेतावनी किसी बाहरी एजेंसी ने नहीं, बल्कि चीन के अपने वैज्ञानिकों ने दी है।

बताया जा रहा है कि यह अध्ययन पिछले महीने चीनी भाषा की पत्रिका सेडिमेंटरी जियोलाजी एंड टेथियन जियोलाजी में प्रकाशित हुआ, जिसकी देखरेख चीन के सरकारी स्वामित्व वाले भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्थान ने की। शोध में चेंगदू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, चीन भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के नागरिक सैन्य समन्वय केंद्र तथा मध्य यारलुंग सांगपो प्राकृतिक संसाधन अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक शामिल थे। निष्कर्षों के अनुसार परियोजना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली पैझेन भ्रंश रेखा हिमयुग से लगातार सक्रिय रही है और इसका सीधा प्रभाव बांध, सुरंग, सड़क, पुल तथा जलाशय की स्थिरता पर पड़ेगा।

वैज्ञानिकों ने साफ कहा है कि इस भ्रंश रेखा ने आसपास की चट्टानों को कमजोर कर दिया है, जिससे किसी भी भारी निर्माण की नींव अधिक असुरक्षित हो जाती है। जलाशय के दोनों किनारों की ढलानों में मिट्टी और चट्टानों का जुड़ाव कमजोर है। लंबे समय तक पानी के दबाव, लगातार भूकंपीय गतिविधियों और भ्रंश रेखा की हलचल के कारण कभी भी विशाल भूस्खलन हो सकता है। उन्होंने यह भी चेताया कि निर्माण और संचालन के दौरान ढलानों को मजबूत करने तथा सुरक्षा अवरोध लगाने जैसे विशेष उपाय अनिवार्य होंगे, अन्यथा किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। चीन का यह महाबांध प्रतिवर्ष लगभग तीन सौ अरब किलोवाट घंटा बिजली उत्पादन के लक्ष्य के साथ बनाया जा रहा है। इसकी क्षमता चीन के थ्री गार्जेस बांध से भी लगभग तीन गुना अधिक बताई जा रही है। जिस यारलुंग सांगपो नदी पर यह परियोजना बन रही है, वही नदी अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने के बाद ब्रह्मपुत्र कहलाती है, फिर असम की जीवनरेखा बनते हुए बांग्लादेश पहुंचती है। इसलिए इस परियोजना का प्रभाव केवल चीन की सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की जल व्यवस्था पर पड़ सकता है। भारत के लिए यह केवल पर्यावरण या जल संसाधन का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक संतुलन का प्रश्न भी है। ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर भारत की कृषि, पेयजल, मत्स्य पालन, जलविद्युत उत्पादन और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। यदि चीन किसी कारणवश जल प्रवाह को नियंत्रित करता है, पानी रोकता है, अचानक छोड़ता है या किसी प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान पहुंचता है, तो उसका सीधा असर अरुणाचल प्रदेश और असम सहित पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र पर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में विनाशकारी बाढ़, पर्यावरणीय तबाही और मानवीय संकट से इंकार नहीं किया जा सकता।

ट्रंप ने बम दाग कर दहलाया, ईरान ने मिसाइलों से कोहराम मचाया, 2 दिन, 170 हमलें और कई मौतें

नई दिल्ली

ईरान अमेरिका की जंग विध्वंसक मोड़ यहां पर लेती हुई जा रही है। ईरान पर हमले हुए हैं तो ईरान ने भी पलटवार यहां पर किया है। ईरान लगातार चेतावनी अमेरिका को दे रहा है। अमेरिका हर उस जगह को निशाना यहां पर बना रहा है जो ईरान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सेना ने चाबहार पोर्ट पर जबरदस्त बमबारी की है। दावा यह भी किया जा रहा है कि अमेरिका ईरान पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। अब अमेरिका पर ईरान ने बहुत बड़ा आरोप यहां पर लगा दिया। ईरानी मीडिया का दावा यह है कि परमाणु ठिकाने के पास हमले हुए हैं और अमेरिका ने ईरान के बुशहर परमाणु प्लांट के पास हमला कर दिया है। मेहर न्यूज़ एजेंसी है जिसके मुताबिक वहां पर धमाकों की आवाज सुनाई दी है और अमेरिका ने तड़के ईरान के 90 सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने जो दावा यहां पर किया उसके मुताबिक एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी ठिकाने, मिसाइल और ड्रोन भंडार के साथ ही नौसैनिक ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

अमेरिकी फौज ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को भी निशाना बना दिया है। हॉर्मोसगान प्रांत में पोर्ट एरिया से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया है। अमेरिकी हमलों से पिछले दो दिन में ईरान में 14 लोगों की मौत हो गई है। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 78 से ज्यादा लोग हैं जो इन हमलों में अब तक घायल हो चुके हैं। ट्रंप सेना के हमलों के जवाब में ईरान भी पीछे नहीं हट रहा है। पलटवार के दावे ईरान कर रहा है। और खबरें जो आ रही है उसके मुताबिक क़तर, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन से हमले ईरान ने किए हैं। ईरानी सेना के मुताबिक हमलों में कुवैत के पेट्रिएट मिसाइल सिस्टम, क़तर के अर्ली वार्निंग सेटेलाइट्स एंटीना को निशाना बनाया गया है। जबकि बहरीन में अमेरिकी सेना के फ्यूल टैंक को टारगेट किया गया। ईरान ने इन हमलों के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल की। इस वक्त मिडिल ईस्ट में बने हुए ईरान अमेरिका के बीच फिर से तनाव यहां पर पैदा कर दिया। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और ईरान के कई मिलिट्री ठिकानों पर अटैक कर दिया है। अब जाहिर तौर पर अमेरिका अगर हमले कर रहा है तो ईरान उसका जवाब देगा। रान ने जो हमले यहां पर किए हैं उसके बाद यहां पर कुवैत में ईरानी हमलों के बाद सायरन बजते हुए सुनाई दिए हैं। यह सब कुछ वैसा ही है जैसे इस तनाव की शुरुआत हुई थी। अमेरिका हमले करता है और ईरान नजदीकी देश जहां पर अमेरिका के बेस है उनको टारगेट करता है। दोनों के बीच जब वार पलटवार हो रहा है तो फिर से यह हिंसक रूप ले रहा है।

चीन के एक जूता कारखाने में आग लगने से कम से कम 28 लोगों की मौत

बीजिंग, (वार्ता)। चीन के जिंजियांग शहर में एक जूता कारखाने में भीषण आग लगने से कम से कम 28 लोगों की मौत हो गयी। यह विनाशकारी आग गुरुवार को हुइतेंग फुटवियर कारखाने में लगी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जब आग भड़की तब कारखाने के भीतर लगभग 240 लोग मौजूद थे। सूचना मिलते ही 500 से अधिक राहत एवं बचाव कर्मियों को तैनात कर बचाव कार्य चलाया गया। कारखाने से सुरक्षित बाहर निकाले गए 213 लोगों में से दो की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि शुरुआत में लापता बताए गए 26 अन्य लोग कारखाने के भीतर मृत पाए गए। प्रारंभिक जांच से संकेत मिले हैं कि आग कारखाने के भूतल से शुरू हुई थी, जहां भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने कारखाने के मालिकों के लिए काम करने वाले कई लोगों को हिरासत में ले लिया है और कंपनी के बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आग लगने के कारण बड़े पैमाने पर लोग हताहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

गौरतलब है कि फुज्यान प्रांत का जिंजियांग शहर दुनिया भर में %जूतों की राजधानी के रूप में जाना जाता है, क्योंकि दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत खेल के जूते अकेले इसी शहर में बनाए जाते हैं।

शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी का ऐलान, बोलीं-

मेरी हत्या हो सकती है, फिर भी लौटूंगी

नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अवामी लीग के दूसरे निर्वासित नेताओं के साथ दिसंबर के आसपास स्वेच्छा से बांग्लादेश लौटना चाहती हैं, भले ही उन्हें वहां पहुंचने पर गिरफ्तारी या मौत का सामना करना पड़ सकता है। 78 वर्षीय नेता, जो अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद भारत चली गई थीं, जिसके कारण उनकी सरकार गिर गई थी, ने कहा कि लौटने पर वह अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने की योजना बना रही हैं। उन्होंने आगे साफ़ किया कि तय कार्यक्रम के अनुसार घर लौटने को लेकर ढाका में मौजूद मौजूदा अधिकारियों से कोई बातचीत नहीं हुई है। शेख हसीना ने कहा मेरे लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, यहाँ तक कि मेरी हत्या भी कर सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही है। अपने देश में मौजूद राजनीतिक समर्थकों की मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता ज़ाहिर करते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी ज़मीन पर नतीजों का सामना करने के अपने संकल्प पर ज़ोर दिया।

मेरे दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भीषण दमन हो रहा है। अगर मौत आती है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी धरती पर आए, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था। यह महत्वपूर्ण घोषणा बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के उस फैसले के बाद आई है, जिसमें उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई गई थी। ये आरोप 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए उन विरोध प्रदर्शनों के दौरान सरकार की कार्रवाई से जुड़े थे, जिनकी वजह से आखिरकार अवामी लीग की सरकार गिर गई।

ट्रिब्यूनल ने राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया, क्योंकि उन्होंने या तो इसके आदेश दिए थे या फिर इन मौतों को रोकने में नाकाम रहे थे। इसी फ़ैसले में ट्रिब्यूनल ने पूर्व गृह मंत्री असदुज़्ज़मान खान कमाल को मौत की सज़ा और पुलिस के पूर्व इंस्पेक्टर जनरल चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को पाँच साल की जेल की सज़ा सुनाई। साथ ही, न्यायिक संस्था ने सरकार को शेख़ हसीना और कमाल, दोनों की संपत्ति ज़ब्त करने का भी निर्देश दिया।

चीन का परीक्षण सफल हुआ या नहीं? ताइवान के रडार ने फेल की ड्रैगन की चालबाजी, तुरंत ट्रैक की मिसाइल

वाशिंगटन। दक्षिण चीन सागर से चीन द्वारा किए गए हालिया बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च को ट्रैक करने में ताइवान के लॉन्ग-रेंज अर्ली-वार्निंग रडार ने बेहद अहम भूमिका निभाई है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान ने इस पूरे ऑपरेशन के दौरान अमेरिका के साथ रीयल-टाइम खुफिया जानकारी साझा की। यह दोनों पक्षों के बीच गहरे होते रक्षा और खुफिया सहयोग को दर्शाता है। हालांकि, चीन ने अभी तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि उसने किस प्रकार की मिसाइल का परीक्षण किया था, लेकिन ताइवान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महासचिव जोसेफ वू ने कहा कि यह संभवत: एक जेएल-2 सबमरीन-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ताइवान चीनी नाकाबंदी, साइबर हमलों और संभावित पूर्ण आक्रमण जैसी सबसे खराब स्थितियों से निपटने के लिए सैन्य अभ्यास कर रहा है। सुरक्षा चुनौतियों के बीच ताइवान की निगरानी प्रणालियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। ताइवान के अखबार लिबर्टी टाइम्स ने एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि ताइवान के N/FPS-115 Pave Paws अर्ली-वार्निंग रडार ने दक्षिण चीन सागर में चीन की एक परमाणु-संचालित पनडुब्बी से लॉन्च होते ही इस बैलिस्टिक मिसाइल का पता लगा लिया था। ह्सिनचू काउंटी के लेशान रडार स्टेशन पर स्थित यह रडार 2,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित है और इसकी मारक/निगरानी क्षमता 5,000 किलोमीटर तक है। यह सिस्टम ताइवान को मुख्यभूमि चीन, दक्षिण चीन सागर और कोरियाई प्रायद्वीप में होने वाले किसी भी मिसाइल लॉन्च पर नजर रखने की क्षमता देता है।

ताइवान के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए इस रडार को कम ऊंचाई पर उड़ने वाली क्रूज मिसाइलों और सामरिक (टैक्टिकल) बैलिस्टिक मिसाइलों का बेहतर ढंग से पता लगाने के लिए अपग्रेड भी किया गया है।रक्षा क्षेत्र के अमेरिकी ठेकेदार रेथियॉन द्वारा विकसित AN/FPS-115 Pave Paws रडार साल 2013 में ताइवान में पूरी तरह से चालू हुआ था। इसे इस द्वीप नेटवर्क की सबसे महत्वपूर्ण शुरुआती चेतावनी प्रणालियों में से एक माना जाता है। बैलिस्टिक मिसाइलों को ट्रैक करने के अलावा, यह ताइवान जलडमरूमध्य में विमानों, क्रूज मिसाइलों और समुद्री गतिविधियों की भी निगरानी कर सकता है, जिससे यह ताइवान के रक्षा ढांचे का एक मुख्य स्तंभ बन जाता है। 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाला यह रडार ताइवान की मिसाइल चेतावनी प्रणाली का मुख्य आधार और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के साथ किसी भी संभावित संघर्ष में एक बेहद महत्वपूर्ण संपत्ति है। हालांकि, इसके इसी बड़े महत्व के कारण यह आशंका भी बढ़ गई है कि क्रॉस-स्ट्रेट युद्ध की स्थिति में यह चीन का सबसे पहला और प्राथमिक निशाना बन सकता है।

सपा सरकार में जय श्रीराम का नारा लगाने वालों को जेल भेजा जाता था : योगी

बस्ती, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सपा सरकार के दौरान जय श्रीराम का नारा लगाने वालों को जेल भेजा जाता था तथा 84 कोसी परिक्रमा और कांवड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगाया जाता था जबकि आज सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं कांवड़ यात्रा में शामिल होने के लिए उत्सुक दिखाई देते हैं। मुख्यमंत्री हर्रैया तहसील स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में 85.54 करोड़ रुपये की 22 परियोजनाओं का शिलान्यास, 275.76 करोड़ रुपये की 30 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में 62.08 करोड़ रुपये की आठ परियोजनाओं का शिलान्यास और 80.96 करोड़ रुपये की 17 पूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि बस्ती तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है, जबकि सपा सरकार में दंगे होते थे और सुरक्षा व्यवस्था में लगातार सेंध लगती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय बहन-बेटियां और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे, जबकि डबल इंजन सरकार में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और अपराधियों में भय का वातावरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को उन घटनाओं के लिए माफी मांगनी चाहिए, जिनमें हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का प्रयास किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न धार्मिक स्थलों पर उत्पन्न विवादों के पीछे भी सपाई मानसिकता जिम्मेदार रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित बस्ती की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में न तो बड़े दंगे हुए हैं और न ही व्यापारियों के खिलाफ अपराध की घटनाएं पहले जैसी स्थिति में हैं।

सपा सरकार में कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने में विशेष रुचि दिखाई जाती थी और वक्फ के नाम पर भूमि कब्जाने की कोशिशें होती थीं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऐसे मामलों में लोगों की जमीन बचाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस आस्था और विकास की बातें तो करती हैं, लेकिन सत्ता मिलने पर लूट-खसोट में लग जाती हैं। इन दलों के शासनकाल में किसान, छात्र और युवा सभी वर्ग परेशान थे, जबकि मोदी सरकार की योजनाओं से गरीबों, किसानों, युवाओं और वंचित वर्गों को लाभ मिल रहा है। सपा और बसपा सरकारों ने 84 कोसी परिक्रमा को रोकने का काम किया था, जबकि आज परिक्रमा मार्ग को भव्य और दिव्य स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस धन का उपयोग पहले कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल के लिए होता था, उसी से अब प्रदेश में लगभग 1,500 मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं तथा बेहतर शिक्षा के लिए मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि राम मंदिर निर्माण से सपा के लोग आहत हैं, जबकि प्रदेश की सरकार विकास और सांस्कृतिक विरासत दोनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

प्रियदर्शन की अगली फिल्म में अक्षय कुमार नजर आयेंगे

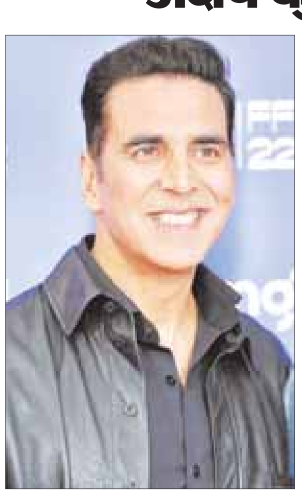

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार का नाम इस वक्त निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म को लेकर चर्चा में बना है। इस साल आई भूत बंगला की सफलता के बाद अब प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने एक और नई मूवी के लिए हाथ मिलाया है, जिसका कनेक्शन 22 साल पुरानी एक कल्ट कॉमेडी फिल्म से बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियदर्शन की अगली फिल्म में अक्षय कुमार अपने एक पॉपुलर किरदार को दोबारा से दोहराते हुए नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2004 में प्रदर्शित फिल्म मुझसे शादी करोगी में अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने चुलबुले पात्र सनी की भूमिका से दर्शकों को खूब हंसाया था। अब हाल ही में खबरें आईं कि वह फिल्मकार प्रियदर्शन के साथ नौंवी फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म का कनेक्शन मुझसे शादी करोगी फिल्म से भी जुड़ा होगा। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का शीर्षक विक्ड सनी होगा। जो फिल्म के नायक नाम पर आधारित होगा यानी मुझसे शादी करोगी फिल्म के बाद अक्षय एक बार फिर सनी नामक भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू हो सकती है। इससे पहले अक्षय और प्रियदर्शन साथ में फिल्म हेराफेरी 3 करने वाले थे। हालांकि, अब प्रियदर्शन हेराफेरी 3 का हिस्सा नहीं हैं। वहीं अक्षय की प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स की तरफ से फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी सभी संस्थाओं के लिए जारी नोटिस भी सामने आई है, जिसमें प्रोडक्शन कंपनी की तरफ से यह दावा किया गया है कि हेराफेरी 3 को बनाने, उसकी मार्केटिंग और रिलीज समेत फिल्म से जुड़े सभी अधिकार उनके पास सुरक्षित हैं। मौजूदा समय में वेलकम टू द जंगल की सफलता को लेकर अक्षय कुमार का नाम लाइमटाइट में बना हुआ है। आने वाली मूवी का नाम हैवान है, जिसका डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया है। ये फिल्म 11 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

शिल्पा मंजूनाथ का फिटनेस को लेकर बदला नजरिया

तमिल और कन्नड़ सिनेमा में अपनी प्रभावशाली परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ ने हाल ही में खुलासा किया है कि फिटनेस को लेकर उनका नजरिया पूरी तरह से बदल गया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वर्कआउट करते हुए एक प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट किया और इसके साथ अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने लिखा, हाल ही में फिटनेस को लेकर मेरा नजरिया बदला है। एक समय था जब मैं हफ्ते के सातों दिन जिम जाती थी, एक निश्चित रूटीन का पालन करती थी। अब मैं ऐसे दौर में हूं, जहां मैं एक्सपेरिमेंट करना चाहती हूं, मजे करना चाहती हूं और फिट रहते हुए इस सफर का आनंद लेना चाहती हूं। यह बदलाव उनके लिए एक व्यक्तिगत विकास को दर्शाता है, जहाँ अब फिटनेस केवल शारीरिक लक्ष्यों को प्राप्त करने से बढ़कर एक समग्र अनुभव बन गया है। शिल्पा ने आगे बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब अब सिर्फ वजन उठाना या वजन मशीन पर कोई नंबर देखना नहीं है। इसका मतलब है अपने शरीर को अलग-अलग तरीकों से मूव करना, नई चीजें आजमाना और एक्टिव रहने में खुशी ढूंढना है। शिल्पा का यह नया दृष्टिकोण शारीरिक गतिविधियों को अधिक आनंददायक और टिकाऊ बनाने पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके बावजूद वेट ट्रेनिंग और योग अभी भी उनकी फिटनेस की नींव हैं। वे उन्हें मजबूत, जमीन से जुड़ा और संतुलित रखते हैं, जबकि वह बाकी चीजें भी एक्सप्लोर करती रहती हैं। वह मानती हैं कि फिटनेस को व्यक्ति की जरूरतों और जीवनशैली के साथ बदलना चाहिए, और अभी उन्हें यह रूप सबसे ज्यादा खुशी देने वाला लगता है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपनी फिटनेस यात्रा का आनंद लेना चाहिए और अपने शरीर को सुनना चाहिए। सिर्फ एक हफ्ते पहले, एक्ट्रेस ने अपनी ट्रेनर का शुक्रिया अदा करते हुए एक पोस्ट किया था, जिन्होंने उन्हें हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया था। उस पोस्ट में शिल्पा ने कहा था, मजबूत रहो। व्यस्त रहो। मजबूत महिलाएं सिर्फ शरीर नहीं बनातीं, वे अनुशासन, आत्मविश्वास और मुश्किलों से उबरने की क्षमता भी बनाती हैं। मेरी ट्रेनर का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया। यह दिखाता है कि उनका फिटनेस के प्रति यह बदला हुआ नजरिया एक सतत प्रक्रिया का परिणाम है, जिसमें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की मजबूती शामिल है। एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ जल्द ही डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की बहुप्रतीक्षित कोर्टरूम ड्रामा फिल्म सत्यवान सावित्री में नजर आएंगी, जिसमें कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

पुष्कर जोग ने यूके में अपनी नई हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग शुरू की

अभिनेता पुष्कर जोग इन दिनों अपनी आने वाली हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग शुरू कर दी है।पुष्कर जोग इन दिनों अपनी आने वाली हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग यूनाइटेड किंगडम में कर रहे हैं।

पुष्कर ने इंस्टाग्राम पर सेट से क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए इस नए सफर की शुरुआत की अनाउंसमेंट की। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, यूनाइटेड किंगडम में सेट अपनी अगली हिंदी हॉरर रोमांटिक ड्रामा फिल्म की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। इस फिल्म में पुष्कर जोग के साथ अनीसा बट नजर आएंगी। फिल्म को गूजबंप्स एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है, जबकि इसे ब्रिटिश इंडियन फिल्ममेकर तेजा सलादी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी निखिल रानाडे संभाल रहे हैं। भारतीय सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचाने जाने वाले पुष्कर हमेशा ऐसे किरदार चुनते हैं जो उन्हें रचनात्मक रूप से चुनौती दें, और 'अंतराल' भी उसी कड़ी की एक दिलचस्प नई पेशकश है। पुष्कर के इस नए अपडेट पर फैंस और इंडस्ट्री दोनों की तरफ से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। हर कोई इस फ्रेश और दिलचस्प फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। यूके में शूटिंग जारी है, और उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और भी रोमांचक डिटेल्स सामने आएंगी।

गैबियन संरचनाओं से सिंगरी नदी पुनर्जीवन को मिली नई गति

वैज्ञानिक नवाचारों के साथ जल संरक्षण का बना मॉडल : मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने दिए नदी संरक्षण एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन के महत्वपूर्ण सुझाव

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को सिंगरी नदी पर निर्मित गैबियन मेशनरी संरचनाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के उद्देश्य से तैयार की गई इन संरचनाओं की कार्यप्रणाली और उपयोगिता की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि गैबियन संरचनाएं वर्षा जल के संचयन, मिट्टी के कटाव की रोकथाम तथा भू-जल स्तर में सुधार लाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने इन नवाचारों को ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के स्थायी समाधान के रूप में प्रभावी बताते हुए इनके व्यापक निर्माण पर बल दिया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. योगेंद्र सक्सेना तथा प्रख्यात भू-जल वैज्ञानिक डॉ. सुनील चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने सिंगरी नदी के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित एवं सतत बनाए रखने के साथ-साथ नदी तट पर स्थित ग्रामों एवं बसाहटों से निकलने वाले तरल अपशिष्ट के वैज्ञानिक उपचार एवं प्रबंधन के संबंध में महत्वपूर्ण तकनीकी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि उपचारित जल को ही नदी में प्रवाहित किया जाए, जिससे नदी की स्वच्छता, जल गुणवत्ता और पारिस्थितिक संतुलन लंबे समय तक सुरक्षित रह सके। मंत्री श्री पटेल ने अपने विधानसभा क्षेत्र नरसिंहपुर के ग्राम मगरधा में सिंगरी नदी के पुनर्जीवन एवं कायाकल्प कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि महज 2-3 महीनों के अल्प समय में ही नदी का सौंदर्यीकरण किया गया है। गंदे पानी की रोकथाम के लिए प्रभावी

वाटर फिल्टर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, साथ ही आमजन की सुगम आवाजाही के लिए पुलिया का निर्माण भी किया गया है।उन्होंने कहा कि सिंगरी नदी को 'सदानीरा' (वर्षभर प्रवाहमान) बनाने का यह प्रयास सामूहिक संकल्प, जनसहभागिता और दृढ़ इच्छाशक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल दर्शाती है कि समन्वित प्रयासों से किसी भी चुनौतीपूर्ण कार्य को संभव बनाया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि सिंगरी नदी पुनर्जीवन परियोजना के प्रथम चरण में ग्राम पंचायत मगरधा, रोसरा, नकटुआ, रानी पिपरिया सहित नरसिंहपुर शहर से लगे ग्रामों में नदी तटों के संरक्षण, गेबियन संरचनाओं के निर्माण तथा अपशिष्ट जल के उपचार के लिए आधुनिक शोधन इकाइयों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। विशेष रूप से ग्राम नकटुआ में अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक उपचार हेतु आधुनिक ट्रीटमेंट व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिससे नदी में प्रदूषण को प्रभावी रूप से रोका जा सके। इन प्रयासों का उद्देश्य नदी के कटाव को रोकना, जल संरक्षण को बढ़ावा देना तथा प्रदूषण मुक्त नदी तंत्र विकसित करना है। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि नदियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए जनभागीदारी, आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक और प्रभावी प्रशासनिक समन्वय का समन्वित रूप से कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिंगरी नदी पुनर्जीवन परियोजना जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और सतत ग्रामीण विकास की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी तथा भविष्य में यह परियोजना देश के अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में स्थापित होगी।

निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, श्री रामसनेही पाठक, श्री महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

67 साल पहले दान की गई जमीन पर फिर जल से लबालब भरेगी

मेख तालाब का हो रहा जीर्णोद्धार

जनभागीदारी से जल संरक्षण की अनूठी मिसाल, भूजल स्तर को बढ़ाने में मिलेगा बड़ा लाभ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल के तहत जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत मेख में ऐतिहासिक तालाब का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेंद्र नागेश के मार्गदर्शन में यह कार्य जनभागीदारी से तेजी से प्रगति पर है। इस तालाब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वर्ष 1959 में स्व. श्री सुरेश कुमार चंद्र, श्री प्रकाश नेमा, श्री शरद नेमा एवं उनके परिवार ने भविष्य में जल संकट की आशंका को देखते हुए 20.29 एकड़ भूमि तालाब निर्माण के लिए दान कर दी थी।

आज करीब 67 वर्ष बाद उसी दूरदर्शी निर्णय का लाभ पूरे क्षेत्र को मिलने जा रहा है। तालाब के जीर्णोद्धार के बाद इसकी जल भंडारण क्षमता 7.21 लाख घनमीटर (72130 घनमीटर यदि मूल अभिलेखानुसार) होगी, जिससे वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण होगा।

भूजल स्तर में वृद्धि होगी और आसपास के किसानों तथा ग्रामीणों को लंबे समय तक जल उपलब्धता का लाभ मिलेगा। तालाब निर्माण कार्य से ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल तालाब का पुनर्जीवन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। मेख तालाब का जीर्णोद्धार जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण बन रहा है।

श्रीमती साधना परस्ते एडीएम जबलपुर ने उक्त तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी व्हीबी-जी राम जी, सहायक यंत्री व उपयंत्री जनपद पंचायत और सचिव व रोजगार सहायक मौजूद थे।

भगवान जगन्नाथ की यात्रा 16 जुलाई को निकलेगी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा नेहरू वार्ड स्थित झिरना जगदीश मंदिर से 16 जुलाई (दिन गुरुवार) को शाम 4 बजे निकलेगी। उक्त जानकारी झिरना मंदिर के पुजारी बद्दू महाराज ने दी। उन्होंने बताया कि सड़क के मुख्य मार्ग से होते हुए सदर मढ़िया, नरसिंह मंदिर से खैरी नाका होते हुए शंकर वार्ड गुलाब चौराहा के पास लक्ष्मीकांत सरावगी के घर में भगवान का विश्राम रहेगा।उसके बाद भगवान का विमान ललित बिहारी खरे, कमल तिवारी के यहां एक-एक दिन विश्राम करते हुए अन्य भक्तों के यहां भी भगवान विश्राम करेंगे।

मंत्री उदय प्रताप सिंह 11 जुलाई को रोगी कल्याण समिति की बैठक में होंगे शामिल

मंत्री श्री सिंह का दौरा कार्यक्रम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह शनिवार 11 जुलाई को गाडरवारा में रोगी कल्याण समिति की बैठक सहित स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह शनिवार 11 जुलाई को सुबह 11 बजे सिविल हॉस्पिटल गाडरवारा में रोगी कल्याण समिति की बैठक में शामिल होंगे। इसके पश्चात दोपहर 12:30 बजे सेवा सदन, लक्ष्मी टाउनशिप गाडरवारा आयेंगे और यहां पर क्षेत्रीय गणमान्यजनों से सौजन्य भेंट करेंगे। इसके बाद मंत्री श्री सिंह सायं 5 बजे ग्राम झाझंनखेड़ा में श्री मुकेश बड़कुर, श्री बलवान सिंह खिचरौलिया एवं श्री महेश मरैया के निवास आयेंगे। इसके पश्चात् मंत्री श्री सिंह सायं 6 बजे रायल पैलेस गाडरवारा में श्री रामशंकर दुबे खुर्सीपार के पारिवारिक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कलेक्टर रजनी सिंह ने चावरपाठा में की योजनाओं की समीक्षा

पटवारी, सचिव एवं मैदानी अमले को शिविरों के माध्यम से शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को चावरपाठा में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विशेष शिविरों की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की। बैठक में पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक तथा संबंधित विभागों के मैदानी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि शासन की किसी भी योजना का पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, वहां समय-सीमा में सभी लंबित कार्यों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन पंचायतों में शिविर आयोजित हो चुके हैं, वहां की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में आधार अपडेशन एवं ई-केवाईसी कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि

इस कार्य में किसी भी प्रकार की लंबित प्रकरण (पेंडेंसी) नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिविरों के लिए अभी कुछ दिन शेष हैं, इसलिए अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचकर आधार अद्यतन, ई-केवाईसी तथा अन्य आवश्यक पंजीयन कार्य पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर ने अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को प्रतिदिन शिविरों की प्रगति की समीक्षा एवं रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो सकें। बैठक में ग्राम पंचायतों में संचालित पौधरोपण अभियान की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिन ग्राम पंचायतों में पौधरोपण किया गया है, वहां की प्रगति की जानकारी लेते हुए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने फार्मर रजिस्ट्री के सत्यापन कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन पटवारियों की प्रगति 40 प्रतिशत से कम है, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पटवारी निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत सत्यापन कार्य पूर्ण करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, संबल एवं निर्माण कर्मकार मंडल पंजीयन, समग्र ई-केवाईसी, यूनिक फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, आधार अद्यतन, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समन्वित प्रयासों से सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें।

हरित क्रांति की ओर बड़ा कदम : सीड बॉल्स और पौधरोपण से ग्राम मगरधा में सजी हरियाली

सीड बॉल्स और पौधरोपण के माध्यम से मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने दिया जनभागीदारी का संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को ग्राम मगरधा में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से सीड बॉल्स बिखेरकर और पौधरोपण कर एक अभिनव पहल की। उन्होंने सिंगरी पार्क, रानी पिपरिया सहित विभिन्न स्थानों पर सीड बॉल्स का वितरण एवं प्रसारण कर हरित अभियान को नई दिशा दी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मगरधा में 4 एकड़ भूमि पर 200 पौधों के साथ 200 बांस के पौधों का रोपण किया गया, जो क्षेत्र में हरियाली विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री श्री पटेल ने आमजन से अधिक से अधिक पौधरोपण करने और पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की स्व-सहायता

समूह की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आम, जामुन, नीम और इमली सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधों के बीजों से तैयार सीड बॉल्स का वितरण किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सीड बॉल्स प्रकृति के अनुकूल, सरल एवं कम लागत वाली तकनीक है, जो बंजर एवं अनुपयोगी भूमि को हरित बनाने में अत्यंत प्रभावी है। मिट्टी, जैविक खाद और विभिन्न बीजों से तैयार ये सीड बॉल्स बीजों को सुरक्षित रखते हैं और वर्षा के संपर्क में आते ही अंकुरित होकर नए पौधों का रूप लेते हैं, जिससे हरित आवरण के साथ-साथ जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब जनभागीदारी के साथ इस प्रकार के प्रयास किए जाते हैं, तो वे जनआंदोलन का रूप लेकर स्थायी परिणाम देते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करते हैं। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने ग्राम में संचालित विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की ।

नरसिंहपुर जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव

नरसिंहपुर। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव प्रारंभ हो गए हैं। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में मुख्य निर्वाचन अधिकारी एड चौ. ओपी गोयल ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुये जिसमें दि. 8.7.2026 एवं 9.7.2026 को स्कूटनी होकर जो नाम निर्देशन पत्र वैध पाये गये है उनमें अध्यक्ष पद हेतु संतोष कुमार प्रजापति, सुलभ जैन, सुनील कुमार साहू, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा , लीलाम्बर सिंह पटेल, सुधेश कुमार वैध ,उपाध्यक्ष हेतु सुरेश दुबे, राकेश यादव , नवीन कुमार सोनी, श्रीमती गुलाब गुप्ता, सचिव पद के लिए राजेश्वर दास वैष्णव, विवेक सागर सिलावट, लखन सोनी, लीलाम्बर सिंह पटेल,सह सचिव हेतु शरद कुमार गुप्ता, रोशनचद्र सनेही (साहू), राकेश यादव, विनय चौधरी ने नामांकन पत्र जमा किए। जबकि कोषाध्यक्ष पद के लिए अनीता पटेल, रूपा श्रीवास्तव, लाइब्रेरियन के लिए अनिल कुमार विश्वकर्मा , स्वतंत्र नेमा, एवं कार्यकारिणी वरिष्ट सदस्य हेतु आर.के. साहू, अनिल कुमार विश्वकर्मा, जितेन्द्र स्वरूप साहू,, रामकुमार पटेल, याकूब खान, श्रीमती गुलाब गुप्ता, कार्यकारिणी कनिष्ट सदस्य के लिए श्रीमती लक्ष्मी नायक, दशरथलाल चौधरी जयंती तिवारी (जया शर्मा), सुमायला खान, राजेन्द्र शर्मा शिवानी, दशरथ मेहरा, प्रियंका पटेल, राजेश श्रीवास्तव, दिनेश वाथरे शामिल हैं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा किया गया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका की नवागत सी.एम.ओ. श्रीमति रितु मेहरा के द्वारा गाडरवारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था का औचक निरिक्षण किया गया। जिसमें गाडरवारा शहर के कामथ वार्ड, शहीद भगत सिंह वार्ड, चावड़ी वार्ड, राजीव वार्ड, एवं शिवाजी वार्ड की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया वार्डों में उपस्थित एवं अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी सत्यापन कर दैनिक डायरी को कंप्लीट करने एवं कामथ वार्ड में अनुपस्थित दो कर्मचारियों के वेतन कटौती के आदेश दिये गये साथ मे दुकान प्रतिष्ठानों घरों के सामने कोई भी बिल्डिंग मटेरियल या निर्माण सामग्री रखने पर उसकी जब्त कर जुर्माने की कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए एवं कचरा वाहनों में वाहन चालकों और हेल्परो को अलग-अलग कचरा संग्रहण करने भी निर्देश दिये एवं नागरिकों से अपील है कि गाडरवारा शहर में घरो एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाला कचरें को गीला-सूखा कचरा अलग अलग डस्टबिन में रखें एवं कचरें को नगर पालिका के द्वारा संचालित कचरा संग्रहण वाहनों में ही डालें। कचरा यहा वहा एवं खुले स्थानों पर न फैंके।

नवीन जेल का होगा निर्माण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला जेल को शहर के बाहर नवीन जेल भवन निर्माण कर शिफ्ट किये जाने के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया कलेक्टर ने कहा कि नवीन जेल भवन के लिए मंडला अनुविभाग की पंचायत बोरिया में जमीन चिन्हांकित की गई है संबंधित भूमि के आवंटन के लिए आज ही आवेदन करें जिससे प्रकरण को होने वाली नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक में लेकर भूमि आवंटन की प्रक्रिया कराई जा सके उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह में भूमि का आवंटन करवाना सुनिश्चित करें ।

हींग बेचने आये मुसाफिर निकले अंतरराज्यीय शातिर चोर

चोरी गये करीबन 3 लाख रूपये कीमती 13 ग्राम सोना,300 ग्राम चाँदी के जेवर हुए बरामद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

ज्ञात हो कि दिनांक 28/06/2026 को गाडरवारा बस स्टेण्ड मे बस से बैग को काटकर सोने चांदी का मशरुका चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपागण के विरूद्ध थाना गाडरवारा में धारा 305(बी) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था । प्रकरण की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुये अज्ञात चोर की गिरफ्तारी एवं संपत्ति बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर लगातार संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ एवं पूछताछ की गई। मुखविर सूचना पर कौडिया रोड गाडरवारा पर संदेहियों की तलाशी लेने पर आरोपीगण से चोरी किये गये सोने का 01 सोने का हार, 01 सोने की अंगुठी,01 चांदी का कमरबंद बरामद किया। तकनीकी साक्ष्य संकलन एवं मुखबिर की सूचना पर अंतरराज्यीय चोरों के गिरोह को

पकडा।

आरोपी: योगेन्द्र पिता उदल सिंह उम्र 35 साल नि. मिर्जापुर जिला हाथरस,(उ.प्र.)सत्तू पिता प्रभूदयाल सिंह उम्र 42 साल नि. मिर्जापुर जिला हाथरस, ,(उ.प्र.)भूपेन्द्र सिंह पिता मोहनलाल सिंह उम्र 27 साल नि. मिर्जापुर जिला हाथरस,(उ.प्र.)

बरामदगी:- चोरी गई सोने के 01 सोने का हार, 01 सोने की अंगुठी,01 चांदी का कमरबंद बरामद किये गये।

वैधानिक कार्यवाही- धारा 305(बी) बी.एन.एस. अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ।

कार्यवाही में सराहनीय भूमिका- उक्त आरोपी की पतारसी एवं मशरूका बरामदगी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक अशोक सिंह चौहान,उप निरीं अंकित रावत, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक रूपेन्द्र चौबे,दिनेश पटैल,सृजल भार्गव,आर्दश पाठक,यश मेहरा,दीपक कौरव, कुमुद पाठक की सराहनीय भूमिका रही है ।

कुठला पुलिस को मिली सफलता, ट्रक जब्त

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा आपराधिक गतिविधियों में अंकुश एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में 09 जुलाई के कुठला पुलिस को चोरी हुए ट्रक को चन्द घण्टो में जप्त करने में सफ्लता प्राप्त हुई है। प्रार्थी यश नामदेव पिता कुंज बिहारी नामदेव उम्र 20 वर्ष निवासी पुरैनी थाना कुठला जिला कटनी की रिपोर्ट पर कि उसका टाटा 709 मिनी ट्रक मोबाइल क्रेन क्रमांक जीजे05बीजेड9174 (कीमत लगभग 13 लाख रुपये) में हेल्पर का काम करता है। 08 जुलाई की रात्रि में चालक प्रकाश साहू के साथ ट्रक को एचपी पेट्रोल पम्प के सामने, पुरैनी रोड किनारे खड़ा किया था अज्ञात व्यक्ति द्वारा रात्रि में चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर थाना कुठला में अपराध क्रमांक 587/26 धारा 305(इ) का पंजीबद्ध कर तत्काल पुलिस टीम गठित कर तलाश प्रारम्भ की गई। तलाश के दौरान वाहन में लगे जीपीएस सिस्टम से ट्रक की लोकेशन ट्रेस करते हुए ग्राम बड़खेरा बिहला मोड़ कच्चा मार्ग पर पुलिस टीम द्वारा जिला जबलपुर से चोरी गए ट्रक को बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। वाहन की पहचान वाहन स्वामी एवं साक्षियों द्वारा की गई। अज्ञात आरोपी की तलाश जारी है। सम्पूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में की गई जिसमें विनोद सिंह, प्रधान आरक्षक अजीत मिश्रा, आरक्षक बुद्धू कुमार, राजू मार्को की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

दिव्यांचल मैरिज गार्डन के सामने स्कूली बच्चों से भरा ऑटो पलटा, कई घायल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर के यातायात और रफ्तार के बीच एक बार फिर स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। दिव्यांचल मैरिज गार्डन के सामने स्कूली बच्चों से भरा एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई।

गनीमत रही कि घटना के वक्त वहां मौजूद स्थानीय राहगीरों और दुकानदारों ने तुरंत तत्परता दिखाई। राहगीरों ने बिना वक्त गंवा, सीधे मौके पर पहुंचकर पलटे हुए ऑटो से बच्चों को बाहर निकाला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में ऑटो सवार 3 से 4 स्कूली बच्चों को चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है। इस हादसे ने एक बार फिर स्थानीय प्रशासन और यातायात विभाग पर सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर क्षमता से अधिक और तेज रफ्तार दौड़ने वाले इन स्कूली ऑटो पर लगाम कब लगेगी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच रही है। **फोटो : विकास गुप्ता**

ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन सृजन पर कांग्रेस का जोर

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कांग्रेस द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन सृजन को लेकर ग्राम स्तर पर समिति अध्यक्ष और मंडलम अध्यक्षों के दौरे पर लगातार चर्चा की जा रही है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर पार्टी को जमीनी स्तर मजबूत बनाए जाने को जोर दिया जा रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह ने गत दिवस जिले के मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों का दौरा कर संगठन सृजन को लेकर ग्राम समिति अध्यक्ष और मंडलम अध्यक्षों की बैठक लेते हुए विस्तार से चर्चा कर ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करने पर बल दिया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह ने मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पिपरोध, जरवाही, पहाड़ी, बड़ा एवं लखापतेरी का दौरा ग्रामीण से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान जिला कांग्रेस महासचिव कल्लूदास बैरागी, अमित सिंह चौहान, ब्रजेश जायसवाल, मनोज सिंह, कमलेश सेन, सुरेश यादव, मैकू आदिवासी, प्रवीण हल्दकार सहित पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खाली मिली कक्षाएं प्राचार्य भी अवकाश पर

स्लीमनाबाद के सांदीपनी विद्यालय के निरीक्षण पर पहुंचे संयुक्त संचालक

कटनी (स्वतंत्रमत)। जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण घनश्याम सोनी के निर्देश पर शासकीय विद्यालयों का एक साथ सघन एवं औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता तथा शिक्षण व्यवस्था का वास्तविक आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान जिन विद्यालयों में अनियमितताएँ पाई गईं, उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। संयुक्त संचालक ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत अधिकांश विद्यार्थी आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों से आते हैं। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य में लापरवाही अथवा कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता बरतने वाले शिक्षक- शिक्षिकाओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। संयुक्त संचालक ने स्वयं कटनी जिले के सांदीपनि विद्यालय स्लीमनाबाद सहित अन्य विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकांश विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाई गई तथा विद्यालय परिसरों में स्वच्छता संतोषजनक नहीं मिली। सांदीपनि विद्यालय स्लीमनाबाद में प्राचार्य अवकाश पर थे तथा कई कक्षाएँ रिक्त मिलीं। कुछ शिक्षक कक्षाओं में अध्यापन करते हुए नहीं पाए गए। विद्यालय में शिक्षकों की दैनिक डायरी उपलब्ध नहीं थी तथा परिसर की साफ-सफाई भी संतोषजनक नहीं पाई गई। संभाग के अन्य जिलों में भी व्यापक स्तर पर निरीक्षण किए गए। छिंदवाड़ा जिले में 55 विद्यालयों, डिंडोरी जिले में 5 विद्यालयों, बालाघाट जिले में 3 विद्यालयों तथा कटनी जिले में 2 विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार सिवनी में 2 निरीक्षण किए गये, अन्य जिलों में भी अधिकारियों द्वारा निर्धारित विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। निरीक्षण के उपरांत जिन विद्यालयों में अनियमितताएँ पाई गईं, उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी ने बताया कि अब प्रतिदिन विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया जाएगा।

चमकी कपूरिया दीदी की किस्मत

मण्डला। कड़कनाथ कुक्कुट पालन योजना और आजीविका मिशन के संयुक्त प्रयास ग्रामीण अंचलों में महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर रहे हैं। जिले के विकासखंड बीजाडांडी अंतर्गत ग्राम बम्होरी की रहने वाली श्रीमती कपूरिया वरकड़े का जीवन कुछ समय पहले तक बेहद संघर्षपूर्ण था। आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पूर्व उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी।

आय का कोई स्थाई साधन न होने के कारण उनके परिवार को अपनी बुनियादी आवश्यकताओं और जीविकोपार्जन के लिए गंभीर आर्थिक तंगहाली और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। श्रीमती कपूरिया दीदी ने ज्योति आजीविका स्व-सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण की।

स्वजातीय स्वर्णकार समाज ने किया मोहनलाल सोनी का सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)। स्वजातीय स्वर्णकार समाज विकास समिति म.प्र./छ.ग. के नवनिर्वाचित प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहन लाल सोनी का कटनी समाज द्वारा सम्मान किया गया। स्वजातीय स्वर्णकार समाज विकास समिति मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ का प्रांतीय चुनाव 28 जून 2026 दिन रविवार को सतना में संपन्न हुआ जिसमें कटनी जिला से स्वजातीय स्वर्णकार समाज के तीन प्रत्याशियों ने विजय श्री प्राप्त किया। मोहन लाल सोनी प्रदेश कोषाध्यक्ष के पद पर, नारायण सोनी (तेवरी), एवं वीरेंद्र सोनी (कैमोर) प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के पद पर निर्वाचित हुए। वेलफेयर स्वजातीय स्वर्णकार समाज सेवा इकाई जिला कटनी द्वारा 09 जुलाई दिन गुरुवार को सुरेश सोनी के राहुल बाग स्थित निज निवास पर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शाल श्रीफल एवं पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज जनों द्वारा संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ भविष्य के कार्य योजना पर मंथन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ संरक्षक एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुरेश सोनी, युवा अध्यक्ष मिथलेश सोनी, पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश सोनी, संरक्षक प्रहलाद सोनी, सुरेश प्रसाद सोनी, प्रभुदयाल सोनी, उमाशंकर सोनी कैमोर, राजकुमार सोनी कैमोर, भगवानदास सोनी, धनीराम सोनी, सुशील सोनी, भरत लाल सोनी, प्रशांत सोनी, अशोक सोनी, विजय सोनी, सत्येंद्र सोनी, उमाकांत कंछेदी सोनी, प्रमोद सोनी, जितेंद्र सोनी, राजेंद्र सोनी गुड्डा, सुनील सोनी, रामजी सोनी, अजय सोनी अज्जू सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, युवा साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी लोगों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ एवं फूल मालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया। सभी उपस्थित समाज जनों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुये उनके सफल कार्यकाल हेतु मंगलकामना की।

खुले बिजली तारों से हादसे का खतरा, अनदेखी पर उठे सवाल

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के गायत्री नगर स्थित अंबेडकर वार्ड की गुमान सिंह गली में स्ट्रीट लाइट के एक खंभे से निकली खुली बिजली की तारें स्थानीय लोगों के लिए खतरे का कारण बनी हुई हैं। मानसून के दौरान लगातार हो रही बारिश के बीच खुले विद्युत तारों से करंट फैलने की आशंका ने क्षेत्रवासियों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खंभे में लंबे समय से बिजली की तारें खुली हुई हैं। क्षेत्र में नगर निगम के कर्मचारी, वार्ड दरोगा और स्ट्रीट लाइट का रखरखाव करने वाला अमला नियमित रूप से आता-जाता है, लेकिन अब तक इस गंभीर समस्या को दूर नहीं किया गया है। लोगों का यह भी कहना है कि पूर्व में भी इस मामले की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाई गई थी, इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। जिस स्थान पर यह खंभा लगा है, वहां एक जनरल स्टोर संचालित होता है, जहां पूरे दिन लोगों की आवाजाही रहती है। आसपास बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का भी लगातार आवागमन रहता है।

इनर व्हील क्लब ने बांटी छतरी

मण्डला। सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए इनर व्हील क्लब की महिलाओं ने महाराजपुर स्थित ज्वाला जी वार्ड की एक पाठशाला में अध्ययनरत जरूरतमंद बच्चों के बीच छतरी वितरण किया बारिश के मौसम में बच्चों को सुरक्षित रूप से विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिले इसी उद्देश्य से लगभग 20 छात्र-छात्राओं को छतरियां प्रदान की गईं कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष अनीता गोयल ने कहा कि बच्चों की शिक्षा के साथ उनकी सुरक्षा भी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बारिश के दौरान कई बच्चे भीगकर विद्यालय पहुंचते हैं जिससे उनके बीमार होने की आशंका बनी रहती है इसी सोच के साथ क्लब ने यह पहल की ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से घर से विद्यालय आएं ।

पेंशन और सेवा संबंधी लंबित मामलों के समाधान के लिए निगम की विशेष पहल

एक ही छत के नीचे सुनी जाएंगी कर्मचारियों और पेंशनरों की समस्याएं, त्वरित निराकरण पर रहेगा फोकस

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर निगम प्रशासन ने कार्यरत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित पेंशन और सेवा संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष पहल करते हुए शुक्रवार 10 जुलाई को समस्या निवारण शिविर आयोजित किया है। निगम कार्यालय के कक्ष क्रमांक-44 में सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस शिविर में विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों का एक ही स्थान पर निराकरण किया जाएगा। शिविर में निगमायुक्त तपस्या परिहार स्वयं मौजूद रहकर पेंशन, परिवार कल्याण निधि, ईपीएफ, ईएसआईसी, जीपीएफ, एनपीएस, यूएएन सहित सेवा संबंधी अन्य प्रकरणों की सुनवाई करेंगी। आवश्यकता अनुसार संबंधित शाखाओं से समन्वय स्थापित कर मामलों के त्वरित निराकरण की कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरता और जवाबदेही के साथ निराकरण किया जाए तथा किसी भी पात्र कर्मचारी या पेंशनर को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। इसके लिए विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी भी निर्धारित कर दी गई है, जो आवेदन पंजीयन से लेकर प्रकरणों की मॉनिटरिंग और निराकरण तक की प्रक्रिया संभालेंगे।

नगर निगम प्रशासन ने सभी कार्यरत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपनी लंबित पेंशन एवं सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान कराएं।

खबर के बाद जागा नगर परिषद प्रशासन

नालियों की कराई सफाई, चलाया स्वच्छता अभियान

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर परिषद क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन द्वारा मुख्य मार्ग के सुधार हेतु हाईकोर्ट निर्देशन में अतिक्रमण हटाकर नगर को स्वच्छता से एक कदम आगे की कार्यवाही की गई किंतु बरसात आरंभ हो जाने के कारण घरों को मलमा सड़कों एवं नालियों में समा गया, जिसके कारण आमजनों के सामने भारी समस्याएं हो गई। धीरे-धीरे विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत आजाद चौक से लेकर अंधा मोड़ संकटमोचन चौक तक मुख्य मार्ग की नालियों का युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाकर नालियों का गंदा कचरा मलमा निकालकर वर्षा का पानी निकासी के लिए प्रयास किया जा रहा है, ताकि लोगों की घर में नालियों का गंदा पानी ना घुस सके। सफाई दरोगा नवीन कुमार ओमलिक ने बताया की स्थानीय प्रशासन के निर्देशन में स्वच्छता प्रभारी के उपस्थिति में नगर के मुख्य मार्ग की नालियां युद्ध स्तर से साफ कराई जा रही है ताकि वर्षा का पानी की निकासी सुविधा अनुसार हो सके। नगर परिषद अध्यक्ष एवं सीएमओ द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है की नगर को स्वच्छ बनाने में परिषद का सहयोग करते हुए अपने-अपने मकान का मलमा अलग करने की शीघ्र व्यवस्था करें। ताकि बरसात का पानी नालियों के माध्यम से सुविधा अनुसार निकासी हो सके।

अग्रिम संपत्तिकर जमा करने पर छूट

करदाताओं को राहत के साथ निगम ने तेज की वसूली, वार्ड स्तर पर अधिकारियों को दिए गए लक्ष्य

कटनी (स्वतंत्रमत)। वित्तीय वर्ष 2026-27 के संपत्तिकर की वसूली में तेजी लाने के लिए विशेष राजस्व वसूली शिविर आयोजित किए गए। शिविर के माध्यम से नागरिकों को अग्रिम संपत्तिकर जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। शासन के प्रावधानों के अनुसार अग्रिम संपत्तिकर जमा करने वाले करदाताओं को 5 प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ मिलेगा। संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल के निर्देशों के तहत आयोजित इस अभियान को लेकर निगमायुक्त तपस्या परिहार ने राजस्व अमले को सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक ने सहायक राजस्व अधिकारियों, राजस्व उपनिरीक्षकों एवं वार्ड वसूली कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में करदाताओं से संपर्क कर अग्रिम कर भुगतान के लिए प्रेरित करने के निर्देश जारी किए हैं। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राजस्व वसूली अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अधिकतम कर संग्रह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम ने शहर के संपत्ति करदाताओं से अपील की है कि वे शासन द्वारा दी जा रही 5 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाते हुए समय पर अग्रिम संपत्तिकर जमा करें और विशेष राजस्व वसूली शिविर का लाभ प्राप्त करें।

सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड मालवाहक ट्रैफिक व्यवस्था पर उठे सवाल

नियमों की अनदेखी का आरोप, नागरिक बोले- कार्रवाई के अभाव में बढ़ रहा हादसों का खतरा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर और जिले की सड़कों पर क्षमता से अधिक माल लादकर चल रहे मालवाहक वाहनों को लेकर नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि कई वाहन खुलेआम ओवरलोड होकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे न केवल यातायात नियमों की अनदेखी हो रही है बल्कि सड़क हादसों का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई मालवाहक वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक सामान लेकर मुख्य मार्गों और व्यस्त क्षेत्रों से गुजरते हैं। इससे वाहन असंतुलित होने का खतरा बना रहता है और अन्य वाहन चालकों तथा राहगीरों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। नागरिकों का कहना है कि यातायात नियमों का पालन आम वाहन चालकों से तो सख्ती से कराया जाता है, लेकिन ओवरलोड वाहनों के मामले में अपेक्षित कार्रवाई दिखाई नहीं देती। लोगों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि ऐसे वाहनों की नियमित जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए। समय रहते ओवरलोड वाहनों पर सख्ती नहीं की गई तो भविष्य में गंभीर सड़क दुर्घटनाओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने संबंधित विभागों से अभियान चलाकर ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिक्षक प्रतिनिधि मंडल ने जिला शिक्षाधिकारी सचिदानंद पांडे से सौजन्य मुलाकात की

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले के शिक्षक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाशिक्षाधिकारी सचिदानंद पांडे से सौजन्य मुलाकात की। शासकीय शिक्षक संगठन के जिला महामंत्री अरुण सिंह परिहार ने जानकारी दी कि मुलाकात के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने जिले में पदोन्नति, क्रमोन्नति सहित अनेक शिक्षक हितैषी मुद्दों पर चर्चा की।

प्रतिनिधि मंडल में राज्य कर्मचारी संघ के संभागीय कोषाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, शासकीय शिक्षक संगठन के जिलाध्यक्ष रजनीश तिवारी, प्रांतीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल परौहा, राज्य शिक्षक कांग्रेस के कार्य. जिलाध्यक्ष बालमुकुंद त्रिपाठी शामिल रहे।

लॉर्ड्स टेस्ट में स्मृति मंधाना की फिफ्टी

300वां इंटरनेशनल मैच खेल रहीं, लंच तक इंग्लैंड के खिलाफ भारत 122/3

लंदन। लॉर्ड्स में खेले जा रहे पहले महिला टेस्ट में भारत ने मजबूत शुरुआत की। पहले दिन लंच तक टीम ने 25 ओवर में 3 विकेट पर 122 रन बना लिए। 300वां इंटरनेशनल मैच खेल रहीं स्मृति मंधाना 67 गेंदों पर 56 रन बनाकर नाबाद लौटीं। उनके साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर 14 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी।

भारत की शुरुआत खराब रही। शेफाली वर्मा दूसरे ओवर में बिना खाता खोले लॉरेन फिलर की बॉल पर आउट हुईं। इसके बाद यस्तिका भाटिया भी 12 रन बनाकर लॉरेन बेल की गेंद पर बोल्ड हो गईं। 37 रन पर दो विकेट गिरने के बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़कर पारी को संभाला। जेमिमा 38 गेंदों पर 35 रन बनाकर इजी वॉन्ग की गेंद पर बोल्ड हुईं।

मंधाना ने बनाया रिकॉर्ड

29 साल की स्मृति मंधाना ने अपने करियर का 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाली भारत की तीसरी और दुनिया की 12वीं महिला क्रिकेटर बनीं। साथ ही, सबसे कम उम्र में 300 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी भी बन गईं। उन्होंने लंच तक 56 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। यह लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के 142 साल के इतिहास का पहला महिला टेस्ट मैच है। भारत और इंग्लैंड के बीच यह 16वां महिला टेस्ट है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 15 टेस्ट में भारत ने 3 और इंग्लैंड ने 1 मैच जीता, जबकि 11 मुकाबले ड्रॉ रहे। इंग्लैंड की ओपनर टैमी ब्यूमोंट का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच है। 35 साल की ब्यूमोंट 17 साल के करियर के बाद संन्यास ले रही हैं। उन्होंने 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इंग्लैंड के लिए महिला वनडे में सबसे ज्यादा 12 शतक लगाए हैं।

टीम में मयंक यादव की वापसी पर उठ रहे सवाल

मुम्बई। इसी महीने तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को जिम्बाब्वे दौरे पर जाना है। इसके लिए टीम में तेज गेंदबाज मयंक यादव की वापसी हुई है। मयंक की करीब 21 महीने बाद वापसी हो रही है जबकि उन्होंने पिछले कुछ समय में काफी कम क्रिकेट खेला है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि मयंक यादव को किसी आधार पर टीम में जगह मिली है। मयंक आईपीएल के 2024 सत्र में अपनी तेज तर्रार गेंदबाजी के कारण रातों-रात छा गये थे। तब उन्होंने 155.8 किमी/घंटे की रफ्तार से सबसे तेज गेंदें फेंकी थी जिनका सामना करना दिग्गज बल्लेबाजों के लिए भी कठिन हो गया था पर कुछ ही मैचों के बाद वह चोटिल होकर सत्र से ही बाहर हो गये थे जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ। वहीं आईपीएल के 2025 सत्र में भी वह फिटनेस को लेकर जूझते रहे जिससे उनकी गेंदबाजी प्रभावित हुई। आईपीएल के 2026 में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये इस दौरान उनकी रफ्तार भी पहले जैसी नहीं रही। आईपीएल 2026 में मयंक की बात करें तो वह लखनऊ की तरफ से सिर्फ 4 मैच में मैच में मैदान पर उतरे। वह पूरे सीजन में चोट से जूझते रहे। उन्होंने जो चार मैच खेले उसमें उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। केवल इतना ही नहीं, विकेट नहीं मिलने के साथ-साथ वह काफी महंगे भी रहे। ऐसे में अगर मयंक को इस प्रदर्शन पर भी टीम में जगह मिली है तो साफ है कि चयनकर्ता उनकी रफ्तार से प्रभावित हैं। इसके अलावा मयंक को टीम में वापसी के पीछे का एक बड़ा कारण ये भी हो सकता है कि हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में शामिल नहीं किया गया है। इसके पीछे कोई ठोस कारण भी नहीं बताया है पर कहा जा रहा है कि इन तीनो को ही कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है।

फ्रांस लगातार तीसरे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में पहुंचा

मोरक्को को 2-0 से हराया, एम्बाप्पे ने मेसी की बराबरी की, दोनों के 8-8 गोल

लॉस एंजिल्स। फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले टीम 2018 और 2022 के फाइनल में पहुंची थी। पहले हाफ में पेनल्टी चूकने वाले कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दूसरे हाफ के 60वें मिनट में गोल दागा। इसके 6 मिनट बाद उस्मान डेम्बेले ने दूसरा गोल कर फ्रांस की जीत पक्की कर दी। अब फ्रांस का सामना सेमीफाइनल में स्पेन और बेल्जियम के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। एम्बाप्पे के इस टूर्नामेंट में 8 गोल हो गए हैं। उन्होंने अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है। हालांकि, 3 असिस्ट की बदौलत एम्बाप्पे गोल्डन बूट की दौड़ में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि मेसी के नाम 8 गोल और 1 असिस्ट है। सभी वर्ल्ड कप मिलाकर एम्बाप्पे अब 20 गोल कर चुके हैं। उनसे आगे सिर्फ मेसी हैं, जिनके नाम 21 गोल दर्ज हैं। वहीं, मोरक्को की हार के साथ टूर्नामेंट में अफ्रीका की आखिरी टीम भी बाहर हो गई।

पहले हाफ में गोल नहीं हुआ

फ्रांस ने शुरुआत से ही मोरक्को पर दबाव बना दिया। 5वें मिनट में एम्बाप्पे के शॉट को गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाया। इसके बाद दायो उपामेकानो का हेडर भी बूनू ने रोक दिया। उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए और माइकल ओलीसे ने भी लगातार शॉट मारे, लेकिन मोरक्को के डिफेंडर्स और गोलकीपर ने फ्रांस को बढ़त नहीं लेने दी। 26वें मिनट में नौसैर मजराउई ने बॉक्स के अंदर एम्बाप्पे को गिरा दिया और फ्रांस को पेनल्टी मिली।

एम्बाप्पे पेनल्टी पर चूके

एम्बाप्पे का शॉट बूनू ने सही दिशा में डाइव लगाकर रोक दिया। इसी वजह से पहले हाफ तक मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा। ब्रेक के बाद फ्रांस ने अटैकिंग गेम जारी रखा और 60वें मिनट में एम्बाप्पे ने बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गोल कर दिया। बूनू इस बार पूरी कोशिश के बावजूद गेंद तक नहीं पहुंच सके। इसके सिर्फ छह मिनट बाद फ्रांस ने बढ़त दोगुनी कर दी। डेम्बेले ने बॉक्स के बाहर से सटीक शॉट लगाया। बूनू ने हाथ लगाया, लेकिन गेंद को गोललाइन पार करने से नहीं रोक सके।

शायद ही कोई तोड़ पाये गांगुली के नाम दर्ज अनूठे कीर्तिमान

कोलकाता।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के नाम कई रिकार्ड हैं पर एक ऐसा रिकार्ड उनके नाम है जो शायद ही कभी टूटे। यह रिकॉर्ड है उनके टेस्ट डेब्यू में शतक लगने के बाद अंतिम टेस्ट मैच की आखिरी पारी में गोल्डन डक (पारी की पहली ही गेंद पर आउट होने का)। इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में गांगुली एकमात्र ऐसे खिलाड़ी बन गये हैं जिनके नाम यह अनूठा और शायद कभी न टूटने वाला कीर्तिमान दर्ज है।

गांगुली के इस रिकॉर्ड को 'असंभव' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि हर क्रिकेटर अपने करियर की शुरुआत धमाकेदार तरीके से करना चाहता है। पहले ही मैच में शतक जड़ना या पांच विकेट लेना, किसी भी खिलाड़ी का सपना होता है। ठीक वैसे ही जैसे गांगुली ने लॉर्ड्स में अपने टेस्ट डेब्यू में शतक लगाकर अपने आगमन का बिगुल बजाया था पर इसके विपरीत, कोई भी खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम मैच, खासकर अंतिम पारी में गोल्डन डक नहीं होना चाहेगा। यह स्थिति आकस्मिक और अनचाही होती है। इन दोनों ध्रुवीय विपरीत घटनाओं का एक ही खिलाड़ी के करियर में घटित होना, और वह भी करियर की शुरुआत और अंत में, इसे लगभग असंभव बना देता है। यह संयोग किसी खिलाड़ी द्वारा जानबूझकर दोहराया जाना तो दूर, आकस्मिक रूप से भी घटित हो पाना लगभग संभव नजर नहीं आता है। गांगुली का करियर उपलब्धियों और अनूठे पलों से भरा पड़ा है पर उनका यह डेब्यू शतक और अंतिम पारी गोल्डन डक का रिकॉर्ड एक ऐसा कीर्तिमान है, जो उनके करियर की विशिष्टता को रेखांकित करता हालांकि, सौरव गांगुली का करियर सिर्फ इस अनोखे रिकॉर्ड तक ही सीमित नहीं है। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में उन्हें सबसे प्रभावशाली कप्तानों में से एक माना जाता है, जिन्होंने टीम को 2000 के दशक के मुश्किल दौर से निकाला और उसे एक आक्रामक व जीतने वाली टीम में बदला। दादा के नाम से मशहूर गांगुली ने अपने नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं।

मोइन और आर्चर बोले, आईपीएल के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम से खराब हुई भारतीय टीम की बल्लेबाजी

लंदन। इंग्लैंड दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद एक बार फिर भारतीय टीम की बल्लेबाजी सवालों के घेरे में है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी को काफी मजबूत माना जाता है पर जिस प्रकार से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय बल्लेबाज एक के बाद एक असफल हुए हैं, उससे सभी हैरान है। इससे पहले कमजोर टीम आयरलैंड के खिलाफ भी भारतीय बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे थे। इसी को लेकर अब इंग्लैंड के स्पिनर मोइन अली और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने प्रकाश डाला है। मोइन के अनुसार आईपीएल के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के कारण भारतीय टीम की बल्लेबाजी खराब हुई है। इससे वे हालात के अनुबार बल्लेबाजी भूलकर आते ही बड़े शॉट खेलने का प्रयास करने लगते हैं जबकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट आईपीएल से काफी अलग होता है।

इससे पहले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी कहा था कि आईपीएल और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियां अलग होती हैं। वहीं अब मोइन अली ने सीधे तौर पर आईपीएल के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को भारतीय बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का कारण बताया है। आर्चर ने कहा था कि इंग्लैंड में 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होता, जबकि आईपीएल में कभी-कभी 200 रन भी सुरक्षित महसूस नहीं होते। उन्होंने कहा कि भारतीय हालातों की तुलना इंग्लैंड से नहीं की जा सकती। आर्चर ने यहां के चुनौतीपूर्ण विकेट और लंबी बाउंड्री पर जोर देते हुए कहा था कि आईपीएल में आसान विकेट और छोटी बाउंड्री के कारण बल्लेबाजों को ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है, वहीं इंग्लैंड में अच्छी लेंथ पर सीधी गेंदें फेंकने का महत्व बढ़ जाता है। यह अंतर भारतीय बल्लेबाजों के इंग्लैंड में असफल होने का कारण है।

वैश्विक तेजी और आईटी शेयरों के दम पर भारतीय बाजार में उछाल

सेंसेक्स 77,400 और निफ्टी 24,150 के पार

मुंबई। वैश्विक शेयर बाजारों से मिले मजबूत संकेतों और चिप सेक्टर में आई तेजी के बलबूते शुक्रवार को घरेलू बाजार ने शानदार आगाज किया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। कारोबार शुरू होते ही भारतीय शेयर बाजार में भारी लिवाली देखने को मिली। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 750 अंकों से अधिक की बड़ी उछाल के साथ खुला, वहीं एनएसई का निफ्टी 24,150 के स्तर के पार निकल गया। शुरुआती कारोबार में इन दोनों प्रमुख सूचकांकों ने 0.85 प्रतिशत तक की बढ़त हासिल की। इस तेजी को सबसे ज्यादा बल आईटी इंडेक्स से मिला, जिसमें बाजार खुलते ही दो प्रतिशत की शानदार बढ़त देखी गई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 701.73 अंक की बढ़त के साथ 77,443.55 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी50 भी 200.85 अंक की छलांग लगाकर 24,162.25 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार की इस तेजी में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों ने अहम भूमिका निभाई। टेक महिंद्रा, एचसीएलटेक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जैसे दिग्गजों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिससे वे निफ्टी50 के शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शुमार रहे। इसके अलावा एशियाई बाजारों में भी जोरदार खरीदारी का माहौल रहा, जिसने घरेलू बाजार को और बल दिया।

क्रिप्टो पर फिर प्रतिबंध का साया आरबीआई और सरकारी एजेंसियां सख्त

वित्तीय स्थिरता की बढ़ती चिंताएं, करोड़ों भारतीय ट्रेडर्स पर असर

नई दिल्ली। भारत में क्रिप्टोकरेंसी का भविष्य एक बार फिर अनिश्चितता के घेरे में आ गया है। सरकारी दस्तावेजों से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक बार फिर आभासी डिजिटल संपत्तियों पर पूर्ण प्रतिबंध की ओर अपना झुकाव दिखा रहा है। वहीं कर विभाग ने विदेशी एक्सचेंजों के माध्यम से होने वाली ट्रेडिंग पर निगरानी रखने में आने वाली गंभीर चुनौतियों पर प्रकाश डाला है। यह ताजा घटनाक्रम संकेत देता है कि प्रमुख सरकारी एजेंसियां देश में क्रिप्टोकरेंसी पर कड़े प्रतिबंध लगाने के पक्ष में मजबूती से खड़ी हैं, भले ही सरकार ने अब तक कोई औपचारिक नीति नहीं अपनाई है। देश में क्रिप्टोकरेंसी नीतिगत अस्पष्टता का शिकार रही है। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरबीआई के प्रतिबंध को रद्द किए जाने के बाद से, निजी क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से 2021 का मसौदा कानून कभी संसद में पेश नहीं हो सका और न ही इस पर चर्चा पत्र जारी किया गया। सरकार ने हमेशा नवाचार को जोखिम प्रबंधन, मौद्रिक संप्रभुता और वित्तीय स्थिरता के साथ संतुलित करने और उपभोक्ताओं को नुकसान से बचाने की बात कही है।

हालांकि, सितंबर में वित्त मंत्रालय ने सीमित नियामक स्पष्टता का समर्थन किया था, लेकिन मौजूदा दस्तावेज यह बताते हैं कि शीर्ष अधिकारी देश की वित्तीय स्थिरता के लिए बढ़ते जोखिमों को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं, क्योंकि बिना स्पष्ट नियमों के क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार धड़ल्ले से जारी है। इन नीतिगत अनिश्चितताओं के बावजूद, कर विभाग के अनुमानों के अनुसार भारत में लगभग 3.9 करोड़ क्रिप्टो ट्रेडर्स सक्रिय हैं, जिनके पास मई के अंत तक लगभग 2.1 अरब डॉलर की डिजिटल संपत्तियां थीं। वैश्विक स्तर पर जहां अमेरिका, जापान और सिंगापुर जैसे देश क्रिप्टोकरेंसी को नियमन के दायरे में ला रहे हैं, वहीं चीन ने इन टोकन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। आरबीआई और वित्त मंत्रालय ने इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन नवीनतम दस्तावेज़ों से उभरती तस्वीर यह स्पष्ट करती है कि भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक निर्णायक और संभवत: प्रतिबंधात्मक नीति की घोषणा जल्द हो सकती है, जिससे देश के लाखों क्रिप्टो निवेशकों पर गहरा असर पड़ने की संभावना है।

जियोफाइनेंस ने फिर शुरू की आयकर फाइलिंग-प्लानिंग सुविधा

मुंबई। टैक्स फाइलिंग सीजन के दौरान जियोफाइनेंस ने अपनी आयकर फाइलिंग और कर प्लानिंग सुविधा फिर से शुरू करने की शुक्रवार को घोषणा की है जिसमें उपयोग करने वालों को जियोस्वॉइंट्स का लाभ भी मिलेगा।कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि वह यह सुविधा टैक्सबडी (एसएसबीए इनोवेशंस) के साथ साझेदारी में दी जा रही है, जो सरकार द्वारा पंजीकृत ई-रिटर्न इंटरमीडियरी (ई-रिटर्न माध्यम) है। इस मॉड्यूल में क्रमबद्ध दिशानिर्देश, कर नियमों का पालन सुनिश्चित करने वाले टूल, मजबूत टैक्स प्लानर और विशेष की सलाह जैसी सुविधाएं मिलती हैं। जियोफाइनेंस प्लेटफॉर्म एंड सर्विस लिमिटेड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरभि एस शर्मा ने कहा कि, हमारे आसान और किफायती टैक्स फाइलिंग मॉड्यूल के जरिए हम आईटीआर फाइल करने की पारंपरिक परेशानियों और ज्यादा खर्च को कम कर रहे हैं जियोपॉइंट्स रिवॉर्ड्स और मजबूत प्राइवेसी व डेटा सुरक्षा व्यवस्था के साथ हम उपयोगकर्ताओं को ऐसी सुविधा दे रहे हैं, जो न सिर्फ तेज और आसान है, बल्कि पूरी तरह सुरक्षित और फायदेमंद भी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिर्फ 24 रुपये से शुरू होने वाले सेल्फ-सर्विस विकल्प के साथ यह प्लेटफॉर्म पूरी तरह डिजिटलीकृत और उपयोग में सुविधाजनक है इसके जरिए बिना किसी कागजी कार्रवाई के आसानी से आयकर रिटर्न भरा जा सकता है साथ ही पूरे वित्त वर्ष की च्कर भरने की योजना बनायी जा सकती है।

सोना 410 रुपए हुआ सस्ता चांदी 477 रुपए चढ़ी

सोना 1,44,890 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,26,368 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली।

मध्य पूर्व में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति को लेकर बनी अनिश्चितता के चलते निवेशकों ने शुक्रवार को सतर्कता बरती। इसी का असर सोने-चांदी के कारोबार में मिलाजुले रुझानों के रूप में देखा गया, जहां सोना नरमी के साथ खुला, वहीं चांदी ने शुरुआती सुस्ती के बाद तेजी दर्ज की। अंतराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,135 डॉलर प्रति औंस के करीब फिसल गया, जबकि चांदी 60.75 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। भारतीय वायदा बाजार एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने तक सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,42,900 रुपये पर, जबकि चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,26,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 410 रुपये की गिरावट के साथ 1,44,890 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,45,300 रुपये था। दिन के कारोबार में यह 384 रुपये की गिरावट के साथ 1,44,916 रुपये पर कारोबार करता रहा। इसने 1,45,061 रुपये का उच्च और 1,44,860 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। इसके विपरीत एमसीएक्स पर चांदी के सितंबर कॉन्ट्रैक्ट ने शुरुआती सुस्ती के बाद मजबूती दिखाई। यह 11 रुपये की गिरावट के साथ 2,26,368 रुपये पर खुला, लेकिन बाद में 477 रुपये की बढ़त के साथ 2,26,854 रुपये पर कारोबार करने लगा। पिछला बंद भाव 2,26,377 रुपये था। दिन के दौरान इसने 2,26,960 रुपये का उच्चतम और 2,25,871 रुपये का न्यूनतम स्तर देखा। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलो का सर्वोच्च स्तर छुआ है। कॉमेक्स पर भी सोने में नरमी बनी रही, यह 4,135.40 डॉलर प्रति औंस पर खुला और 5.70 डॉलर की गिरावट के साथ 4,135.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता रहा।

टीवीएस अपाचे 70 लाख से ज्यादा लोगों की पसंदीदा, बनी वैश्विक आइकन

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी लोकप्रिय परफॉर्मेंस मोटरसाइकिल सीरीज टीवीएस अपाचे के साथ नया कीर्तिमान रचा है। इस ब्रांड ने वैश्विक स्तर पर 70 लाख (7 मिलियन) से अधिक यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। साल 2005 में अपनी शुरुआत के बाद से, टीवीएस अपाचे ने दुनिया के 90 से अधिक देशों में अपनी धाक जमाई है। इस ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाने के लिए टीवीएस ने तू रेस लगा नामक एक नया कैंपेन लॉन्च किया है, जो अपाचे की खास ट्रैक टू रोड भावना को जीवंत करता है। टीवीएस का कहना है कि अपाचे ने हमेशा ग्राहकों को रेसिंग तकनीक का अनुभव कराया है। अपाचे ने सेगमेंट में रोटो-पेटल डिस्क ब्रेक, फ्यूल इंजेक्शन, ड्यूल-चैनल एबीएस और मल्टीपल राइड मोड्स जैसे कई फीचर्स पहली बार पेश किए।

खनिज तेल-गैस स्रोतों के दोहन से बनेगा विकसित भारत

नयी दिल्ली। वेदांता समूह ने घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि कंपनी दैनिक पांच लाख बैरल खनिज तेल या उसके समतुल्य गैस के उत्पादन के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है।कंपनी का कहना है कि भारत अपने यहां उपलब्ध 300 अरब बैरल तेल/ गैस का जिम्मेदारीपूर्वक दोहन कर आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम कर सकता है।वैश्विक ऊर्जा स्वाधीनता दिवस अवसर के उपलक्ष्य में एक बयान में खनन क्षेत्र के दिग्गज वेदांता समूह ने कहा है कि दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए उद्योग, उद्यमियों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच मजबूत साझेदारी आवश्यक होगी।वेदांता का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्ण दोहन न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि रोजगार सृजन, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम करने में भी अहम भूमिका निभाएगा।भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते ऊर्जा बाजारों में शामिल है, लेकिन इसके बावजूद देश अपनी तेल और गैस की जरूरतों के लिए लगभग 90 प्रतिशत आयात पर निर्भर है तथा वैश्विक आपूर्ति बाधाओं और अंतराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता रहता है।कंपनी का मानना है कि घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस की खोज और उत्पादन को तेज़ कर ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता भारत के लिए एक रणनीतिक आर्थिक आवश्यकता है।देश के भीतर उत्पादित तेल और गैस का प्रत्येक बैरल हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, आयात पर निर्भरता कम करता है और राष्ट्र की ताकत बढ़ाता है।

भारत के पास प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, विश्वस्तरीय तकनीकी प्रतिभा और उद्यमशीलता की क्षमता है।दुनिया के लगभग 10 प्रतिशत तेल और गैस पेशेवर भारतीय हैं और यह प्रतिभा, हमारे विशाल संसाधन आधार के साथ मिलकर, भारत के ऊर्जा भविष्य को बदलने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।यदि हम अपने हाइड्रोकार्बन संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक दोहन करें, तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और विकसित भारत की दिशा में एक शक्तिशाली प्रेरक शक्ति बन सकती है।

अतिथि विद्वानों के हित में आवश्यक संभव कदम उठाये जाएंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन में हुआ अभिनंदन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि हम पूरी वसुधा को अपना कुटुंब समझते हैं। हम सबके कल्याण की कामना करते हैं। सदियों से गुरूकुल शिक्षा पद्धति हमारी पहचान रही है। गुरू-शिष्य परम्परा से हमारी कई पीढ़ियां शिक्षित-दीक्षित, पोषित और पल्लवित हुई हैं। हमारे महाविद्यालय उसी परम्परा के प्रतीक हैं। इनमें शिक्षा देने वाले अतिथि विद्वान युवा पीढ़ी का भविष्य संवारने वाले पावन मंदिर के पुजारी हैं, जो अनेक युवाओं के जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं। अतिथि विद्वानों के परिश्रम का सम्मान करते हुए राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि अतिथि विद्वानों की सभी मांगों पर विचार करने के लिए सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। इस समिति की अनुशंसाएं आना अभी शेष है। समिति की अनुशंसाएं प्राप्त होते ही सरकार उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों के हित में आवश्यक संभव कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन को

संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालयों में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों द्वारा इनके हित में कई नवाचारी एवं सम्मानपूर्ण निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय अभिनदंन किया गया। अतिथि विद्वानों ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर एवं तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत किया।

शून्य पर आई मप्र की ड्रॉप आउट दर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिथि विद्वान हमारे परिवार के सदस्य हैं। इनके कल्याण के लिए हम हमेशा से प्रतिबद्ध हैं। अतिथि विद्वानों के कल्याण के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति देश के दूसरे राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का भी अध्ययन करेगी और मध्यप्रदेश में सबसे बेहतर मॉडल वाली व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के हर जिले में एक-एक पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज खोले हैं। खरगौन, गुना और सागर में नए शासकीय विश्वविद्यालयों की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। बेहतर स्कूल शिक्षा के लिए राज्य में सांदीपनि विद्यालय शुरू किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले राज्य के सकल पंजीयन दर और राष्ट्रीय दर में बड़ा अंतर था, परंतु आज प्रदेश का सकल पंजीयन दर (जीईआर) राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर हो गई है। स्कूल शिक्षा में भी मध्यप्रदेश की ड्रॉप आउट दर शून्य पर आ गई है।

अतिथि विद्वानों को कॉलेज चुनने की सुविधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू है। अब केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि इससे आगे बढ़कर सोचने की आवश्यकता है। वर्तमान दौर में नई संभावनाएं, नवाचार, संवेदनाएं और नैतिक मूल्यों के आधार पर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को आगे लेकर जाने की जरूरत है। भारत दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र है और इसमें भी मध्यप्रदेश सबसे युवा आबादी वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अतिथि विद्वानों के लिए 13 आकस्मिक और 3 ऐच्छिक अवकाश देने की व्यवस्था की है। इसके साथ ही महिला अतिथि विद्वानों के लिए प्रसूति अवकाश भी सुनिश्चित किया गया है। अतिथि विद्वानों को उनके घर के पास ही कॉलेज चुनने की सुविधा भी दी गई थी। साथ ही मप्र लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में अतिथि विद्वानों के लिए 25 प्रतिशत पद आरक्षित करते हुए इन्हें आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट भी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2022 में 117 और वर्ष 2024 में 48 अतिथि विद्वान सहायक प्राध्यापक के शासकीय नियमित पद पर नियुक्ति प्राप्त कर चुके हैं।

समग्र विकास के लिए कटिबद्ध प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिथि विद्वानों के हित में अग्रणी भारतीय मजदूर संघ की सराहना करते हुए कहा कि इस संघ ने हमेशा सच्चाई और अच्छाई के लिए अपनी महती भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कई प्रकार की चुनौतियों के बीच पारदर्शी और संवेदनशील सोच से निरंतर आगे बढ़ रही है।

हम मध्यप्रदेश के समग्र विकास के लिए कटिबद्ध हैं। सभी क्षेत्रों में हर वर्ग के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। सरकार का काम तमाम बाधाओं को दूर करते हुए असरदार तरीके से होना चाहिए। हमारी सरकार ने शासकीय कामकाज को और भी जनहितैषी एवं असरकारी बनाया है। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ ने देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम के राष्ट्रहितैषी नारे के साथ सदैव मजदूर वर्ग की आवाज बुलंद की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अतिथि विद्वानों के हित में 5 बड़े निर्णय लेकर इनके हितों की रक्षा की गई है। सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में अतिथि विद्वानों को 25 प्रतिशत पदों पर आरक्षण हम दे रहे हैं। अतिथि विद्वानों को वर्ष में एक बार स्थान परिवर्तन करने और फॉल-आउट होने की स्थिति में प्रत्येक माह दो अवसर देकर दोबारा काम पर रखने की व्यवस्था की गई है।

सम्मेलन में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक डॉ. अशोक कड़ेल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा मनीष सिंह, राज्य अतिथि विद्वान संघ के बी.एल. दोहरे, डॉ. देवराज सिंह, डॉ. सुरजीत सिंह भदौरिया सहित बड़ी संख्या में प्रदेशभर से आए उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वान उपस्थित थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल निः शुल्क कोचिंग योजना का संभाग स्तर पर सुचारू रूप से करें संचालनः राज्यमंत्री

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विभाग की समीक्षा बैठक ली

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा हैं कि लोक-कल्याणकारी योजनाओं के त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और युवाओं के भविष्य को संवारने वाली कल्याणकारी योजनाओं को अविलंब धरातल पर उतारा जाए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने निवास स्थित समाधान भवन में विभाग की योजनाओं के सुचारू संचालन एवं प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त सतेन्द्र सिंह, उपसंचालक होमेन्द्र पटले, विशेष सहायक डॉ. सूरज खोदरे, सहायक संचालक सुमित रघुवंशी, सहायक संचालक अवधेश सिसोदिया एवं सलाहकार आर. के. यादव उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरदार वल्लभ भाई पटेल नि:शुल्क कोचिंग योजना को संभाग स्तर पर पुनः सुचारू रूप से अविलंब प्रारंभ करने के निर्देश दिए। आयुक्त सतेन्द्र सिंह ने बताया कि पैरामेडिकल विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण का संशोधन प्रस्ताव एवं कैबिनेट की संक्षेपिका पूर्ण रूप से तैयार कर ली गई है, राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने इस जनहितैषी प्रस्ताव को आगामी कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

विभागीय सुदृढ़ीकरण और कर्मचारी कल्याण की दिशा में चर्चा करते हुए अवगत कराया गया कि निरीक्षक एवं सहायक संचालक सहित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की पदोन्नति संबंधी फाइलें तैयार होकर शासन स्तर पर प्रक्रियाधीन हैं। साथ ही, प्रशासनिक कसावट सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से रिलीव करने के निर्देश दिए।

नशा, नाश की जड़ है, जो वर्तमान और भावी पीढ़ियों को कर देता है बर्बाद

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से की नशा मुक्त मध्यप्रदेश अभियान को सफल बनाने की अपील

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस विकास यात्रा में युवा शक्ति रचनात्मक भूमिका निभा रही है। सभी नागरिक भी विकासात्मक गतिविधियों से स्वयं को जोड़कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नशे की प्रवृत्ति समाज की विकास यात्रा पर कुठाराघात करती है। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नशा मुक्त मध्यप्रदेश बनाने के लिए कार्य कर रही है। नशे से लड़ाई में पूरा देश एकजुट है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने हर तरह के नशे पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक अभियान की शुरुआत की है। नशा, नाश की जड़ है, जो वर्तमान और भावी पीढ़ियों को भी बर्बाद कर देता है। नशे से सभी प्रकार की रचनात्मकता और आगे बढ़ने की संभावनाओं पर कुठाराघात होता है, वर्तमान और भविष्य दोनों खराब होते हैं। नशा परिवारों को बर्बाद कर देता है। राज्य सरकार ने अपनी समस्त क्षमताओं के साथ प्रदेशवासियों के सहयोग से नशे के खिलाफ अभियान आरंभ किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में प्रदेशवासियों से नशा मुक्त मध्यप्रदेश अभियान में हरसंभव सहयोग प्रदान करने और अभियान को समर्थन देने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नशामुक्त भारत के संकल्प तथा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह के वर्ष 2029 तक भारत को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

दमोह में 284.5 मिमी वर्षा दर्ज

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 284.5 मिमी अर्थात 11.2 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है जो अभी तक गत वर्ष से 193 मिमी अर्थात 7.5 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 477.5 मिमी अर्थात 18.7 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पटेरा में 459०4 मिमी दर्ज की गई है। भू अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 266 मिमी हटा 346.8 मिमी जबेरा में 239 मिमी पथरिया 352 मिमी तेन्दूखेड़ा 204.8 मिमी बटियागढ़ 124 मिमी तथा पटेरा में 459.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

पुलिया निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार, गांव के लोगों ने जताई आपत्ति

पथरिया (स्वतंत्र मत)। जहां पथरिया तहसील अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों में अधिकारी ए सरपंच ए सचिव और उपयंत्री भ्रष्टाचार की सेंध लगाए हुए बैठे है। वहीं ग्राम पंचायत खैजरा लखरौनी में 5 लाख 50 हजार के करीब एक माह पहले पुलिया निर्माण कार्य कराया गया था। जिसमें गांव के ही एक व्यक्ति बबलू पटेल द्वारा अनुविभागीय अधिकारी एवं वर्तमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पथरिया को लिखित शिकायत पत्र देकर अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत खैजरा लखरौनी में पुलिया निर्माण कार्य में कई अनैतिक गतिविधियों को उपयंत्री एवं आलाधिकारियों ने

नजरअंदाज किया है।

जिसमें मुख्य रूप से बडी पुलिया यानी नरिया डलनी थी जो कि छोटी डाली गईए जिससे किसानों का पानी निकलने में परेशानी हो रही हैं। पुलिया में सीमेन्ट रेत की जगह मिट्टी डाली गई जो कि पानी गिरने से क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। वहीं ग्रामीण ने सरपंच सचिव पर आरोप लगाते हुए कहा इनके द्वारा 5,50000 रूपये की राशि निकाली गई जो कि 100000 रूपये में काम पूरा किया गया हैं। वहीं उक्त अधिकारियों से मौके पर जाकर जांच की मांग की है और दोषियों पर अग्रिम कार्यवाही की बात कही।

वहीं समस्त मामले की जानकारी के लिए वर्तमान सरपंच नत्थी बाई से संपर्क किया गया तो उनके पति परम आदिवासी ने बताया कि पुलिया निर्माण कार्य लगभग एक माह पहले कराया गया था। जिसमें मद कम आने से मेरे सचिव द्वारा स्वयं से पैसा लगाया गया। इसके उपरांत मेरे सामने और सही कार्य हुआ है। वहीं सरपंच पति के द्वारा बताया गया कि पंचायत संबंधी सारे कार्य भी मेरे द्वारा देखे जाते है।

बारिश के मौसम में आम नागरिकों से की सावधानी बरतने की अपील

दमोह (स्वतंत्र मत)। बारिश के दौरान तेज आंधी.तूफान और लगातार बारिश के कारण विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। मप्रपूक्षेविविकंलि दमोह के अधीक्षण अभियंता द्वारा आम नागरिकों से इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि बारिश के मौसम में बिजली के खंभों से सुरक्षित दूरी बनाये रखें क्योंकि खराब मौसम के दौरान लीकेज करेंट, तार टूटने तथा अन्य विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। अधीक्षण अभियंता अमित चौहान द्वारा अपील के माध्यम से यह भी अनुरोध किया गया है कि विद्युत पोलए ट्रांसफार्मर तथा हाई टेंशन और एलटी लाइनों से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाये रखें। लोहे की चादर वाले पान ठेलों और दुकानों में सुरक्षित पीवीसी पाईप के माध्यम से वायरिंग करायें, अपने पालतू पशुओं को बिजली के खंभों या स्टे वायर से न बांधें, बारिश के दोरान गीले हांथों अथवा नंगे पैर किसी भी विद्युत उपकरण, तार या स्विच बोर्ड को न छुयें तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखें। जल भराव वाले स्थानों पर एवं बिजली के खंभों के पास जाने से बचें तथा ऐसे स्थानों पर रखे विद्युत उपकरणों का उपयोग न करें। छत या दीवारों से रिसाव, खराब या पुरानी वायरिंग, ढीले कनेक्शन तथा कमजोर अर्थिंग के कारण करेंट फैलने का खतरा बना रहता है।

श्रमदान कर कांग्रेस ने उठाया बदहाल सड़क और जलभराव का मुद्दा

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के गांधी वार्ड स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा एवं विद्यालय परिसर में व्याप्त गंदगी, जलभराव और बदहाल सड़क की समस्या को लेकर नगर कांग्रेस अध्यक्ष दीपेश पटेरिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, स्थानीय युवाओं और वार्डवासियों ने श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया। करीब चार घंटे तक चले इस अभियान में परिसर की सफाई कर प्रशासन का ध्यान जनसमस्याओं की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया। स्थानीय लोगों, छात्रों और शिक्षकों द्वारा कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। समाचार पत्रों में भी इस मुद्दे को

प्रमुखता से उठाया गया लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवाओं ने स्वयं श्रमदान करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा के आसपास सफाई से की गई श्रमदान के दौरान निजी जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से परिसर में जमा कचरे को हटाया गया। आंगनवाड़ी के सामने पाइप डालकर भराव कार्य कराया गया पूरा कार्य स्वयंसेवकों द्वारा निजी संसाधनों से किया गया।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष दीपेश पटेरिया ने आरोप लगाया कि अधिकारी लगातार जनहित की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रमदान के माध्यम से समस्या के समाधान का प्रयास किया गया। उन्होंने नगरपालिका सीएमओ पर जनप्रतिनिधियों के कार्यों में सहयोग नहीं करने और पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया।

कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व मंत्री राजा पटेरिया ने श्रमदान करने वालों की सराहना करते हुए कहा कि जो कार्य प्रशासन को करना चाहिए वह जनता स्वयं करने को मजबूर है जो प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। वहीं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष योगेश सराफ ने प्रशासन की कार्यशैली की आलोचना करते हुए कहा कि जनसमस्याओं के प्रति जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया उदासीन बना हुआ है।

कलेक्टर ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ईव्हीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रताप नारायण यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी-कमर्चारीगण मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा होटल-रेस्टोरेंट व्यापारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दमोह जिले के होटल, रेस्टोरेंट, नाश्ता दुकान एवं चाट एवं फुल्की सेंटर व्यापारी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभा कक्ष में किया गया। खाद्य व्यापारी जागरुकता कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य दमोह जिले के समस्त होटल, रेस्टोरेंट, नाश्ता दुकान, चाट एवं फुल्की व्यापारियों को अखबार के पेपर के खाद्य सामग्री को पैक करने के इस्तेमाल से मानव शरीर को होने वाले दुष्प्रभाव एवं नुकसान का जन संदेश देना है।

कार्यक्रम में उपस्थित डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश

अहिरवाल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया द्वारा उपस्थित खाद्य व्यापारियों को खाद्य परिसर में फूड हाइजीन का स्तर अच्छा रखने के फायदों के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर उपस्थित खाद्य व्यापारियों को बेहतर खाद्य सामग्री निर्माण, संग्रह एवं विक्रय के लिए शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री का उपयोग करने की अपील की गई। खाद्य व्यापारियों को बताया कि अगर आप सभी अखबार के पेपर में खाद्य सामग्री को पैक करके बेचते हैं तो यह मानव शरीर के लिए बहुत नुकसानदायक है। खाद्य सामग्री को अखबार के पेपर में पैक करने से अखबार की स्याही में उपस्थित हैवी मेटल्स जैसे लेड एवं अन्य हानिकारक रसायन खाद्य सामग्री में घुल जाते हैं जिससे मानव शरीर में पेट संबंधी रोग, पाचन की गड़बड़ी, लीवर एवं किडनी पर असर के साथ साथ शरीर में विषैले पदार्थों का जमाव होने लगता है जो कि कैंसरकारक है। अखबार के पेपर में खाद्य सामग्री को पैक नहीं करने से मानव शरीर को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण भारत सरकार द्वारा अखबार के पेपर में खाद्य सामग्री को पैक एवं सर्व करने को प्रतिबंधित कर दिया गया है। चाट एवं फुल्की सेंटर व्यापारियों को मेटानिल येलो कलर एवं टार्टरी का इस्तेमाल नहीं करने हेतु निर्देशित किया गया।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.9 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक /सं.अधि/09/2026-27/920
दिनांक 9/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री मयाराम जेसवानी पिता स्व. गुरदास जेसवानी ने मकान नं. 257 पिन-1000469240 वार्ड आचार्य विनोभा भावे भूतल आरसीसी 1189 वर्गफुट रहवास/आरसीसी 525 वर्गफुट व्यवसाय प्रथम तल आरसीसी 560 वर्गफुट रहवास शपथ पत्र/मृत्यु प्रमाण पत्र/ तहसील रांझी आदेश के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 257 पूर्वी घमापुर कांचघर चौक पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 9 लालमाटी, नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-9 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण / हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कामधेनु नगर पनागर जबलपुर में स्थित भूखण्ड क्रमांक- ई.डब्ल्यू.एस - 235 श्री आकाश मिश्रा पिता श्री त्रिलोकी नाथ मिश्रा के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 04.11.2025 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री आकाश मिश्रा पिता श्री त्रिलोकी नाथ मिश्रा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23.03.2026 के माध्यम से श्रीमती प्रेम बाई पति श्री इन्द्र कुमार को विक्रय किया है । श्रीमती प्रेम बाई पति श्री इन्द्र कुमार द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण / नामांतरण / (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि हस्तांतरण / नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नही होगा ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र. 1806/अ-6/2026-27
जबलपुर, दिनांक 02.07.2026

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमित सिंह वर्मा पिता विजय कुमार वर्मा निवासी 1637 व्ही.एफ.जे. रोड शोभापुर, जबलपुर के द्वारा मौजा कुदवारी खसरा नंबर 79/59 में से रकवा 0.280 हे. वर्गफुट भूमि जो आवेदक के द्वारा फौत स्व. विजय पिता स्व.होरीलाल 13.3.2024 से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक ..से क्रय किया जाना लेख किया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 17.07.2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

अतिरिक्त तहसीलदार अधारताल, जबलपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र. 1807/अ-6/2026-27
जबलपुर, दिनांक 02.07.2026

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती मानकुंवर वर्मा पति रविन्द्र सिंह वर्मा निवासी व्ही.एफ.जे. रोड शोभापुर, जबलपुर के द्वारा मौजा कुदवारी खसरा नंबर 79/44 में से रकवा 0.0280 हे. वर्गफुट भूमि जो आवेदक के द्वारा फौत रविन्द्र सिंह वर्मा पिता स्व.होरीलाल मृत्यु दिनांक 18.01.2026 से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक ..से क्रय किया जाना लेख किया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 17.07.2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

अतिरिक्त तहसीलदार अधारताल, जबलपुर

राांझी थाना क्षेत्र में वारदात, जांच में जुटी पुलिस

बीड़ी लेकर लौट रहे युवक को मारे चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में 42 वर्षीय पंजी कोल निवासी ग्राम उमरिया डिरहा मझौली ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह वह बीड़ी लेने के लिये रतन पान वाले के पास गया था। बीड़ी लेने के बाद जैसे ही वापस आ रहा था कुलिया के पास वीरेन्द्र कोल एवं सुक्कू कोल मिले जो उससे बोले हम लोग यहां के गुण्डें हैं और शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो वीरेन्द कोल ने चाकू से हमलाकर चोट पहुंचा दी।

कॉलेज के छात्र से दिनदहाड़े लूट

मोबाइल पर झपट्टा मारकर फरार हुए बदमाश

जबलपुर । सिविल लाइन थाने में 21 वर्षीय सार्थक कुमार असाटी निवासी गोविन्द भवन सिविल लाईन ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह रादुविवि में पढ़ाई करता है। 1 जुलाई सुबह अपने रूम से घर जाने के लिये रेलवे स्टेशन जबलपुर की ओर निकला था इलाहाबाद चौक स्टेशन रोड में मोबाइल से बात करते हुये जा रहा था। मोबाइल हाथ में रखा था तभी पीछे से बाईक सावर लड़के इलाहाबाद चौक तरफ से आकर उसका वीवो कम्पनी का मोबाइल लगभग 24 हजार 999 रूपये का छीनकर भाग गये। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू करदी है।

तीन नहीं एक एजेंसी कंट्रोल करे जबलपुर की ट्रैफिक व्यवस्था

शहर की बिगडैल ट्रैफिक व्यवस्था पर हाइकोर्ट सख्त, सिग्नल से जनता हो रही परेशान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर मप्र हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। ट्रैफिक सिग्नलों के संचालन को लेकर दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि शहर के सभी ट्रैफिक सिग्नलों का संचालन किसी एक ही एजेंसी को सौंपा जाए, ताकि बेहतर समन्वय बन सके और जाम की समस्या से राहत मिल सके। अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट को बताया गया कि जबलपुर में ट्रैफिक नियंत्रण के लिए कुल 21 सिग्नल लगाए गए हैं। इनमें से 20 सिग्नल चालू कर दिए गए हैं,

जबकि दमोह नाका चौराहे का एक सिग्नल फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण अभी शुरू नहीं किया जा सका है। सरकार के इस जवाब पर अदालत ने माना कि जनहित याचिका में उठाई गई मुख्य मांग पूरी हो चुकी है।

तीन एजेंसियों में बटा सिग्नलों का संचालन

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने हाईकोर्ट को बताया कि शहर के ट्रैफिक सिग्नलों का संचालन 3 अलग-अलग एजेंसियों के पास होने से समन्वय नहीं बन पा रहा है। उन्होंने बताया कि 6 ट्रैफिक सिग्नल स्मार्ट सिटी जबलपुर संचालित कर रही है। 5 सिग्नल नगर निगम के अधीन हैं। 10 सिग्नलों का संचालन मप्र पुलिस कर रही है।

बेहतर हो सकेगा सिग्नलों का सिंक्रोनाइजेशन

मप्र हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अलग-अलग एजेंसियों के कारण ट्रैफिक प्रबंधन में एकरूपता नहीं रह सकती। यदि सभी सिग्नलों का संचालन एक ही एजेंसी करेगी तो सिग्नलों का बेहतर सिंक्रोनाइजेशन हो सकेगा। इससे एक चौराहे पर ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद अगले चौराहे पर भी वाहन चालकों को ग्रीन सिग्नल मिल सकेगा और अनावश्यक जाम की स्थिति नहीं बनेगी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इस संबंध में गंभीरता से विचार करने और किसी एक विभाग को ट्रैफिक सिग्नलों का संचालन सौंपने की दिशा में निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने सुझाव पर जताई सहमति

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से उपस्थित उपमहाधिवक्ता ने हाईकोर्ट के सुझाव से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार इस संबंध में विचार कर आवश्यक निर्देश जारी करेगी और अगली सुनवाई में अदालत को इसकी जानकारी दी जाएगी। इधर अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय का कहना है कि स्मार्ट सिटी ट्रैफिक सिग्नलों का संचालन प्रभावी ढंग से नहीं कर पा रही है। ऐसे में शहर के सभी 21 ट्रैफिक सिग्नलों का संचालन जबलपुर नगर निगम को सौंपा जाना अधिक व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प हो सकता है।

एनएच-30 पर चकाजाम कर कांग्रेसियों ने किया जमकर प्रदर्शन

सड़क निर्माण कार्य ना शुरू होने पर सिहोरा में दिया गया धरना

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

कृषि उपज मंडी से खितौला बाजार तक प्रस्तावित नाला एवं सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से नाराज कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नेशनल हाईवे-30 पर चक्काजाम कर दिया। वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद राजेश चौबे के नेतृत्व में पहले दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक कृषि उपज मंडी के पास धरना दिया गया, लेकिन प्रशासन की ओर से सड़क और नाला निर्माण को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलने पर प्रदर्शन उग्र हो गया। प्रदर्शन में अमोल चौरसिया, बाबा कुरैशी, मंजू मिश्रा, ममता गोटिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन शामिल रहे।

पहरेवा में 30 मिनट तक जाम

दोपहर करीब 3:10 बजे कांग्रेसी पहरेवा के पास नेशनल हाईवे-30 पर बैठ गए और करीब 30 मिनट तक मार्ग अवरुद्ध रखा। इससे जबलपुर और कटनी दोनों ओर लगभग आधा किलोमीटर तक ट्रक, बसों और अन्य वाहनों की लंबी कतार लग गई। राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाया कि नेशनल हाईवे जाम करना कानूनन उचित नहीं है। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हुई। बाद में पुलिस के समझाने पर प्रदर्शनकारियों ने जाम समाप्त कर दिया।

चार माह से शुरू नहीं हुआ निर्माण

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि नगर पालिका परिषद सिहोरा ने चार माह पहले सड़क और नाला निर्माण का टेंडर जारी कर वर्क ऑर्डर भी दे दिया था, लेकिन ठेकेदार ने अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

इन्होंने कहा

नेशनल हाईवे जाम करना पूरी तरह गैरकानूनी है। जाम करने वालों को समझाइश दी गई, जिसके बाद उन्होंने जाम खोल दिया। जाम लगाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रमन सिंह, थाना प्रभारी खितौला

रिकॉर्ड मतों से जीते अधिवक्ता आरके सैनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव 2026 के परिणाम घोषित हो गए हैं। जिसमें अधिवक्ता आरके सिंह सैनी ने रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की है। बताया जा रहा है कि यह पहला मौका है जब प्रदेश के किसी भी एक जिले से किसी उम्मीदवार को इतनी भारी संख्या में समर्थन मिला है। अपनी जीत सुनिश्चित करने के साथ ही सैनी ने मध्य प्रदेश बार काउंसिल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल उनके समर्थकों में उत्साह भरा है,

बल्कि जबलपुर संस्कारधानी का मान भी पूरे प्रदेश में बढ़ाया है। जानकारी के अनुसार मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव 2026 में अभी कुछ और जिलों की मतगणना होना बाकि है। जिसके बाद कार्यकारिणी का गठन होगा। अपनी शानदार जीत के बाद आरके सिंह सैनी ने जबलपुर के साथ-साथ पूरे मध्य प्रदेश के अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें अपना मत और सहयोग दिया। सैनी ने यह स्पष्ट किया कि वे पहले की तरह ही हमेशा अपने अधिवक्ता साथियों के साथ हर परिस्थिति में खड़े रहेंगे।

संयुक्त संचालक ने किया 53 स्कूलों का ऑनलाइन निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी के निर्देश पर संभाग के 53 शासकीय विद्यालयों का औचक ऑनलाइन निरीक्षण किया गया। इस विशेष अभियान के लिए गठित निरीक्षण दल में उप संचालक पीपी सिंह, सहायक संचालक रश्मि झारिया, प्रशासनिक अधिकारी उर्मिला पाठक और सहायक सांख्यिकी अधिकारी सुषमा पटेल शामिल रहीं। टीम ने डिजिटल माध्यम से सीधे स्कूलों की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में गंभीर प्रशासनिक और शैक्षणिक कमियां उजागर हुईं। शासकीय हाई स्कूल कोदरी (मझौली) में शिक्षक नियमित लेसन प्लान नहीं बना रहे थे, तो वहीं सिवनी के करहीवाड़ा कन्या हाई स्कूल में समय से पहले ताला लटकता मिला।

युवक ने टीआई से कहा- तू जानता नहीं मुझे, घसीटकर थाने ले गई पुलिस

मॉडिफाइड बाइक रोकी तो पुलिस को गालियां देने लगा युवक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लार्डगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार रात वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक और पुलिसकर्मियों के बीच जमकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच सड़क पर गाली-गलौज होने लगी। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। जानकारी के मुताबिक एसपी सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर लार्डगंज थाना पुलिस बल्देवबाग चौक पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बाइक चला रहे 18 वर्षीय भावेश रजक, निवासी संगम कॉलोनी, को रोक लिया। थाना प्रभारी नवल आर्य ने बताया कि पुलिस ने युवक से बाइक का मॉडिफाइड साइलेंसर हटाने के लिए कहा। इसी बात पर उसकी पुलिसकर्मियों से बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के

बीच गाली-गलौज होने लगी और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बाल पकड़कर गाड़ी में बैठाया- विवाद के बाद पुलिस ने युवक को बाल पकड़कर गाड़ी में बैठाया और लार्डगंज थाने ले गई। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया था। बाद में उसके परिजनों को थाने बुलाया गया और समझाइश देकर उसे छोड़ दिया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस का कहना है कि वाहन चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा और मॉडिफाइड साइलेंसर व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस ने की चालानी कार्यवाही - बताया जा रहा है कि रात को थाना प्रभारी के साथ जब पुलिसकर्मी वाहन चेकिंग कर रहे थे, तभी वहां से बाइक में निकर रहे युवक भावेश को रोका तो उसने टीआई की तरफ हाथ बढ़ाते हुए कहा कि तू जानता नहीं है, मुझे मैं कौन हू, इसके बाद पुलिसकर्मियों से बहस हो गई, जिसके बाद उसे पकड़कर थाने लाया गया। पुलिस ने भावेश की बाइक को स्टार्ट किया गया तो उसमें पटाखे जैसे आवाज आ रही थी। इसके बाद युवक के पिता को थाने फोनकर बुलाया गया तो उन्होंने अपना परिचय राजनीतिक दल में कार्यकर्ता के रूप में दिया। हालांकि उन्होंने माना कि बेटे ने गलती की है। जिसके बाद पुलिस ने वाहन अधिनियम के तहत 5 हजार 500 रुपए का चालान काटा है।

पंचायत को ठोस कचरा मुक्त बनाने नेतृत्वकारी भूमिका निभाएं सरपंच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से शुक्रवार को अधारताल स्थित महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान में उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। जिला पंचायत जबलपुर द्वारा आयोजित कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश

गोंटिया, उपाध्यक्ष विवेक पटेल, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन में ग्राम पंचायतों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सरपंच अपनी पंचायत को ठोस कचरा मुक्त बनाने के लिए नेतृत्वकारी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि ठोस कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन अपेक्षाकृत सरल है, इसलिए इसकी शुरुआत ग्राम स्तर से प्रभावी ढंग से की जा सकती है।

रेलवे मजिस्ट्रेट ने पकड़े 22 अवैध वेंडर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश सगर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्म पर अवैध रूप से वेंडिंग करते हुए कई व्यक्तियों को देखा गया। इस पर रेलवे मजिस्ट्रेट ने तत्काल मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई) को कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

क्रॉनिक डिजीज अवेयरनेस डे का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज़ एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी की अनुमति से 10 जुलाई को सेठ गोविंददास विक्टोरिया अस्पताल में क्रॉनिक डिजीज अवेयरनेस डे-2026 का आयोजन मूव, फ्यूल, थ्राइव थीम के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा एवं अन्य दीर्घकालिक (क्रॉनिक) बीमारियों की रोकथाम, समय पर पहचान एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे प्रारंभ

हुआ। बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन एवं समन्वयक शिक्षिका सुश्री ऋषिका कोठारी के निर्देशन में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यार्थियों ने मरीजों एवं उनके परिजनों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन, दवाओं का नियमित सेवन तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम को मरीजों, उनके परिजनों एवं अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों से सकारात्मक एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता प्राप्त हुई। इस जागरूकता अभियान ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा क्रॉनिक बीमारियों की रोकथाम के प्रति प्रेरित किया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**